निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, गुरुवार 6 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 169 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को संताल समाज के आस्था की पावन स्थली लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ में सपरिवार पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

स्वस्थ जीवन का दर्शन है आयुर्वेद : राज्यपाल

नवीन सिन्हा / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। पंचतत्व सेवा संगठन के प्रथम वार्षिक उत्सव का आयोजन स्थानीय पैराडाइज शॉर्ट में भव्य रूप से किया गया। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल महामहिम संतोष गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ और मेमोंटो देकर राज्यपाल का स्वागत कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो अब पुनः जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एक वर्ष में संस्था ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में एक दर्जन से अधिक आयुर्वेदिक अस्पतालों की स्थापना की है, जहां अब तक 7000 से अधिक मरीजों का निशुल्क उपचार किया जा चुका है। संगठन का लक्ष्य झारखंड के प्रत्येक पंचायत स्तर तक आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलना है ताकि लोगों को सस्ता और प्रभावी इलाज मिल सके। इस अवसर पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि वर्तमान में एलोपैथी इलाज अत्यंत खर्चीला होता जा रहा है

जबकि आयुर्वेद सस्ता, सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने कहा कि पंचतत्व सेवा संगठन का प्रयास समाजहित में सराहनीय है और इसे आगे बढ़ाने में सभी को सहयोग करना चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि समाज के विकास में ऐसे संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पंचतत्व सेवा संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय है। राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद भारत की अमूल्य परंपरा का प्रतीक है। यह स्वस्थ जीवन का दर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आयुर्वेद को सशक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आने वाले समय में पंचतत्व सेवा संगठन समाज के विकास का मील का पत्थर बनेगा। राज्यपाल ने संस्था के उन प्रयासों की भी सराहना की जिसके तहत गरीब और मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं होता और समाजसेवा ही सच्चे जीवन का उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 18 समाजसेवियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से पत्रकार नीलेंदु जयपुरियार, पत्रकार मिथिलेश कुमार सिंह, मुर्दा कल्याण समिति से जुड़े नीरज कुमार, पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत महादेव महतो, शिक्षा के लिए भूमि दान देने वाले चंद्रधारी प्रसाद मेहता, निरंजन कुमार मिश्रा, दीपा सोनी सहित कई अन्य शामिल हैं। मौके पर गौतम चौरसिया, विजय प्रसाद, विजय कुमार, अंकुर राज, राहुल कुमार राज, सचिन कुमार, अनुज तिवारी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संदिग्ध परिस्थिति में दंपति की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। शहर के बेलाबगान, काली बाड़ी मोहल्ले में बुधवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब एक किराए के मकान से दंपती का शव बरामद हुआ। मृतकों की पहचान रवि शर्मा (30) और उनकी पत्नी लवली शर्मा (24) के रूप में हुई है। दोनों की शादी को अभी लगभग एक साल ही हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार जिस कमरे में पति-पत्नी रहते थे, वह अंदर से बंद था। जब दरवाजा काफी देर तक नहीं खुला, तो आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर दोनों के शव पड़े मिले। पुलिस ने कमरे से साक्ष्य जुटाए हैं। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य लिए हैं। जानकारी के मुताबिक लवली का मायका कालीरेखा मोहल्ले में है जबकि रवि शर्मा मूल रूप से बिहार के सीवान जिले का रहने वाला था। वह गुवाहाटी में काम करता था। शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। कुछ महीने पहले लवली के परिजनों ने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था और दंपती फिर से साथ रहने लगे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार देर रात पति-पत्नी के बीच फिर झगड़ा हुआ था। बुधवार सुबह जब दरवाजा नहीं खुला तो शक होने पर लोगों ने खिड़की से झांककर देखा। अंदर कोई हलचल नहीं दिखी जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह मामला हत्या और आत्महत्या का लग रहा है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। पूरे इलाके में मातम का माहौल है। परिजन घटना स्थल पर पहुंचे तो रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की गहराई से जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़ में खड़ी कार में लगी आग

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। जिले के मांडू में राष्ट्रीय राजमार्ग 33 के किनारे खड़ी एक मारुति सुजुकी कार में अचानक आग लग गई। गोड्डा से रांची जा रही यह कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के समय कार में सवार लोग शांति मानसरोवर ढाबा होटल में खाना खाने रुके थे। खाना खाकर बाहर आने पर उन्होंने देखा कि उनकी गाड़ी धू-धूकर जल रही थी। स्थानीय पुलिस और आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और गाड़ी पूरी तरह से जल चुकी थी।

अवैध बालू ट्रैक्टर से गिरा मजदूर, मौत

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू के नावाजयपुर थाना क्षेत्र में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। घटना मंगलवार रात चुरादोहर बाजार के पास हुई। आरोप है कि ट्रैक्टर मालिक और चालक ने साक्ष्य मिटाने के लिए मजदूर के शव को पास के नाले में फेंक दिया और बालू को दूसरी जगह अनलोड कर दिया। मृतक की पहचान इसी थाना क्षेत्र के कसवाखाड़ निवासी 41 वर्षीय अजय यादव के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध बालू उठाव पर रोक लगाने की मांग की है।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सरांगो गांव निवासी मनोज उरांव का शव गांव स्थित डैम किनारे करंज के पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने सबसे पहले मनोज के शव को पेड़ से लटका देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पंचायत के मुखिया राजेश बड़ाइक और आदिवासी ममता जीवन दर्पण संस्था के कोषाध्यक्ष चंद्रदेव उरांव को दी। इसके बाद घाघरा पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर घाघरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है।

भाजपा विधायक ललन कुमार ने थामा राजद का दामन

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का खेल जोरों पर है। भागलपुर जिले की पीरपैंती (सुरक्षित) सीट से भाजपा विधायक रहे ललन कुमार ने बुधवार को राजद का दामन थाम लिया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके बाद ललन कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से भी मुलाकात की। राजद में शामिल होने के बाद ललन कुमार ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा की है।

खंभरा इको पार्क का होगा सम्पूर्ण विकास जापान सरकार का मिलेगा साथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जंगल की वादियों में स्थित खंभरा में नवनिर्मित इको पार्क क्षेत्र का प्रमुख दर्शनीय क्षेत्र बनता जा रहा है। यह इलाका धीरे-धीरे पर्यटन क्षेत्र की तरह विकसित हो रहा है। अब इस इको पार्क को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने में जापान सरकार हाथ बंटाएगी। जापान सरकार के प्रतिनिधियों के साथ वन विभाग रांची और हजारीबाग की टीम ने खंभरा पहुंचकर इको पार्क का जायजा लिया। जापान के प्रतिनिधियों को इको पार्क बहुत पसंद आया है। प्रतिनिधियों ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि इको पार्क को और भी बेहतर बनाने के लिए जापान सरकार भारत सरकार का सहयोग करेगी। इस तरह से यह कहना गलत नहीं होगा कि तत्कालीन विधायक विनोद कुमार सिंह की पहल से सरकारी स्तर पर जिस उद्देश्य के साथ खंभरा स्थित डैम को इको पार्क के रूप में विकसित करने की शुरुआत की गई थी जिसकी काफी बेहतर होने की संभावना है। उप प्रमुख हरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि वन विभाग रांची और हजारीबाग की टीम के साथ जापान सरकार के प्रतिनिधियों की टीम खंभरा स्थित इको पार्क पहुंची। टीम ने पार्क के चहुंओर भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और संभावित विकास का रूप-रेखा तैयार किए जाने की बात कही है। बता दें कि खंभरा स्थित डैम को जबसे इको पार्क के रूप में विकसित किया गया है तब से यहां पर्यटकों की भीड़ उमड़ने लगी है। पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए यहां जलपान के लिए कई तरह की दुकानें भी सज गई हैं।

प्रिंस खान गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद पुलिस ने हैदर अली उर्फ प्रिंस खान गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अवैध मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला कारोबार में सक्रिय थे। पुलिस ने इनके पास से 17 लाख 34 हजार 900 रुपए नगद, दो लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग की विशेष टीम ने 60 पुलिसकर्मियों के साथ छापेमारी अभियान चलाया। मंगलवार तड़के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के वासेपुर और आसपास के कई ठिकानों पर तलाशी ली गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी प्रिंस खान के लिए 'स्लीपर सेल' के तौर पर काम कर रहे थे। वे धन के लेन-देन, जमीन पर कब्जा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में उसकी मदद करते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान परवेज़ खान, सैफ आलम उर्फ राशिद, तौशीफ आलम उर्फ मूसा और इम्तियाज अली उर्फ लाडले के रूप में हुई है। ये सभी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के निवासी हैं। एसएसपी के अनुसार यह गिरोह धनबाद में व्यापारियों, पेट्रोल पंप संचालकों और ठेकेदारों से संपर्क कर अवैध कमाई को वैध दिखाने का काम करता था। जांच से पता चला है कि गिरोह का मुख्य सरगना प्रिंस खान विदेश से ही अपने सहयोगियों को निर्देश दे रहा था। धनबाद पुलिस की इस कार्रवाई की शहर में काफी चर्चा है। एसएसपी ने बताया कि प्रिंस खान गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और आने वाले दिनों में और भी खुलासा होने की संभावना है।

पलामू टाइगर रिजर्व इलाके में जंगली हाथी की मौत

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। पलामू टाइगर रिजर्व स्थित बुचीदाड़ी गांव के पास एक जंगली हाथी का शव बरामद हुआ है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। हालांकि हाथी की मौत कैसे हुई इसकी अब तक पुष्टि नहीं हो पाई है। मृत हाथी के पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सकों की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है। दरअसल वन विभाग की टीम को बुधवार को सूचना मिली कि पलामू टाइगर रिजर्व के बुचीदाड़ी गांव के पास धान के खेत के बगल में एक जंगली हाथी की मौत हो गई है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम अलर्ट हुई और डिप्टी डायरेक्टर पीके जेना के निर्देश पर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इस संबंध में डिप्टी डायरेक्टर पीके जेना ने बताया कि हाथी की मौत हुई है। पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम घटनास्थल की ओर रवाना हो चुकी है।

तीन विधानसभा के 22 प्रत्याशियों पर गिर सकती है गाज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पिछले विधानसभा चुनाव में खर्च का ब्योरा नहीं देने वाले करीब दो दर्जन प्रत्याशियों पर अब गाज गिर सकती है। चुनाव आयोग ने ऐसे 22 प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य के 13 विधानसभा क्षेत्रों के 22 उम्मीदवारों ने चुनाव के दौरान हुए खर्च का विवरण निर्धारित समय में जमा नहीं किया है। आयोग ने इसे गंभीरता से लेते हुए नोटिस जारी किया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने स्पष्ट कहा है कि आयोग का निर्देश बेहद साफ है। निर्धारित अवधि के भीतर सभी प्रत्याशियों को अपने खर्च का विवरण देना होता है। इसके बावजूद 22 प्रत्याशियों ने चुनाव खर्च का ब्यौरा नहीं दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी स्तर से ऐसे सभी प्रत्याशियों से जवाब तलब किया गया। इसके बावजूद उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। ऐसे में जिलों से आई रिपोर्ट के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग को इस संबंध में रिपोर्ट भेजी गई है। चुनाव खर्च का ब्योरा नहीं देने पर वैसे प्रत्याशी छह साल तक के लिए कोई चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। चुनाव आयोग के प्रावधान के अनुसार अगर प्रत्याशी का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो उन पर छह साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है। इस तरह के मामलों में उम्मीदवार अयोग्य भी घोषित किए जा सकते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग ने एक मौका देते हुए आरोप के घेरे में आए सभी प्रत्याशियों को एक महीने का समय देते हुए जवाब दाखिल करने का मौका दिया है। आरोप के घेरे में आए जिन 13 विधानसभा सीटों के प्रत्याशी सूचीबद्ध हैं उनमें राजमहल, महागामा, बड़कागांव, रामगढ़, मांडू, बगोदर, गांडेय, पाकुड़, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर शामिल हैं। इन क्षेत्रों के 22 उम्मीदवारों में अधीर कुमार मंडल, नईम शेख, अमित कुमार, मालतो, मुकेश सोरेन, कृष्ण मोहन चौबे, फुलेश्वर महतो, लालदेव मुंडा, सुनील कुमार बेड़िया, सुंदरनाथ बेड़िआ, धर्मेंद्र प्रसाद, पंकज कुमार, मुख्तार खान, श्रीकांत प्रसाद, समीम अख्तर, पंकज कुमार जायसवाल, रितेश कुमार गुप्ता, प्रीति राज, अनिल मांझी, कामेश्वर पासवान, मुकेश चौधरी, राम प्यारे पाल, घनश्याम पाठक और राजेश बैठा के नाम शामिल हैं। खास बात यह है कि आरोप के घेरे में आए सभी प्रत्याशी निर्दलीय के रूप में पिछले झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान किस्मत आजमाने उतरे थे। यदि इन प्रत्याशियों के द्वारा चुनाव खर्च का ब्योरा नहीं दिए जाने के साथ-साथ आयोग के नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता है तो चुनावी नियमों की अनदेखी इन्हें भारी पड़ सकती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर देवघर में उमड़ी भक्तों की भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिवगंगा घाट से बाबा मंदिर तक लंबी कतारें देखी गईं, जहां भक्तों ने पवित्र स्नान और पूजा-अर्चना की। श्रद्धालु देर रात 2 बजे से ही बाबा मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार पर कतार में लगने लगे थे। सुबह होते-होते यह कतार 1 से 2 किलोमीटर लंबी हो गई। पूरा वातावरण 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठा। कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए शिवगंगा घाट पर भक्तों की भारी भीड़ जुटी। ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई और भगवान शिव को जलाभिषेक किया। महिलाओं और पुरुषों ने दीपदान भी किया। घाट पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस और प्रशासन मुस्तैद रहे। स्थानीय श्रद्धालुओं के अतिरिक्त, बिहार (भागलपुर, मुंगेर, पटना, जमुई), झारखंड (धनबाद, बोकारो, दुमका, रांची), पश्चिम बंगाल (आसनसोल, मालदा) और उत्तर प्रदेश व नेपाल से भी बड़ी संख्या में भक्त देवघर पहुंचे थे। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बाबा धाम में विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान आयोजित किए गए। पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक, सहस्त्रधारा और दीपदान कार्यक्रम संपन्न कराए। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में दीप जलाकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। श्रद्धालुओं को संस्कार भवन से प्रवेश दिया गया और आम्रपालन मार्ग से निकासी कराई गई। मंदिर के भीतर और शिवगंगा घाट पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही थी। अधिकारियों ने समय-समय पर भीड़ प्रबंधन की समीक्षा की। बाबा मंदिर के अलावा मां शीतला मंदिर, रिखिया धाम, तपोवन, नवलखा मंदिर और बासुकीनाथ के लिए भी कई भक्त रवाना होते देखे गए।

अबुआ समाज, संस्कृति, परंपरा को आगे बढ़ाने को सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत

मनोज विशाल /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय लुगूबुरु घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव- 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन संग पुनाय थान में लुगु बाबा की पारंपरिक विधि-विधान से की पूजा अर्चना कर राज्यवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी परंपरा और संस्कृति को जितनी अच्छी तरह समझेंगे, उतना ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा यह महोत्सव हमारी संस्कृति और परंपरा के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा का परिचायक है। सामाजिक व्यवस्था को व्यवस्थित एवं बेहतर बनाने में हम अपने पूर्वजों के योगदान को कभी भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा, अबुआ समाज, संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज को संरक्षित,समृद्ध तथा आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगू बुरु विशेष रूप से संताल समाज के लिए एक ऐसा पवित्र स्थल है जहां हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले लुगूबुरु, घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव में झारखंड के अलावा देश के अन्य प्रदेशों तथा विदेशों से भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। वे यहां लुगू बाबा का दर्शन और पारंपरिक विधि- विधान से पूजा- अर्चना कर खुशहाली की कामना करते हैं। यह परंपरा यहां वर्षों से चली आ रही है। इस वर्ष भी तीन दिनों के इस राजकीय महोत्सव में यहां आये सभी श्रद्धालुओं का मैं आभार जताता हूं। यह महोत्सव आगे और भी भव्यता और समृद्ध हो, लुगू बाबा के दरबार में हम यही आराधना करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगूबुरु संताल समुदाय का एक ऐसा गढ़ है, जहां हमारे पूर्वजों ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसका पालन हम हमेशा से करते आ रहे हैं। संताल समाज को बेहतर एवं व्यवस्थित बनाने में हम अपने पूर्वजों के योगदान को कभी भूल नहीं सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अबुआ समाज, संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज को समृद्ध तथा आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार सदैव से गंभीर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगूबुरु, घांटाबाड़ी हमारे लिए असीम आस्था का केंद्र है। हर वर्ष यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और लुगू बाबा के दर्शन करते हैं। ऐसे में देश - विदेश से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा से ज्यादा सुविधा और सहूलियत देने के लिए यहां की व्यवस्था को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। यह तीर्थ स्थल विश्व के मानचित्र में एक अलग पहचान बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन शुरू से ही लुगूबुरु, घांटाबाड़ी के प्रति उनकी असीम आस्था थी। वे हमेशा लुगू बाबा के दरबार में आते थे। लुगूबुरु के प्रति उनकी जो सोच थी। उनका जो मार्गदर्शन मिला था, उसे हम सभी मिलकर आगे बढ़ाएं ताकि यह धरोहर हमारे भावी पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा का काम हमेशा करता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज हमेशा से ही प्रकृति को सुरक्षित और संरक्षित करता आ रहा है लेकिन आज विकास की होड़ में जल- जंगल और जमीन खत्म होते जा रहे हैं। यह प्रकृति के लिए बहुत बड़ा खतरा है। अगर पर्यावरण संरक्षण की खातिर आगे नहीं बढ़ेंगे तो इसके खतरनाक परिणाम भुगतान को तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान बिरसा मुंडा और सिद्धो-कान्हू जैसे हमारे पूर्वजों ने जल-जंगल और जमीन की खातिर हमेशा संघर्ष करते रहे, उसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में पर्यावरण को बचाने के लिए सामाजिक कानून को बनाकर उसका पालन करने की जरूरत पर जोर दिया। इस अवसर पर मंत्री चमरा लिंडा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो, विधायक उमाकांत रजक, जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी सहित पुलिस प्रशासन के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अंधविश्वास के खिलाफ 12 को चलेगा जागरूकता अभियान : पुलिस अधीक्षक श्रुति कुमारी

अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध पुलिस का सशक्त संदेश, बरही के चारों मुख्य मार्गों से निकलेगी रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। झारखंड में अब भी डायन-बिसाही जैसी कुप्रथाओं की वजह से कई महिलाओं को अमानवीय यातनाएँ झेलनी पड़ती हैं। अशिक्षा और अंधविश्वास के कारण यह प्रथा समाज में गहराई तक फैली हुई है। इसी गंभीर सामाजिक समस्या को मिटाने के उद्देश्य से 12 नवंबर (बुधवार) को बरही में पुलिस अधीक्षक श्रुति कुमारी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक श्रुति कुमारी ने बरही थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि इस अभियान में प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों विद्यालयों के हजारों छात्र शामिल होंगे। अभियान के तहत बरही के चारों मुख्य मार्गों से भव्य रैली निकाली जाएगी, जो पूरे नगर में अंधविश्वास के खिलाफ संदेश देगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में व्याप्त अंधविश्वास और डायन-बिसाही जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करना है। श्रुति कुमारी

ने कहा 'किसी महिला को डायन बताकर प्रताड़ित करना न केवल अपराध है, बल्कि यह समाज को भी नकारात्मक विचारधारा से ग्रसित करता है। हमें शिक्षित होकर ही ऐसी कुरीतियों का अंत करना होगा।' पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे सफल बनाएं। प्रेस वार्ता के बाद श्रुति कुमारी ने रैली के रूट का निरीक्षण भी किया और तैयारी की समीक्षा की। मौके पर बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार, पुलिस अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार, पदमा ओपी प्रभारी संचित कुमार और महिला थाना प्रभारी किरण कच्छप मौजूद रहीं।

क्रिटिकल मेटल्स पर सम्मेलन 6 नवंबर से शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। भारत का पहला क्रिटिकल मेटल्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 6 नवंबर 2025 से सीएसआईआर-एनएमएल में शुरू हो रहा है - जो कि खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त महत्वपूर्ण खनिजों और धातुओं में उत्कृष्टता केंद्र है।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला 6 नवंबर से 8 नवंबर 2025 के दौरान क्रिटिकल मेटल्स कांग्रेस (CRITMET) 2025 का आयोजन कर रही है। सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला को भारत सरकार के खान मंत्रालय ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन के तहत सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तौर पर मान्यता दी है। सम्मेलन में अलग-अलग संगठनों के विशेषज्ञों शामिल होंगे, जिनमें श्री लेखन ठक्कर, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, परिषद सचिवालय, भारत सरकार, श्री शकील आलम, आर्थिक सलाहकार, खान मंत्रालय, डॉ. के आनंद राव, सीएमडी, यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, डॉ. अनुपम अग्निहोत्री, निदेशक, खठअफ्ख्ठ और प्रो. सरमा वी पिसुपति, निदेशक, C2M, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, वरअ शामिल हैं, जो उद्घाटन के दिन व्याख्यान देंगे।

यह आयोजन वेदांता स्टरलाइट कॉपर, वेदांता एल्युमीनियम, टाटा स्टील, एलएंडटी मिनरल्स एंड मेटल्स, रूबामिन, लोहुम, पॉलीप्रोटिक, एमईसीएल, आईआरईएल और जीएमडीसी सहित धातुओं और खनिजों के क्षेत्र में प्रमुख उद्योगों के सहयोग से आयोजित की जा रही है। अमेरिका, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, जर्मनी, कजाकिस्तान, नॉर्वे और यूएई जैसे कई देशों के वक्ता, प्रतिभागी और प्रदर्शक पूर्ण व्याख्यान देंगे, प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगे, और प्राथमिक और द्वितीयक (रीसाइक्लिंग) स्रोतों से महत्वपूर्ण खनिजों के सज्जीकरण, निष्कर्षण और पृथक्करण पर अनुसंधान फोकस के साथ तकनीकी सत्रों में भाग लेंगे, तथा महत्वपूर्ण खनिजों हेतु अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय नीतियों एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर केंद्रित सत्रों में भाग लेंगे।

यह कार्यक्रम पॉलिसी मेकर्स, रिसर्चर्स और इंडस्ट्रीज को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा, जो बहुत जरूरी है क्योंकि जरूरी मिनरल्स की जरूरत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। जरूरी मिनरल्स पर निर्भर टेक्नोलॉजी भविष्य की ग्लोबल इकॉनमी को चलाएंगी। इसलिए, इन मिनरल्स के लिए पॉलिसी बनाने, टेक्नोलॉजी डेवलप करने और मजबूत सप्लाई चेन बनाने की दिशा में सोच-समझकर कोशिशें करनी होंगी। सीएसआईआर-एनएमएल द्वारा आयोजित CRITMET 2025 इसी दिशा में एक ठोस प्रयास है। कार्यक्रम की जानकारी https://critmet.in पर उपलब्ध है।

सीमांचल की सरजमीं पर इमरान की दहाड़, इंसाफ, रोजगार और अमन का संदेश

■ 'यह चुनाव मोहब्बत बनाम नफरत की जंग है'– इमरान प्रतापगढ़ी की अमौर से कांग्रेस को नई धार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर/बैसा/ पूर्णिया। राजनीति के गर्म होते मौसम में सीमांचल की फिजा बुधवार को कुछ अलग ही थी। अमौर हाई स्कूल मैदान में कांग्रेस के स्टार प्रचारक इमरान प्रतापगढ़ी की आवाज जब गूंजी, तो लगा जैसे सियासत में शायरी और सच का संगम उतर आया हो।

इमरान ने कांग्रेस प्रत्याशी अब्दुल जलील मस्तान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'यह चुनाव सिर्फ. सत्ता बदलने का नहीं, सोच बदलने का वक्त है। देश को मोहब्बत की राजनीति चाहिए, नफरत की नहीं।' उन्होंने कहा कि सीमांचल की यह धरती इंसानियत, भाईचारे और गंगा-जमनी तहजीब की मिसाल रही है। अब वक्त है कि जनता कांग्रेस को मजबूत करे ताकि गरीबों, किसानों और बेरोजगारों की आवाज को संसद तक पहुंचाया जा सके। औवेसी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा— 'हैदराबादी बिरयानी को चुनाव के वक्त ही सीमांचल की याद आती है, लेकिन जब बेरोजगारी और शिक्षा की बात होती है, तो यह इलाका उनकी जुबान पर नहीं आता।' भीड़ इस बयान पर तालियों से गूंज उठी। इमरान ने युवाओं से जात-पात की दीवारों को तोड़ने और विकास, शिक्षा तथा रोजगार के मुद्दों पर वोट देने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस की सरकार बनने पर हर घर के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी और गरीब परिवारों को 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। सभा में सांसद डॉ. जावेद आजाद ने भी मस्तान के समर्थन में कहा कि 'कांग्रेस सीमांचल के सपनों की पार्टी है, जो अमन और इंसाफ की राजनीति करती है। इस मौके पर मंच पर मुजफ्फर गुर्जर, डॉ. सोएब अख्तर, पूर्व प्रमुख परवेज आलम, महफूज आलम, अबु शायम, गुलाम रब्बानी हरिपुरी, बिरेन्द्र झा, पूर्व मुखिया आसिफ, शमसाद आलम, इकबाल, हैदर आलम, संजीर आलम, अब्दुल, शमीम आलम, जाहिद आलम, मिन्हाज आलम, मजहर आलम, जमशेद आलम, शाहनवाज आलम, फिरदोश आलम समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। अमौर की यह सभा केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि सीमांचल की मिट्टी से उठी वह पुकार थी — जिसने संदेश दिया कि अब राजनीति नफरत की नहीं, इंसाफ और रोजगार की होगी।

बरही विधायक मनोज यादव ने किया 50% अनुदानित मूल्य पर गेहूं एवं सरसों बीज वितरण का शुभारंभ

किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में बड़ा कदम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही विधायक श्री मनोज कुमार यादव ने शुक्रवार को रसोइया धमना स्थित प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति केंद्र में किसानों के बीच 50 प्रतिशत अनुदानित मूल्य पर गेहूं और सरसों के बीज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बरही प्रखंड के सभी पंजीकृत किसानों को झारखंड सरकार के कृषि विभाग की ओर से अनुदानित मूल्य पर बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना किसानों की आय में वृद्धि और कृषि विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। विधायक ने कहा, 'सरकार की यह पहल किसानों के लिए बेहद लाभकारी है। इससे फसल उत्पादन बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। आने वाले दिनों में और भी कृषि योजनाओं को बरही प्रखंड में विस्तार दिया जाएगा।' मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप सदस्य प्रीति गुप्ता, स्थानीय मुखिया गोविंद साव, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, दिलीप यादव, सीताराम यादव समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं किसान उपस्थित थे।

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य का हुआ विकास, हजारीबाग का स्कूल हुआ डिजिटल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड राज्य के गठन हुए 25 साल हो गए हैं. कहा गया तो झारखंड अब युवा अवस्था में पहुंच चुका है. 25 सालों में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सरकारी स्कूल अब डिजिटल हो रहे हैं जिसका लाभ छात्रों को मिल रहा है। छात्र भी सरकार के इस पहल पर उन्हें धन्यवाद दे रहे हैं।

किसी भी राज्य के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। झारखंड राज्य के 25 साल के इतिहास में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हजारीबाग जिले के कई स्कूल अब डिजिटल शिक्षा की ओर आगे बढ़ रहे हैं सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में स्मार्ट क्लास के जरिए बच्चों को शिक्षा दिया जा रहा है। क्लासरूम में बड़े-बड़े प्रोजेक्टर लगे हुए हैं. शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं छात्र कहते हैं कि डिजिटल पढ़ाई से उन्हें लाभ मिल रहा है. खासकर इतिहास और विज्ञान के पढ़ाई में बहुत ही सहूलियत हुई है. जब प्रोजेक्टर से किसी विशेष की जानकारी दी जाती है तो सिनेमा की तरह वह जहन में उतर आता है।

असदुद्दीन ओवैसी की हुंकार : सीमांचल को अब चाहिए अपना मुख्यमंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर/पूर्णिया। बुधवार को झौवारी पंचायत के रहमानिया मैदान में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जनसभा में ऐसा तेवर दिखाया जिसने सीमांचल की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी। हजारों की भीड़ के बीच ओवैसी ने घोषणा की— 'अब उपमुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं, सीमांचल का बेटा बनेगा मुख्यमंत्री!'

ओवैसी ने अपने भाषण में जेडीयू और आरजेडी दोनों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले दो दशकों से सत्ता की साझेदारी में उलझी इन पार्टियों ने बिहार को पिछड़ेपन की अंधेरी गलियों में छोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि चाहे नीतीश कुमार हों या लालू यादव, दोनों ने सीमांचल को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, विकास की सोच कभी दिखाई ही नहीं दी। ओवैसी ने कहा कि बिहार की जनता अब ठगी और झूठे वादों से आजादी चाहती है। एआईएमआईएम, उन्होंने कहा, 'सिर्फ वोट मांगने नहीं आई, बल्कि हक और इंसाफ की लड़ाई लड़ने आई है।' उन्होंने जनता से अपील की कि 11 नवंबर को पतंग छाप पर बटन दबाकर अमौर के प्रत्याशी अख्तरूल इमान को जिताएं और सीमांचल की आवाज विधानसभा तक पहुंचाएं। सभा में ओवैसी के हर शब्द पर भीड़ की गूंज यह साबित कर रही थी कि सीमांचल में एआईएमआईएम का असर अब सिर्फ चर्चा नहीं, बल्कि एक उभरती हकीकत बन चुका है। उन्होंने कहा कि जो नेता जनता के बीच रहता है, वही उनके दर्द को समझ सकता है। 'हमारी लड़ाई न्याय, शिक्षा, रोजगार और समान अवसर की है,' ओवैसी ने कहा, 'और इस बार फैसला सीमांचल का होगा, दिल्ली और पटना के हुक्मरानों का नहीं।' जनसभा को प्रदेश अध्यक्ष सह अमौर विधानसभा प्रत्याशी अख्तरूल इमान ने भी संबोधित किया और जनता से अपील की कि सीमांचल को उसका हक दिलाने के लिए पतंग छाप को जिताएं। मैदान में उमड़ी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि अब सीमांचल की राजनीति पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलकर नई दिशा तलाश रही है।

मोदी का शासन अंग्रेजी साम्राज्य से कम नहीं, जनता को कमजोर किया, बिहार में 65 लाख वोट काटे : प्रियंका गांधी

■ जदयू-भाजपा की नाकामी के कारण बिहार बेरोजगारी, पलायन और महंगाई की मार झेल रहा

■ महिलाएं दस हजार रुपये लें और अपने परिवार के भविष्य के लिए वोट महागठबंधन को दें : प्रियंका गांधी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में नरेंद्र मोदी का मौजूदा शासन अंग्रेजी साम्राज्य से कम नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को कमजोर करने का काम किया है और बिहार में 65 लाख वोट काट दिए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान वाल्मीकि नगर में आयोजित विशाल जनसभा में प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में 65 लाख लोग वोट नहीं दे पाएंगे। मोदी ऐसा काम इसलिए करते हैं, ताकि वोट चोरी करके बार-बार अपनी सरकार बना सकें। उन्होंने आगे कहा कि आज मोदी सरकार के शासन में किसान की सुनवाई नहीं है, नौजवान बेरोजगार हैं और महिलाएं संघर्ष कर रही हैं। बड़े-बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ किए जा रहे हैं, लेकिन गरीब किसान का ऋण कभी माफ नहीं होता। बिहार में शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत भाजपा के तमाम नेता आते हैं, लेकिन केवल ऊल-जलूल बातें करते हैं। जबकि उनकी चिंता होनी चाहिए कि युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा, अपराध पर लगाम कैसे लगेगी और भ्रष्टाचार कैसे कम होगा? प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा नेता दिन-रात पंडित जवाहरलाल नेहरू को गाली देते रहते हैं, जबकि आज अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर ने न केवल नेहरू की प्रशंसा की, बल्कि उनके भाषण के अंश भी उद्धृत किए। उन्होंने याद दिलाया कि पंडित नेहरू ने देश में विकास की नींव रखी और बड़े उद्योग स्थापित किए, जिन्हें आज मोदी सरकार अपने चहेतों को सौंप रही है। कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा कि चुनाव के समय महिलाओं को दस हजार रुपये दिए जा रहे हैं, जबकि पिछले 20 सालों से उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। भाजपा की नीयत गरीबों और किसानों के लिए काम करने की नहीं है। उन्होंने अपील की कि महिलाएं पैसे तो ले लें पर अपने परिवार के भविष्य के लिए वोट महागठबंधन को दें। प्रियंका गांधी ने बिहार के लिए महागठबंधन के प्रमुख वादों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि वृद्धों और विधवा महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1,500 रुपये प्रतिमाह दी जाएगी और हर साल इसमें 200 रुपये की बढ़ोतरी भी होगी। भूमिहीन परिवारों को 3 से 5 डिसमिल जमीन दी जाएगी, जिसका मालिकाना हक महिलाओं को मिलेगा। माई-बहन मान सम्मान योजना के तहत 2,500 रुपये हर महीने महिलाओं को मिलेंगे। 25 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा। किसानों को एमएसपी की गारंटी मिलेगी। रिक्त सरकारी पदों पर नियुक्तियां होंगी और बिहारवासियों को विशेष आरक्षण मिलेगा। मनरेगा के तहत मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन मिलेगी और काम के दिनों को दोगुना किया जाएगा। पेपर लीक के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई होगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, वैशाली वर्षा सिंह के मार्गदर्शन में 'मतदान सखी' ऐप की अनूठी पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर वैशाली जिला प्रशासन ने महिला मतदान पदाधिकारियों के लिए एक सराहनीय और नवोन्मेषी कदम उठाया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र एनआईसी द्वारा मतदान सखी नामक एक विशेष मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। यह ऐप महिला पीठासीन और मतदान पदाधिकारियों की सुरक्षा, सुविधा और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो तकनीक के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी तथा पारदर्शी बना रहा है।

मतदान सखी ऐप का मुख्य उद्देश्य महिला मतदान कर्मियों को हर स्तर पर सहयोग और सुरक्षा प्रदान करना है। चुनावी प्रक्रिया में बड़ी संख्या में महिला कर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, और कई बार उन्हें दूरदराज के मतदान केंद्रों पर तैनात किया जाता है। ऐसे में यह ऐप उनके लिए एक भरोसेमंद साथी की भूमिका निभाएगा। यह ऐप उन्हें मतदान केंद्र तक

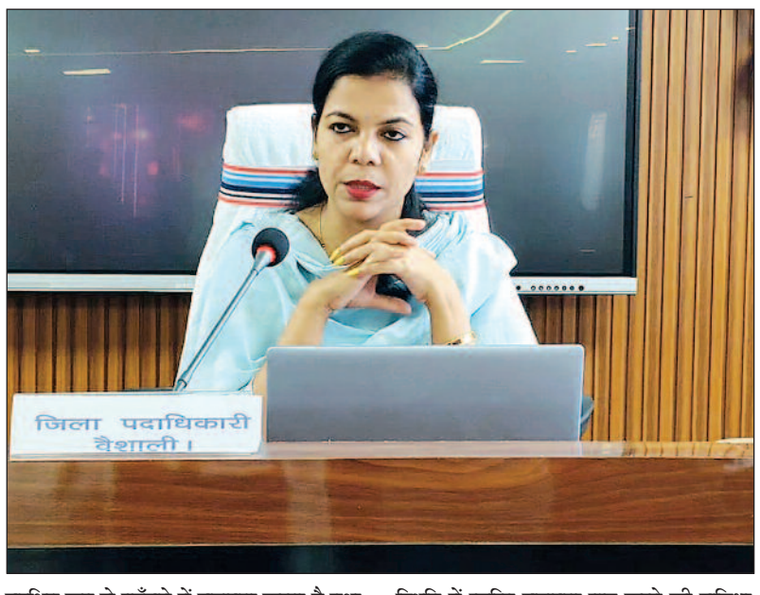

सुरक्षित रूप से पहुँचने में सहायता करता है तथा मतदान के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त करने की सुविधा भी प्रदान करता है। इस ऐप में एसओएस अलर्ट फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में महिला मतदान अधिकारी मात्र एक बटन दबाकर जिला नियंत्रण कक्ष से सीधे संपर्क स्थापित कर सकती हैं। इससे प्रशासन को उनकी स्थिति की जानकारी तुरंत मिल जाती है और सहायता शीघ्र भेजी जा सकती है। इसके अलावा मतदान सखी ऐप में शिकायत निवारण प्रणाली भी शामिल की गई है, जिसके अंतर्गत महिला मतदान कर्मी मतदान केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं या किसी अन्य असुविधा से संबंधित शिकायत दर्ज कर सकती हैं। इन शिकायतों का संज्ञान नियंत्रण कक्ष द्वारा तत्काल लिया जाएगा और समाधान की कार्रवाई की जाएगी।

इस ऐप की एक और विशेषता यह है कि यह प्रत्येक बूथ के लिए एकीकृत संचार योजना उपलब्ध कराता है। इस सुविधा के माध्यम से मतदान केंद्रों, सेक्टर अधिकारियों, जोनल मजिस्ट्रेट और जिला नियंत्रण कक्ष के बीच सुगम और प्रभावी संवाद सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे चुनावी कार्यों की गति बढ़ेगी और महिला मतदान कर्मियों में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह ने कहा कि यह ऐप महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने बताया कि सभी महिला पीठासीन पदाधिकारियों को मतदान सखी ऐप पर ऑनबोर्ड कर दिया गया है। अब वे अपने मोबाइल में यह ऐप इंस्टॉल कर अपने नियुक्ति पत्र में दिए गए मोबाइल नंबर और पिन नंबर का उपयोग करके लॉगिन कर सकती हैं।

यह पहल न केवल वैशाली जिले के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है, जो दर्शाती है कि तकनीक का उपयोग सामाजिक सुरक्षा और सुशासन के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। इस ऐप के तकनीकी सहयोग हेतु एनआईसी द्वारा हेल्पलाइन नंबर 9905858074 जारी किया गया है, जिससे किसी भी तकनीकी समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जा सकेगा। मतदान सखी ऐप महिला मतदान कर्मियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और लोकतंत्र के इस महापर्व को अधिक सुचारू और सुरक्षित रूप से सम्पन्न कराने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

डॉक्टरों की लापरवाही से नवजात की मौत

परिजनों ने लगाया गलत इंजेक्शन देने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शहर के जाने माने शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अजय पाठक की क्लीनिक में एक 14 माह का नवजात शिशु का मौत हो गया, परिजनों ने लगाया, गलत डोज देने का आरोप बच्चे के पिता, अख्तर आलम, पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत, सगालिम परसिया गांव के रहने वाले ने बताया की, मेरे बच्चे को बुधवार सुबह दो उल्टी हुआ, उन्होंने बिना देर किए अपने बच्चे को डॉक्टर, अजय पाठक के पास लेकर आए, डॉक्टर ने, नवजात,

अरमान को भर्ती करने को सलाह देते हुए भर्ती कर लिया गया डॉक्टरों ने इंजेक्शन लगाया जिसके आधे घंटे बाद नवजात की मौत हो गई, जिसकी तुरन्त बाद परिजन ने क्लीनिक, व डॉक्टरों पर गलत इंजेक्शन का डोज देने पर मौत हो जाने का आरोप लगाते हुए सहर थाना में प्राथमिक दर्ज कराई है, जिसके बाद सहर थाना, प्रभारी, ज्योति लाल रजवार मामले की छान बिन में जुट गए है और उन्होंने बताया की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही कुछ कहा जा सकता है की बच्चे की मौत इंजेक्शन के कारण हुआ है की अन्य कारण से हुआ है उधर बच्चे के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है साथ ही प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते नजर आ रहें।

श्रीराम चरित मानस नवग्रह पारायण महायज्ञ में सम्पन्न हुआ भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। तुलसी मानस मंदिर साहित्य समाज चौक परिसर में आयोजित श्रीराम चरित मानस नवग्रह पारायण महायज्ञ के दौरान बुधवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचंद्र का भव्य राज्याभिषेक संपन्न हुआ। कार्यक्रम सुबह 11 बजे आरंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। यज्ञ समिति के सचिव मनीष भिवानिया ने बताया कि शाम को बनारस से पधारे जगद्गुरु श्याम नारायण जी महाराज प्रवचन देंगे। मंदिर परिसर में पूरे रामदरबार—श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की अद्भुत और आकर्षक सजावट की गई थी। विशेष आकर्षण बाल स्वरूप हनुमान जी की प्रतिमा रही, जो वर्ष 1925 की है। समिति ने जानकारी दी कि वर्ष 1953 से यहां महायज्ञ का आयोजन निरंतर होता आ रहा है और इस वर्ष यह 73वां अधिवेशन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। प्रवचन में गुरु महाराज द्वारा अयोध्या की महिमा और श्रीराम के आदर्शों पर विस्तृत विवेचना की गई। कार्यक्रम में यज्ञ समिति के आजीवन ट्रस्टी सुरेश उदयपुरिया, रवि शंकर पांडे, भीम प्रसाद, अध्यक्ष भरत सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण मोहन पांडे, कोषाध्यक्ष रवि शंकर उपाध्याय, उपाध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद, सह सचिव अरविंद सांवरिया, मीडिया प्रभारी सतीश कुमार सुमन सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य, भक्तगण, महिलाएँ और बच्चे शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का विशेष माहौल रहा।

कार्यपालक निदेशक ने सभी विजेताओं को किया पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आज रांची में आयोजित तीन दिवसीय पावरग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता 2025 का समापन हुआ। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने सहभागिता की। लीग मैचों के बाद पहला सेमीफाइनल एनआर-1 और एसआर-2 के बीच खेला गया, जिसमें एसआर-2 ने फाइनल में प्रवेश किया। इसी प्रकार दूसरा सेमीफाइनल सीसी और एनआर-3 के बीच खेला गया, जिसमें सीसी को जीत प्राप्त हुई।

अंत में फाइनल मैच सीसी और एसआर-2 के बीच खेला गया, जिसमें सीसी केंद्रीय कार्यालय की टीम विजेता रही। तीसरे स्थान के लिए मैच एनआर-1 और एनआर-3 के बीच खेला गया, जिसमें एनआर-1

ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के अंत में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक, पूर्वी क्षेत्र-1 राकेश कुमार ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। केंद्रीय कार्यालय ने प्रथम, दक्षिणी क्षेत्र-2 ने द्वितीय और उत्तरी क्षेत्र-1 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नरसिंह मंदिर, खपरियांवा में कार्तिक पूर्णिमा पर लगा भव्य मेला; चार सौ वर्षों से अधिक पुरानी परंपरा का निर्वाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के खपरियांवा स्थित प्राचीन नरसिंह मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस बार भी भव्य मेले का आयोजन किया गया। लगभग साढ़े चार सौ वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक मंदिर में भगवान विष्णु के अवतार भगवान नरसिंह की काले ग्रेफाइट पत्थर से बनी अद्वितीय प्रतिमा स्थापित है। शैव और वैष्णव आस्था का अद्भुत संगम

इस मंदिर की विशेषता इसका गर्भगृह है, जहां भगवान विष्णु के साथ भगवान शिव भी विराजमान हैं। शिवलिंग जमीन से लगभग तीन फीट

नीचे स्थित है। एक ही गर्भगृह में शिव और विष्णु की उपस्थिति शैव तथा वैष्णव भक्तों के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र बनती है।

1632 में हुई थी मंदिर की स्थापना

मंदिर की स्थापना वर्ष 1632 ईस्वी में पंडित दामोदर मिश्र ने की थी, जो संस्कृत, ज्योतिष एवं तंत्र विद्या के प्रकांड विद्वान थे। मान्यता है कि उन्हें स्वप्न में नेपाल के काक भूसारी पर्वत पर भगवान नरसिंह की प्रतिमा के होने का संकेत मिला था। बाद में उनकी खोज के दौरान वही प्रतिमा मिली, जिसे वे हजारीबाग लाकर खपरियांवा में स्थापित कर गए। तभी से यह स्थान नरसिंह स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।

मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं और किसानों की भीड़

कार्तिक पूर्णिमा पर यहां पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है। भगवान नरसिंह के साथ सूर्य देव, नारद, शिव-पार्वती, नवग्रह और हनुमान जी के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न जिलों से यहां पहुंचते हैं। कार्तिक और माघ माह में भक्तों की भीड़ विशेष रूप से बढ़ जाती है। यह मेला किसानों के लिए भी खास आकर्षण बनता है। परंपरा है कि मंदिर में पूजा के बाद घर ले जाई गई ईख को प्रसाद माना जाता है। इसी कारण यह मेला "केतारी मेला" के नाम से भी विख्यात है। आसपास के जिलों से किसान यहां ईख बेचने पहुंचते हैं और श्रद्धालु इसे प्रसाद स्वरूप ग्रहण करते हैं।

संत मरियम स्कूल में धूमधाम से मनाई गई गुरु नानक देव की जयंती

एकता, सेवा और सहिष्णुता के संदेश से गूंजा विद्यालय परिसर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। संत मरियम स्कूल में सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य कुमार आदर्श, शिक्षकों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने गुरु नानक देव जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

प्राचार्य कुमार आदर्श ने अपने संबोधन में गुरु नानक देव जी के जीवन एवं दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन मूल्यों के माध्यम से समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने एकता, सहिष्णुता और मानवता की सेवा का जो संदेश दिया, वह आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने छात्रों से प्रेरित होकर यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे गुरु नानक देव जी के विचारों को अपने आचरण में अपनाएं और समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्राचार्य ने आगे कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है और गुरु नानक देव जी के उपदेश हमें यही सिखाते हैं कि बिना भेदभाव के सभी की सहायता करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि जीवन में नैतिक मूल्यों का पालन करना भी है। इस अवसर पर विद्यालय के समन्वयक अमरेंद्र कुमार, शिक्षिका निकिता गुप्ता, शिक्षक सुधांशु दुबे समेत सभी शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में गुरु नानक देव जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

सीएसआइआर-सीआइएमएफआर में 53वें भटनागर मेमोरियल इंडोर टूर्नामेंट का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। देश के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में शामिल सीएसआईआर–सीआईएमएफआर में गुरुवार को 53वें शांति स्वरूप भटनागर मेमोरियल इंडोर टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं राष्ट्रीय एथलीट बिगन सोय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का आयोजन 7 नवंबर तक सीआईएमएफआर, धनबाद परिसर में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह की शुरुआत रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर की गई। इसके बाद छऊ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने महिषासुर वध की झांकी प्रस्तुत की, जिससे पूरा माहौल सांस्कृतिक रंग में रंग गया। सभी अतिथियों और प्रतिभागियों ने कलाकारों की सराहना की। इस प्रतियोगिता में देशभर की छह सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के 83 वैज्ञानिक एवं खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह आयोजन न केवल वैज्ञानिकों की शोध क्षमता का मंच

है, बल्कि खेल प्रतिभा को भी आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। मुख्य अतिथि बिगन सोय ने कहा कि वैज्ञानिकों के बीच खेल आयोजन प्रेरणादायी है। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप विजय ने पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। सीआईएमएफआर के निदेशक ने कहा कि यह टूर्नामेंट वैज्ञानिक समुदाय में टीम भावना, अनुशासन और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। धनबाद में इस आयोजन की मेजबानी संस्था के लिए गौरव का विषय है। विभिन्न प्रयोगशालाओं से आए वैज्ञानिकों ने बताया कि वे धनबाद को कोयले की नगरी और फिल्मों में दिखाए गए चित्रण के कारण जानते थे, लेकिन वास्तविक रूप में धनबाद शांत, सुव्यवस्थित और स्वागतपूर्ण शहर है। उन्होंने आयोजन और स्थानीय आतिथ्य की प्रशंसा की।

जनगणना को लेकर पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों का होगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रजौली। प्रखंड क्षेत्र में आगामी जनगणना-2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई है। बुधवार को बीडीओ संजीव झा ने मध्य विद्यालय का निरीक्षण कर पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण हेतु स्थल चिन्हित किया। बीडीओ ने बताया कि भारत सरकार जनगणना निदेशालय दिल्ली के आदेश के आलोक में जनगणना-2027 में पूरा किया जाना है। इस जनगणना के पूर्व रजौली प्रखंड के अंतर्गत 173 गणना ब्लॉक की जनगणना हेतु पूर्व परीक्षण किया जाना है,जिसके लिए सभी गणना ब्लॉक के प्रगणक एवं पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई। प्रखंड क्षेत्र में 173 प्रगणक एवं 28 पर्यवेक्षक शामिल हैं।प्रशिक्षण का कार्य 17 नवंबर से 19 नवंबर तक किया जाना है। बीडीओ ने बताया कि एक बैच में 40 की संख्या में प्रगणक शामिल रहेंगे,जिसके लिए पांच कमरों की आवश्यकता है। इसके निरीक्षण को लेकर मध्य विद्यालय रजौली में पांच कमरों को चिन्हित किया गया।बीडीओ ने बताया कि रजौली के सभी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण प्रखंड सभागार में किया जाना सुनिश्चित है।इस मौके पर मध्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ममता रानी,शिक्षक गुलाम सरवर एवं समाजसेवी विनय सिंह मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पैरा व्हीलचेयर हॉकी चैंपियनशिप में उतरेगा झारखंड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 8 और 9 नवंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पैरा व्हीलचेयर हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड की टीम हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता के लिए मंगलवार को खिलाड़ियों का चयन किया गया, जिसके बाद टीम 5 नवंबर को रांची से बेंगलुरु के लिए रवाना हुई।

झारखंड टीम में कप्तान पवन लकड़ा, सरोज महतो, मुकेश कुमार, राजेश मेहता, चंदन लोहरा, सुनील नायक, प्रसन आइंद, श्याम बिहारी राम, संदीप साहू, भोला लकड़ा और बिपिन प्रजापति शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी सुनील नायक ने कहा कि लगातार मेहनत और अभ्यास का

परिणाम है कि वे इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे रोजाना एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में कठिन परिस्थितियों के बीच अभ्यास करते हैं और भरोसा है कि झारखंड का नाम रोशन करके लौटेंगे। पैरा हॉकी एसोसिएशन ऑफ झारखंड की सचिव सरिता सिंह ने कहा कि राज्य के दिव्यांग खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यदि सरकार और समाज से सहयोग मिले, तो ये खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलने से अन्य दिव्यांग युवाओं में भी खेल के प्रति उत्साह बढ़ेगा। वहीं पतरस तिर्की ने खिलाड़ियों के लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। प्रशिक्षण, उपकरण व यात्रा हेतु सरकारी सहायता मिलने से खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। पीएचएफआई के संस्थापक मुकेश कंचन, सरिता सिन्हा, राहुल मेहता और पतरस तिर्की ने टीम को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मतदाताओं को जागरूक करने हेतु स्टेट स्वीप आईकॉन नीतू चंद्रा ने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर स्वीप गतिविधि के तहत जिले के मतदाताओं को जागरूक करने हेतु बुधवार को अनेको गतिविधियां आयोजित की गई। सर्वप्रथम स्टेट स्विफ्ट आईकॉन नीतू चंद्रा को स्काउट एंड गाइड के वॉलिंटियरों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर स्वागत किया गया। इसके उपरांत स्टेट स्वीप आईकॉन के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार तथा उप विकास आयुक्त

डॉ प्रीति द्वारा मतदाता जागरूकता मानव श्रृंखला में शामिल होकर हाथ से हाथ जोड़कर संकल्प लिया गया कि जिले के सभी मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में शामिल करने की प्रयास की जाएगी। इस दौरान आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका द्वारा व्यापक स्तर पर "वोट करेगा जहानाबाद" का रंगोली बनाया गया, जिससे अपने मताधिकार का प्रयोग करने का संदेश जिला वासीयों को दिया गया। इसके उपरांत स्टेट स्वीप आईकॉन तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त द्वारा गुब्बारा उड़ाकर शांतिपूर्ण एवं भय मुक्त वातावरण में मतदान करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के उपरांत स्टेट स्वीप आईकॉन तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त के साथ साथ अन्य पदाधिकारी तथा मतदाताओं द्वारा सेल्फी लिया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारी एवं स्टेट स्वीप आईकॉन द्वारा दिव्यांगजन एवं वृद्धजन मतदाताओं से मिलकर मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इसके पूर्व स्टेट स्वीप आईकॉन तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त द्वारा मतदाता जागरूकता सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन विधिवत किया गया तथा आगत अतिथियों को पौधा, शॉल एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता का समापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग, बिहार एवं जिला प्रशासन, जहानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता (भारोत्तोलन) बालक / बालिका अंडर 17 /अंडर-19 का समापन बुधवार को खेल भवन में हुआ। जैसा कि ज्ञात हो विगत 03 एवं 04 नवंबर को बालकों के श्रेणी में अंडर 17 /अंडर19 का विभिन्न भार वर्गों में प्रतियोगिता आयोजित

हुई थी एवं 04 एवं 05 नवंबर को बालिकाओं की अंडर 17/ अंडर-19 की प्रतियोगिता आयोजित हुई।

बालिकाओं के अंडर 17 श्रेणी में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों में 44 किलो वर्ग में, लक्ष्मी कुमारी, एकलव्य केंद्र 48 किलो वर्ग में,संजना कुमारी(पटना प्रमंडल), 53 किलो वर्ग में रिया सिंह (सारण प्रमंडल),58 किलो वर्ग में वैष्णवी श्रीवास्तव (सारण प्रमंडल),63 किलो वर्ग में, शांभवी श्रीवास्तव (सारण प्रमंडल),69 किलो वर्ग में लकी कुमारी (पटना प्रमंडल),77 किलो वर्ग में निधि कुमारी (एकलव्य केंद्र), 77 किलो वर्ग से ज्यादा भार वर्ग में ,साईं सिमरन(तिरहुत प्रमंडल) अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

वहीं बालिका अंडर 19 श्रेणी में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों में 48 किलोग्राम भार वर्ग में पायल कुमारी (सारण मंडल),53 किलोग्राम भार वर्ग में श्रेय श्री (भागलपुर प्रमंडल),58 किलो वर्ग में रूबी कुमारी (सारण प्रमंडल), 63 किलो वर्ग में अंशु कुमारी(मगध प्रमंडल),69 किलो वर्ग में स्नेहा कुमारी (सारण प्रमंडल),77 किलो वर्ग में मोनिका शर्मा (मगध प्रमंडल),86 किलो वर्ग में मिताली राज सिंह (तिरहुत प्रमंडल) एवं 86 किलोग्राम से ज्यादा के भाग वर्ग में आस्था कुमारी (सारण प्रमंडल) शामिल रही। अपर समाहर्ता, विभागीय जांच, विनय कुमार के द्वारा सभी सफल खिलाड़ियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी गई।

लुटेरा गिरोह के दो शख्स गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। लूटकांड गिरोह का रफीगंज पुलिस ने पर्दाफाश किया है। साथ ही मामले में गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 80 हजार रूपये और घटना में प्रयुक्त दो बाइक बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान माली थाना क्षेत्र के चरण गांव निवासी 20 वर्षीय प्रिंस कुमार एवं अंबा थाना क्षेत्र के मंगलबिगहा निवासी 24 वर्षीय निरंजन कुमार के रूप में की गई है। इन दोनों का अपराधिक इतिहास रहा है जिनके विरुद्ध कई थानों में अपराधिक मामला दर्ज है। जानकारी के मुताबिक 31 अक्टूबर को रफीगंज थाना क्षेत्र के ठोसीली के पास चैतन्य माइक्रो फाइनेन्स कंपनी के ऐजेन्ट से बाइक सवार अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा लूट की गई थी। कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल के द्वारा मदनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। गठित एसआईटी के द्वारा सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन, तकनीकी विश्लेषण एवं आसूचना संकलन के आधार पर विभिन्न स्थानों पर छापामारी की जा रही थी इसी क्रम में मंगलवार को निरंजन कुमार को रफीगंज बाजार से एवं प्रिंस कुमार को माली थानान्तर्गत चरण से पकड़ा गया। पकड़ाये आरोपियों के निशानदेही पर लूट किये गए पैसों को प्रिंस कुमार के घर से 70,000 रूपये एवं निरंजन कुमार के घर से 10,000 रूपये बरामद किया गया। बरामद पैसों को विधिवत जब्त करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

साइकिल सवार अधेड़ को अज्ञात हाइवा ने कुचला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रजौली(नवादा)। जिले के रजौली थाना क्षेत्र स्थित बांके मोड़ के समीप बुधवार दोपहर एक दर्दनाक दुर्घटना में साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गई। अज्ञात हाइवा ट्रक ने अधेड़ को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि शव सड़क पर करीब 200 मीटर तक घसीटता चला गया और कई टुकड़ों में बिखर गया। हादसे में मृतक का शरीर दो भागों में बंट गया, जबकि सिर पूरी तरह कुचल गया। मृतक के हाथ पर "सुनो देवी" लिखा मिला, परंतु खबर लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के टुकड़ों को इकट्ठा कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल नवादा भेजा। प्रत्यक्षदर्शी दीनदयाल प्रसाद के अनुसार, चौथा गांव की ओर से रजौली की तरफ मुड़ते ही हाइवा ने साइकिल सवार को चपेट में ले लिया और नवादा की ओर फरार हो गया।

दारोगा बिगहा टोला के दबंगों ने किसान की रैयती भूमि को जबरन भरकर बनाई सड़क

किसान के 1580 डिसमिल भूमि पर मिट्टी भरकर रास्ता बना दिया गया, वहीं प्रशासन बना रहा मूकदर्शक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद जिले के रतनी प्रखंड क्षेत्र के सेसंबा मौजे अंतर्गत दारोगा बिगहा (चगोड़ी) गांव के बधार में चार किसानों के 1590 डिसमिल जमीन पर जबरन मिट्टी भरकर रास्ता बनाने का मामला सामने आया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस प्रशासन और अंचल अधिकारी को पीड़ित के द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद न तो दबंग को मिट्टी भरकर रास्ता बनाने से रोका गया और नहीं बाद में किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई आरोपियों के खिलाफ आज तक की गई है। इस संबंध में पीड़ित किसान दुर्गा प्रसाद, अरुण कुमार, उपाध्याय रवि शंकर और सत्येंद्र सिंह ने बताया कि उन चारों लोगों के रैयती जमीन जिसका खाता संख्या 154 एवं 97 तथा प्लॉट संख्या क्रमशः 2177 एवं 2221 है। उक्त भूमि का रक्तवा 1575 डेसिमल एवं 15 डिसमिल है उसे पर दरोगा बीघा टोला के कुछ लोगों ने जबरन मिट्टी भरकर पक्का सड़क बनाने का प्रयास किया है। इसके लिए पूरी योजना बनाकर कुछ लोगों ने खेत में फसल लगे रहने के बावजूद लगभग 15 से 18 फीट चौड़ाई में मिट्टी भरकर अभी फिलहाल कच्चा रास्ता बना दिया है। हालाकि इस भूमि पर पक्का रास्ता बनाने का प्रयास पहले की जा चुकी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए नारायणपुर निवासी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में उन लोगों ने शकूराबाद थाना की पुलिस एवं रतनी अंचल अधिकारी को मिट्टी हटवाने के लिए गुहार लगाकर थक चुके हैं, लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई आज तक नहीं की गई है। ऐसे में लगता है कि प्रशासन के द्वारा भी अवैध रूप से सड़क बनाने के प्रयास में उनकी सहभागिता कहीं ना कहीं रही है। पीड़ितों ने बताया कि सूचना के अधिकार के तहत उपरोक्त भूमि का विवरण मांगे जाने पर अंचलाधिकारी ने इसे रैयती भूमि बताया है। लेकिन इसके बावजूद खेत में रास्ता बनाने और रैयती जमीन का अतिक्रमण के प्रयास को प्रशासन द्वारा हटाने का कोई कार्य आज तक नहीं किया गया है। पीड़ित किसानों ने अवैध रूप से सड़क बनाने के काम में संलग्न जेसीबी संचालक सहित 26 लोगों पर मुकदमा चलाने और खेत से मिट्टी हटवाने की गुहार लगाते हुए कहा है कि अगर प्रशासन ने उचित कदम नहीं उठाया तो वे लोग स्थानीय प्रशासन के खिलाफ न्यायालय के शरण में जाने के लिए विवश होंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़ित किसानों द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं किए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक, जहानाबाद एवं लोक सूचना के अधिकार के तहत जिला अपीलीय प्राधिकार से सूचना मांगी जा चुकी है, जिस पर कोई सूचना पीड़ित किसानों को प्राप्त नहीं हुई है। अब किसानों ने पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा) कार्यालय में अपील कर पूर्व में जिले के पुलिस प्रशासन से सूचना नहीं मिलने का जिक्र किया गया है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:– **क्र.सं. : 1 ई– निविदा सं.** : 05-GSU-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : धनबाद मंडल के अंतर्गत मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति इकाई), पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद मंडल के अंतर्गत 05 स्थलों (भुरकुंडा, मैकलुस्कीगंज, गढ़वा रोड, चोपन एवं हजारीबाग रोड) पर शंटिंग नेक की व्यवस्था का कार्य। **कार्य अवधि– 12 (बारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 5,93,18,779.51, **ब्याने की राशि (रु. में)** : **ब्याने की राशि (रुपये में) http://www.ireps.gov.in** पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय** : ई–निविदा बंद होने की तारीख 26.11.2025 को 15.00 बजे तक।, **वेबसाईट का विवरण** : **http://www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जायेगी। **नोट** : (i) प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा की जारी होने की कोई भी परिवर्तन और शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाईट **http://www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति),
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1246/डीएचएनजीएस/जीएस/टी/25–26/40

25 साल का हुआ झारखण्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होने के बार झारखंड को भारत के 28वें राज्य के रूप में एक सशक्त उम्मीद के साथ पहचान मिली थी। झारखंड आज अपने 25 वर्षों के सफर में कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर पार कर चुका है। राज्य की इस यात्रा का मूल्यांकन करते हुए शहर के प्रमुख कारोबारियों और चैंबर प्रतिनिधियों ने सकारात्मक प्रगति पर खुलकर चर्चा की।

संवाद की शुरूआत राज्य की बुनियादी उपलब्धियों से हुई जिसमें राज्य की प्रशासनिक क्षमता का विस्तार 18 से 24 जिलों तक होना और पूरे प्रदेश में सड़कों के जाल का बिछना प्रमुख रहा। इसके अलावा राज्य में तेजी से फलजा सड़क सड़को के जाल को भी सराहनीय माना गया हलांकि इस विकास में केंद्र के सहयोग को भी सराहनीय बताया। कारोबारियों ने कहा कि बिजली और संचार व्यवस्था में आए अभूतपूर्व सुधार ने आम जनजीवन को सरल बनाया है।

इसके अलावा रांची, देवघर, और बोकारो जैसे महत्वपूर्ण शहरों का हवाई मार्ग से जुड़ना झारखंड को राष्ट्रीय मानचित्र पर तेजी से उभरने का प्रमाण है। यह कनेक्टिविटी राज्य के आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रही है।

हालांकि कारोबारियों ने कहा कि धनबाद जैसी कोयला राजधानी के लिए एयरपोर्ट जैसी बुनियादी सुविधा का इंतजार यहां के लोगों को आज भी है जिसके लिए सरकार को और तेजी से प्रयास करने की आवश्यकता है।

इस दौरान कई कारोबारियों ने यह भी माना कि देवघर का बाबाधाम, पारसनाथ, नेतरहाट, और रजरप्पा जैसे स्थल कोल्हान और छोटानागपुर की प्राकृतिक सुंदरता को दुनिया तक पहुंचा रहे हैं जो राजस्व और पहचान दोनों का एक सकारात्मक स्रोत है। इन 25 सालों में राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन एक मजबूत पहचान बनकर उभरे हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में मची चीख पुकार

दरबाजा लॉक, इमरजेंसी बटन भी हुआ बेअसर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रात के 10:30 बजे थे। गया से हावड़ा जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन में लगे पैसेंजर अनाउंसमेंट पीए सिस्टम में घोषणा हुई, दरवाजे दाहिनी ओर खुलेंगे। यात्री कतार में खड़े होकर गेट खुलने की प्रतीक्षा करने लगे। 10 मिनट तक इंतजार के बाद भी गेट नहीं खुले।

यात्री घबरा गए और इमरजेंसी बटन दबाया। फिर भी कोई मदद नहीं मिली। पैंट्री कार कर्मचारियों से अनुरोध किया, उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिये। इसी बीच कोच की एसी और लाइटें भी बंद हो गईं। अंधेरा छाते ही बच्चों ने रोना तो महिलाओं ने चिल्लाना शुरू कर दिया। पूरे कोच में दहशत फैल गई।

काफी देर बाद ट्रेन का पीए सिस्टम चालू हुआ। घोषणा हुई, यात्रीगण घबराएं नहीं, ट्रेन के दरवाजे मैनुअली खोले जाएंगे। काफी इंतजार के बाद आखिरकार दरवाजे मैनुअली खोले गए और तब यात्रियों का जत्था नीचे उतरा। धनबाद से हावड़ा तक यात्रा करने वाले राणा ने रेलवे की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

एक्स पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। पूछा कि कर्मचारियों को आपातकालीन प्रोटोकाल के बारे में क्यों नहीं सिखाया जाता है? किसी आपात स्थिति या आपदा की स्थिति में ट्रेन

यात्रियों ने शेयर की वीडियो, जतायी नाराजगी

कर्मचारियों की प्रतिक्रिया क्या होगी? जवाब में पूर्व रेलवे की ओर से कहा गया कि मामला संबंधित अधिकारी को फॉरवर्ड कर दिया गया है। वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेन में सफर का अनुभव भी राणा ने शेयर किया। जब ट्रेन पर सवार हुए तो अंदर का माहौल सामान्य पैसेंजर ट्रेनों सा था। कुछ लोग बेफिक्र तेज आवाज में यू-ट्यूब और रील्स देख रहे थे। महिलाएं मोबाइल पर चिल्ला रही थीं।

पैंट्री कार स्टाफ ने एसी कोच के दरवाजे खोल रखे थे जिससे अंदर का तापमान ठंडा होने के बजाय गर्म था। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में जो हेल्पलाइन नंबर दिए गए हैं, उस पर कई बार काल करने का प्रयास किया गया पर पूरे सफर के दौरान नंबर व्यस्त बताता रहा।

साइबर ठगी का शिकार हुआ होमगार्ड का जवान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। एसबीआई मधुपुर मेन ब्रांच में पदस्थापित होमगार्ड विनोद कुमार ठाकुर से साइबर ठगों ने 80 हजार रुपए ठग लिए हैं। इसके बाद पीड़ित तुरंत मधुपुर थाना व जिले के साइबर थाना में आवेदन देकर घटना की जानकारी पुलिस को दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि कोलकाता के एसएसपी बोल रहे हैं।

एसएसपी का नाम सुनते ही वह घबरा गया। फोन पर उन्हें बोला कि तुम्हारा बेटा कोलकाता में एक लड़की के साथ छेड़खानी मामले में गिरफ्तार हुआ है। बेटे को जेल भेज रहे हैं। अगर चाहते हो कि बेटा जेल नहीं जाए तो इसकी एवज में एक लाख रुपये लगेंगे। फिर अपने आप को एसएसपी कहने वाले ने होमगार्ड जवान को फर्जी तरीके से उसके बेटे के रोने की आवाज सुनाई।

बेटा को रोता सुन पिता घबरा गया। फिर उसे एक बैंक खाता नंबर दिया गया और उसमें जल्दी पैसा जमा कर देने को कहा गया। घबराहट में होमगार्ड जवान ने भयभीत होकर मेन ब्रांच में तीस हजार, व्यवसायिक पीबीबी ब्रांच में तीस हजार व सीएसपी में 20 हजार कुल 80 हजार रुपया उक्त बैंक खाता में जमा कर दिया।

इसके बाद उन्होंने अपने बेटे को फोन किया तो उसका बेटा बोला ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। बेटा की बात सुनते ही उन्हें एहसास हो गया कि वे साइबर ठग के शिकार हो गए हैं। इसके बाद उन्होंने थाना में सूचना देकर उचित कार्रवाई की गुहार लगाई है।

इधर, पुलिस ने लोगों से अपील किया है कि अगर ऐसा मामला और फोन किसी के पास आता है तो पहले तहकीकात कर लें। नहीं तो कोई भी इस तरह से साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं।

पुलिस दिए गए नंबर के आधार पर साइबर ठग का पता लगाने का प्रयास कर रही है। जानकारी हो कि पहले भी साइबर ठगों के द्वारा बहुत से लोगों को इस तरह से साइबर ठगी का शिकार बनाया जा चुका है।

गोदिया-बरौनी स्पेशल ट्रेन चालू, यात्रियों को होगी सहूलियत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। छठ के बाद ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत की है। इसमें गोंदिया झ बरौनी स्पेशल ट्रेन की शुरूआत हो चुकी है। इस खबर में ट्रेन के सभी स्टेशनों में ठहराव की टाइमिंग दी गई है।

अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए 08843/08844 गोंदिया झ बरौनी झ गोंदिया स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) का परिचालन होगा। ट्रेन 08843 गोंदिया झ बरौनी स्पेशल (वाया - रांची) चार नवंबर , आठ नवंबर एवं नौ नवंबर को गोंदिया से प्रस्थान करेगी।

ट्रेन का गोंदिया प्रस्थान 17:15 बजे, दुर्ग आगमन 19:10 बजे प्रस्थान 19:15 बजे, बिलासपुर आगमन 22:15 बजे प्रस्थान 22:30 बजे, राउरकेला आगमन 04:20 बजे प्रस्थान 04:30 बजे,

हटिया आगमन 07:45 बजे प्रस्थान 07:50 बजे, रांची आगमन 08:05 बजे प्रस्थान 08:15 बजे, मुरी आगमन 09:30 बजे प्रस्थान 09:32 बजे, बोकारो स्टील सिटी आगमन 10:25 बजे प्रस्थान 10:30 बजे, धनबाद आगमन 12:05 बजे प्रस्थान 12:10 बजे, जसीडीह आगमन 14:48 बजे प्रस्थान 14:50 बजे एवं बरौनी आगमन 19:20 बजे होगा।

ट्रेन संख्या 08844 बरौनी झ गोंदिया स्पेशल (वाया झ रांची) चार नवंबर, पांच नवंबर , नौ नवंबर एवं 10 नवंबर को बरौनी से प्रस्थान करेगी। इस ट्रेन का बरौनी प्रस्थान 22:15 बजे, जसीडीह आगमन 02:36 बजे प्रस्थान 02:38 बजे, धनबाद आगमन 06:40 बजे प्रस्थान 06:45 बजे, बोकारो स्टील सिटी आगमन 09:00 बजे प्रस्थान 09:05 बजे, मुरी आगमन 10:05 बजे प्रस्थान 10:10 बजे, रांची आगमन 11:20 बजे प्रस्थान 11:25 बजे।

हटिया आगमन 11:50 बजे प्रस्थान 11:55 बजे, राउरकेला आगमन 15:00 बजे प्रस्थान 15:10 बजे, बिलासपुर आगमन 21:05 बजे प्रस्थान 21:20 बजे, दुर्ग आगमन 00:20 बजे प्रस्थान 00:25 बजे एवं गोंदिया आगमन 02:20 बजे होगा। इन ट्रेनों में एसएलआरडी के 02 कोच, सामान्य श्रेणी के 05 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 10 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 02 कोच एवं वातानुकूलित 2-टियर का 01 कोच, कुल 20 कोच होंगे।

बकरी चराने गयी महिला से दुष्कर्म

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में 42 वर्षीय अधेड़ महिला के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़िता के आवेदन पर बगल के गांव के एक 25 वर्षीय युवक के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में मामला दर्ज किया गया है। महिला ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि वह बकरी चराने के लिए गांव से कुछ दूरी पर गई थी। इसी दौरान बगल गांव का एक युवक वहां पहुंचा और खेत की आरी पर उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। जब महिला ने शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग गया। कुछ देर बाद जब वह वापस लौट रही थी, तभी युवक ने पीछे से आकर उसे झाड़ी की ओर घसीट लिया और वहां दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। महिला के चिल्लाने पर आसपास बकरी चरा रही अन्य महिलाएं मौके पर पहुंचीं, जिसके बाद आरोपी फरार हो गया। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बिहार चुनाव में चतरा के कई नेताओं की अग्नि परीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। चतरा के दिग्गज नेता इन दिनों बिहार की सियासी फिजां में अपनी अग्निपरीक्षा दे रहे हैं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी के नेता अपने-अपने दलों के उम्मीदवारों के समर्थन में पूरी ताकत झोंके हुए हैं। चुनावी रण में माहौल ऐसा है कि नेताओं ने पर्व-त्योहार तक को दरकिनार कर दिया है।

भाजपा सांसद काली चरण सिंह, स्थानीय लोजपा (रामविलास) के विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया के भाजपा विधायक कुमार उज्ज्वल दास, राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव व पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता, भाजपा के पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह, सिमरिया के पूर्व विधायक किशुन दास सहित भाजपा, राजद, लोजपा और कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार अभियान में व्यस्त हैं।

सभी का लक्ष्य एक ही है-अपनी पार्टी को मजबूती देना और बिहार की सियासत में अपनी राजनीतिक हैसियत को साबित करना। बिहार का यह चुनाव चतरा की राजनीति के लिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि नतीजे कई नेताओं के भविष्य की दिशा तय करेंगे।

सांसद काली चरण सिंह पिछले पंद्रह दिनों से सासाराम में कैंप किए हैं। पार्टी नेतृत्व ने सासाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों का दायित्व सौंपा है। लोजपा विधायक जनार्दन पासवान को संगठन ने चतरा जिले के सीमावर्ती बिहार विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार का दायित्व दिया है।

गया जिले के गयाजी, शेरघाटी, मखदूमपुर व बोधगया में जन संपर्क अभियान चला रहे हैं। गयाजी में गठबंधन से भाजपा उम्मीदवार मैदान में है। जबकि शेरघाटी, मखदूमपुर व बोधगया से लोजपा का उम्मीदवार मैदान में हैं। सिमरिया भाजपा विधायक कुमार उज्ज्वल दास को फिलहाल कहीं पर नहीं लगाया गया है।

वैसे संभावना है कि एक से दो दिनों में मगध के क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। राष्ट्रीय जनता दल के झारखंड प्रदेश प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता शेरघाटी, इमामगंज, फतेहपुर और गया जी से राजद एवं महागठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं।

वहीं भाजपा के पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह कटिहार जिला की कमान संभाले हुए हैं। जबकि सिमरिया के पूर्व विधायक किशुन कुमार दास बक्सर में भाजपा व गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत के लिए पसीना बहा रहे हैं।

राजद जिला अध्यक्ष नवल किशोर यादव, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा, लोजपा के जिला अध्यक्ष गौरी शंकर यादव एवं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चंद्रदेव गोप भी चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं।

इस प्रकार चतरा की राजनीति में एक प्रकार से सन्नाटा पसरा हुआ है। सांसद, विधायक एवं पूर्व मंत्री के आवासों पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

चतरा सदर प्रखंड के बधार गांव निवासी कुलेश्वर साहू की पुत्री रेखा कुमारी गुप्ता बिहार विधानसभा चुनाव में भाग्य आजमा रही हैं। राष्ट्रीय जनता दल की ओर बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार हैं। रेखा कुमारी गुप्ता की शादी रंजय कुमार से वर्ष 2000 में हुई है।

शादी के बाद से ही रेखा राजनीति में सक्रिय हो गई। वर्ष 2004 में पटना में महापौर का चुनाव लड़ी थी। चुनाव जीत नहीं पाई थीं। लेकिन स्वयं को सक्रिय राजनीति में स्थापित करने में सफल हो गईं।

लंबे समय तक कांग्रेस में रही। सीट शेयरिंग में बांकीपुर राजद के हिस्से में चला गया। ऐसे में वह राजद में शामिल हो गईं और पार्टी का उम्मीदवार बन गईं।

चतरा संसदीय क्षेत्र से तीन बार लोकसभा में नेतृत्व करने वाले धीरेंद्र अग्रवाल बिहार विधानसभा चुनाव में गयाजी से भाग्य आजमा रहे हैं। जन सुराज पार्टी ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया है। धीरेंद्र अग्रवाल ने वैसे तो अपना राजनीतिक करियर कांग्रेस से प्रारंभ किया था। लेकिन बाद में वे भाजपा में चले गए।

भाजपा उम्मीदवार की हैसियत वे चतरा संसदीय क्षेत्र से वे 1996 में पहली बार सांसद निर्वाचित हुए थे। उसके बाद वर्ष 1998 का चुनाव भी जीता। लेकिन 1999 का चुनाव हार गए। 2004 का लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया, तो वे राजद से उम्मीदवार बने और चुनाव जीत गए।

शिक्षकों के रूख को देख गिरिडीह प्रशासन अलर्ट

मंत्री के आवास के 500 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के सहायक शिक्षकों ने अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन की घोषणा की है। आंदोलन के पहले चरण में शिक्षा मंत्री सह नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू के गिरिडीह स्थित आवास के घेराव का कार्यक्रम तय किया गया है। इसी के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है।

सहायक अध्यापक संघ की ओर से यह आंदोलन स्थायीकरण और सामान्य कार्य के बदले नियमित वेतनमान की मांग को लेकर किया जा रहा है। संघ ने पांच नवंबर को मंत्री आवास घेरने की घोषणा की है। संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए मुफ्फसिल थाना प्रभारी के अनुरोध पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं।

सदर एसडीएम कार्यालय की ओर से चार नवंबर को जारी आदेश के तहत मंत्री आवास के 500 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश चार से छह नवंबर तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, जुलूस निकालने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

एसडीएम श्रीकांत यशवंत विस्पुते ने कहा कि निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से शांति बनाए रखने और विधि व्यवस्था में सहयोग की अपील की है।

वहीं, स्थिति की समीक्षा के लिए एसडीएम और एसडीपीओ ने बैठक भी की है। प्रशासन आंदोलन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्क है।

पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से जबाव -तलब

मामला सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में लापरवाही का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अंतर्गत ई-विद्यावहिनी पोर्टल पर छात्राओं के बैंक खाता नंबरों की गलत प्रविष्टि का मामला सामने आने के बाद शिक्षा अधिकारी हरकत में आ गए हैं।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के पत्रांक 1749 दिनांक 01 नवंबर 2025 के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने संबंधित विद्यालयों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में किशोरी समृद्धि योजना की पारदर्शिता बनाए रखने और फजीवाड़ा रोकने के लिए ई-विद्यावहिनी पोर्टल पर विद्यालयों द्वारा छात्राओं का डेटा अपलोड किया जा रहा है। लेकिन जांच में पाया गया कि कई विद्यालयों ने छात्राओं के बैंक खाता नंबर गलत दर्ज कर दिए, जिसके कारण संबंधित छात्राओं को योजना की

राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है। इस त्रुटिपूर्ण कार्य में हंटरगंज प्रखंड के पांच विद्यालयों के नाम सामने आए हैं।

जिनमें बांका उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पिंडली हिंदी उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कसियाडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय, तेतरिया पी.एम. श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय एवं हंटरगंज कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के नाम शामिल हैं।

इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों से जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जवाब मांगा है कि आखिर किन परिस्थितियों में पात्र छात्राओं के गलत बैंक खाता नंबर प्रविष्ट किए गए।

पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यदि 24 घंटे के अंदर त्रुटि सुधार कर स्पष्टीकरण का जवाब नहीं दिया गया तो संबंधित प्रधानाध्यापकों व प्रभारी प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा उपायुक्त को भेजी जाएगी।

यह कार्य न केवल वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही पर भी प्रश्न उठाता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा है कि भविष्य में इस तरह की गलती को दोहराया गया तो संबंधित प्रधानाध्यापक व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह माने जाएंगे।

साथ ही विभाग ने निर्देश दिया है कि खाता विवरण अपलोड करने से पहले उसकी पूर्ण जांच सुनिश्चित की जाए ताकि योजना का लाभ पात्र छात्राओं तक सही समय पर पहुंचे।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर उमड़ा आस्था का सैलाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को दामोदर नदी के मोहलबनी, लाल बंगला और तेलमच्चो पुल स्थित घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह की पहली किरण के साथ ही घाटों पर आस्था का सैलाब दिखाई दिया। हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर मोक्ष की कामना की।

सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया था। तेलमच्चो पुल के दोनों ओर महुदा थाना और चास मुफ्फसिल थाना की पुलिस व्यवस्था में जुटी रही। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की और दीपदान किया। महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। घाटों पर भक्ति और उल्लास का माहौल था। चेचका धाम के पास बारनी घाट, खेलाय चंडी के शिव शक्ति धाम और मुक्तिधाम स्थित मां काली मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मंदिर समितियों द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तिमय गीतों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। पूरा इलाका हर-हर गंगे और जय मां काली के जयघोषों से गूंजता रहा।

कोयलांचल के धनबाद, झरिया, बस्ताकोला, सुदामडीह, पाथरडीह, जोरापोखर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचे। स्नान के बाद भक्तों ने जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य सामग्री का दान किया। मोहलबनी घाट पर बच्चों के लिए झूले, खिलौने और खान-पान के स्टॉल लगाकर मेले जैसा माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने सुरक्षा और स्वच्छता के कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस बल, मेडिकल टीम और सफाईकर्मी लगातार तैनात रहे। स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी पानी, प्राथमिक उपचार और मार्गदर्शन जैसी सेवाएं प्रदान कीं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कोयलांचलवासी दामोदर नदी को गंगा के समान पवित्र मानते हैं, यही कारण है कि हर वर्ष यहां हजारों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करते हैं। बुधवार को पूरा धनबाद भक्ति और श्रद्धा में सराबोर रहा।

वाहन जांच के दौरान देसी महुआ शराब जब्त, एक युवक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्रतापपुर (चतरा) । बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड-बिहार सीमावर्ती इलाकों सेशराब की तस्करी बढ्ज गई है। चुनाव के मौके पर बिहार में शराब की मांग बढ़ गई है। इधर पुलिसिया कार्रवाई भी तेज कर दी गई है।

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के गजवा अस्थायी चेकपोस्ट पर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सघन वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 50 लीटर अवैध देसी महुआ शराब जब्त कर एक तस्कर को रंगेहाथ पकड़ा।

जबकि एक अन्य फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, एक मोटरसाइकिल नं. बीआर02एएन-0895 पर सवार दो युवक प्लास्टिक के बोरे में शराब लेकर बिहार की ओर जा रहे थे।

चेकिंग होता देख उसने मोटरसाइकिल घुमाकर कच्चे रास्ते से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस बल और स्थानीय चौकीदार की सजगता से एक तस्कर को पकड़ लिया गया।

दूसरा तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। जांच में पाया गया कि बोरे में कुल 10 पैकेटों में 5-5 लीटर कुल 50 लीटर महुआ शराब भरी हुई थी ।

एक बोरे में 30 लीटर और दूसरे में 20 लीटर। पुलिस ने शराब और मोटरसाइकिल दोनों जब्त कर ली है। इस संयुक्त छापेमारी अभियान में मजिस्ट्रेट श्रवण कुमार (कनीय अभियंता, प्रतापपुर ब्लॉक), सअनि जय कुमार सिंह, सअनि मांझी राम मुर्मु (उत्पाद विभाग, चतरा), सशस्त्र पुलिस बल व स्थानीय चौकीदार शामिल थे।

बालू लदा ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

पाटन। नवाजयपुर थाना क्षेत्र के चुरादोहर बाजार में अवैध बालू तस्करी के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में मजदूर अजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि अवैध बालू लदे ट्रैक्टर का डाला अचानक पलट गया, जिसकी चपेट में आकर अजय यादव बुरी तरह कुचल गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने किसी तरह अजय यादव को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर काफी तेज रफ्तार में था और सड़क पर अचानक संतुलन बिगड़ने से वह पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही नवाजवपुर थाना प्रभारी सतीश कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मजदूर की मौत ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से हुई प्रतीत होती है। उन्होंने बताया कि हादसे के समय ट्रैक्टर पर बालू लदा नहीं था, लेकिन वाहन का संबंध स्थानीय बालू माफिया से है।

पुलिस ने फ्लैग मार्च कर लोगों में जगाया सुरक्षा का भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से परवलपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी संख्या में उपस्थिति रही। क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखा।

फ्लैग मार्च परवलपुर थाना क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों में चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से परवलपुर बाजार सीता बिगहा वाना बीगहा कल्याणपुर और आसपास के ग्रामीण इलाकों को कवर किया गया। लोगों ने अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर पुलिस बल की मौजूदगी को देखा और सुरक्षा को लेकर संतोष व्यक्त किया।

थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह फ्लैग मार्च किया गया है। उन्होंने कहा, कानून व्यवस्था को कड़ा बनाए रखना हमारी पहली प्राथमिकता है। किसी भी तरह की अव्यवस्था या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस दौरान पुलिस ने गांवों में लोगों से संवाद स्थापित किया और उन्हें चुनाव के दौरान किसी भी अफवाह या दबाव में न आने की अपील की। साथ ही मतदान के दिन डर मुक्त वातावरण तैयार करने का आश्वासन दिया गया।

फ्लैग मार्च में बिहार पुलिस, अर्धसैनिक बल, स्थानीय पुलिसकर्मी, सुरक्षाबलों ने मार्ग में आने वाले संवेदनशील इलाकों को चिह्नित किया और चौक-चौराहों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध शराब, हथियार, और नकदी के अवैध वितरण पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का संदेश शांतिपूर्ण मतदान में सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें। चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है, इसे शांतिपूर्ण बनाना सभी की जिम्मेदारी।

परवलपुर क्षेत्र में फ्लैग मार्च के बाद लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा और जागरूकता दोनों बढ़ी है। पुलिस ने एक बार फिर दोहराया कि हर मतदाता निर्भीक होकर मतदान केंद्र तक पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

सात जनवरी तक कई ट्रेनें होगी प्रभावित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। क्रिसमस के पहले से लेकर नए साल के पहले सप्ताह तक यात्रियों की परेशानी बढ़ेगी। रांची स्टेशन पर होनेवाले यार्ड रिमॉडलिंग एवं नॉन इंटरलॉकिंग के कारण धनबाद से चलने व गुजरने वाली कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। कुछ ट्रेनों को रद कर दिया जाएगा तथा कई ट्रेनें रांची व हटिया तक नहीं जाएंगी। इससे यात्रियों को परेशानी झेलनी होगी। धनबाद-रांची, दुमका रांची इंटरसिटी एवं वनांचल एक्सप्रेस अलग-अलग दिनों में रद रहेंगी। बर्द्धमान-हटिया मेमू 10 जनवरी से 29 दिनों तक रांची व हटिया के बदले बोकारो तक जाएगी। दक्षिण पूर्व रेल से जारी सूचना में बताया गया कि 10 दिसंबर से पांच जनवरी तक 27 दिनों के लिए प्री-नॉन इंटरलॉकिंग तथा छह से जनवरी तक 36 घंटे के नॉन इंटरलॉकिंग के कारण ट्रेनें अस्थायी रूप से प्रभावित रहेंगी।

प्रथम चरण का मतदान आज

115 विधानसभा क्षेत्रों के 45341 मतदान केंद्रों पर डाले जायेंगे वोट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में पहले चरण मतदान कल यानी छह नवंबर को है। 115 विधानसभा क्षेत्र के 45341 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी। छह विधानसभा क्षेत्रों के 2135 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से पांच बजे तक ही वोटिंग होगी। बुधवार सुबह से ही डिस्पैच सेंटरों से मतदान कर्मी ईवीएम-वीवीपैट और अन्य सामग्री लेने में जुट गए। आज शाम तक सभी मतदान केंद्र पर सुरक्षा बल पहुंच जाएंगे। गुरुवार सुबह पांच बजे ही बूथ लेवल एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल किया जाएगा। इसके दो घंटे बाद यानी सात बजे मतदान शुरू होगा। पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होगा। यह जिले हैं- मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर,

बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर। इन 121 सीटों पर कुल 2496 नामांकन दाखिल हुए थे। जांच के क्रम में 1939 को वैध पाया गया। उनमें से 70 प्रत्याशियों ने नामांकन बाद में वापस ले लिया। इसके बाद, कई सेट में नामांकन की छंटनी करते हरेक प्रत्याशी के एक नामांकन को लिया गया तो प्रत्याशियों की कुल वास्तविक संख्या 1314 रह गई। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। इस चरण में 102 सामान्य और 19 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर मतदान होगा।

पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।। इसके अलावा, 1, 00, 904 सर्विस वोटर भी इस चरण में वोट डालेंगे। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। 3, 22, 077 दिव्यांग मतदाता और 5, 31, 423 वरिष्ठ नागरिक मतदाता (जिनमें 80 वर्ष से अधिक आयु वाले 5, 24, 687 और 100 वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 मतदाता शामिल हैं) भी लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेंगे। पहले चरण के मतदान में सात लाख 37 हजार 765 मतदाता ऐसे हैं जो पहली बार मतदान करेंगे। इनमें से अधिक 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवा वोटर है। वहीं 18 से 40 वर्ष के बीच के 1, 96, 27, 330 युवा मतदाता इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

जीजा संग साली गायब, बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में अजगैवीनाथ धाम थानाक्षेत्र के एक गांव से अपने ही बहनोई द्वारा साली को गायब किए जाने के मामले में लड़की के भाई ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामला दर्ज किए जाने के बाद हरकत में आई पुलिस ने दोनों को गोगरी थाना क्षेत्र से बरामद कर थाना ले आई है। आगे कि कार्रवाई की जा रही है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद लड़की का मेडिकल एवं न्यायालय में बयान कराया जा रहा है। लड़का को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। लड़की के भाई ने थाना से शिकायत कर बताया था कि मेरी नाबालिग बहन को जीजा घर से ये कहकर ले गये थे की दो घंटे में भोज खाकर लौट आएंगे लेकिन लौट कर नहीं आए। जीजा ने अपना मोबाइल भी बंद कर रखा है। भाई ने बहन को जान से मारने की आशंका भी व्यक्त कर बहन को खोजने का पुलिस से अनुरोध किया था।

मणिपुर से भागी तीन युवतियां मुजफ्फरपुर से लापता, बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मणिपुर से भागकर बैरिया पहुंचीं तीन युवतियों के लापता होने की सूचना मिलते ही अहियापुर पुलिस दो घंटे तक भागदौड़ करती रही। युवतियों के नहीं मिलने पर पुलिस ने बैरिया स्थित दीपक लाइन होटल के पास से एक बस चालक समेत एक अन्य युवक को हिरासत में लेकर थाना लाई।

पुलिस दबिश के बाद होटल संचालक तीनों युवतियों को लेकर थाने पहुंच गया। इसके कारण होटल संचालक की गतिविधि पर संदेह गहरा गया है। युवतियों से पूछताछ कर पुलिस नाम व पता का सत्यापन कर रही है। दारोगा पुष्पा कुमार ने युवतियों से मिले स्वजन के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

बताया है कि तीनों युवती दोस्त हैं।

युवतियों के परिजनों को किया गया है सूचित

परिवार के लोगों से नाराजगी के कारण तीनों घर से निकल गई थीं। इसकी शिकायत स्थानीय थाने में दर्ज है। पुलिस का कहना है कि स्वजन व वहां की पुलिस से संपर्क किया गया है। स्थानीय थाने व स्वजन के आने के बाद उनके हवाले किया जाएगा।

बताते हैं कि बस से तीनों युवतियां बैरिया बस स्टैंड उतरकर सड़क पार करने के लिए एक युवक से लैगेज ढुलाई के लिए मदद मांगी। रास्ते से जा रहे युवक ने मदद कर दी। इसी दौरान दीपक लाइन होटल के पास तीनों लड़कियां चली गईं।

कुछ युवकों ने मदद करने वाले युवक को पकड़ लिया और मारपीट को उतारू हो गए। इसी दौरान लाइन होटल संचालक तीनों युवतियों को लेकर कहीं चला गया। युवक ने डायल-112 को काल कर इसकी जानकारी दी।

इस पर पहुंचे अहियापुर थाने के गश्ती दल के एसएसबी जवान मौके पर पहुंचकर तीनों युवतियों को पुलिस को सौंपने को कहा, लेकिन होटल संचालक दो घंटे तक जवानों को रोके रखा। इस पर एक बस चालक समेत दो को हिरासत में लेकर थाने लाया गया।

इसके बाद तीनों युवतियों को लेकर होटल संचालक थाने पर पहुंचा। थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया दीपक लाइन होटल संचालक से पूछताछ की जा रही है। युवतियों के स्वजन व लोकल पुलिस के आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

20 लाख नेपाली रुपये के साथ बार्डर पर एक धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। पुलिस को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी सफलता मिली है। इंडो-नेपाल सीमा से सटे लदनिया थाना क्षेत्र में एसएसबी (सीमा सुरक्षा बल) और मधुबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 20 लाख नेपाली करेंसी के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, लदनिया थाना क्षेत्र के झलौन गांव के पास एनएच-227 पर पुलिस और एसएसबी जवानों ने चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। इसी दौरान एक बाइक की तलाशी के दौरान उसकी डिक्की से 19 लाख 80 हजार 800 नेपाली रुपए बरामद किए गए।

लदनिया थानाध्यक्ष अनुप कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि चुनाव तक यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि इंडो-नेपाल सीमा खुली होने के कारण अक्सर तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जयनगर बॉर्डर पर भी एसएसबी और मधुबनी पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 20 लाख नेपाली करेंसी और लगभग 20 लाख भारतीय रुपए बरामद हुए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान सीमा क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी और अधिक कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तुरंत रोक लगाई जा सके।

जसुपा उम्मीदवार ने थामा भाजपा का दामन

मुंगेर। मुंगेर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। शहर के एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय और एनडीए गठबंधन को समर्थन देने की घोषणा की। इस कदम ने जिले की सियासी हवा का रुख ही बदल दिया है। बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से संजय सिंह लगातार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में थे, लेकिन उनके इस निर्णय की भनक तक किसी को नहीं लगी। संजय सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद मुंगेर की चुनावी जंग अब और दिलचस्प हो गई है। अब मुकाबला सीधा महागठबंधन और एनडीए के बीच सिमट गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संजय सिंह का मजबूत जनाधार और उनकी स्थानीय लोकप्रियता एनडीए को निर्णायक बढ़त दिला सकती है। वहीं, महागठबंधन खेमे में इस घटनाक्रम से बेचैनी साफ देखी जा रही है स्थानीय मतदाताओं के बीच भी इस सियासी फेरबदल को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं लोग इसे मुंगेर की राजनीति में गेमचेंजर कदम के रूप में देख रहे हैं।

चुनाव प्रचार थमते ही प्रत्याशी व समर्थक सक्रिय

रात भर डोर-टू-डोर जनसंपर्क रहा जारी, मतदान आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। विधानसभा चुनाव प्रचार थमने के बाद एकमा विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। प्रत्याशी व उनके समर्थक अब पूरी ताकत डोर-टू-डोर जनसंपर्क में झोंक रहे हैं। देर रात तक मतदाताओं के घर-घर दस्तक देकर उम्मीदवार अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश करते रहे। गुरुवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होने वाले मतदान के दौरान जनता प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद कर देगी। नतीजे आने के बाद ही तय होगा कि क्षेत्र की जीत का ताज किसके सिर सजेगा और किसे हार का विश्लेषण करना पड़ेगा।

जन सुराज प्रत्याशी देव कुमार सिंह का जनसंपर्क- मंगलवार को जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी देव कुमार सिंह ने जनसुराज नेताओं डॉ. एस कुमार, विकास कुमार सिंह, संतोष सिंह, गौरव सिंह किशन आदि के साथ नचाप, एकमा, हरपुर, हंसराजपुर, राहुल नगर, एकमा बाजार, बिशनपुरा कला, परसागढ़, आमडाढ़ी, लालपुर व कलान सहित कई गांवों में दौरा किया। उन्होंने मतदाताओं से स्कूल का बस्ता चुनाव चिन्ह पर मतदान करने की अपील की और कहा कि यह चुनाव युवाओं के भविष्य व रोजगार के लिए निर्णायक है।

एनडीए प्रत्याशी धूमल सिंह का दौरा:- एनडीए प्रत्याशी मनोरंजन कुमार सिंह उर्फ धूमल सिंह ने भी मंगलवार को नचाप, भजौना, लाकठ छपरा, एकमा, आमडाढ़ी, हंसराजपुर सहित विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया। एकमा बाजार समेत कई स्थानों पर समर्थकों ने उनका फल-तुला कर स्वागत किया। उन्होंने मतदाताओं से क्षेत्र के विकास व स्थिर सरकार के लिए समर्थन मांगा।

महागठबंधन प्रत्याशी श्रीकांत यादव की पदयात्रा:- चुनाव प्रचार थमने से पूर्व मंगलवार को विधायक एवं महागठबंधन प्रत्याशी श्रीकांत यादव ने भी राजापुर, परसागढ़ दक्षिणी, एकमा बाजार, गोपाली, हंसराजपुर, पुरानी बाजार सहित कई गांवों में पदयात्रा कर जनता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनने पर हर परिवार को एक सरकारी नौकरी देने की योजना लागू की जाएगी। एकमा बाजार में व्यापारियों ने उन्हें फल-तुला कर सम्मानित किया।

निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में सक्रिय:- निर्दलीय प्रत्याशी जितेंद्र कुमार कन्नौज ने नचाप, श्रीरामपुर, लहलादपुर कलान, राजापुर, हंसराजपुर, परसागढ़ व रसूलपुर में जनसंपर्क किया। उन्होंने कहा कि वे नेता नहीं, बल्कि जनता के बेटे व सेवक बनकर क्षेत्र की सेवा करेंगे।

हवा में घुलने लगी ठंड, मौसम बदलने लगा करवट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में मोंथा चक्रवात का प्रभाव कमते ही बारिश की फुहारें थम गई हैं, लेकिन मौसम अब कर-वट लेकर सर्दी की ओर बढ़ने लगा है। शहर की हवा में ठंडक घुलनी शुरू हो गई है और देर शाम से लेकर सुबह तक हल्का कोहरा छाने लगा है। सोमवार की तुलना में मंगलवार को अधिकतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम में ठंडक स्पष्ट महसूस होने लगी है।

हाल ही में हुई बारिश के बाद वातावरण में नमी की मात्रा अभी भी अधिक बनी हुई है। इसी नमी के कारण देर रात से लेकर सुबह तक हल्का कोहरा छाया रहता है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तापमान में और गिरावट आती है, तो आने वाले दिनों में घना कोहरा भी बन सकता है, जिससे दृश्यता प्रभावित होगी। हालांकि फिलहाल घने कोहरे की संभावना कम बताई गई है। सुबह-शाम हल्की सर्द हवा

के साथ गुलाबी ठंड महसूस होगी, लेकिन अभी कड़ाके की ठंड पड़ने में थोड़ा समय है।

इधर, कोहरे और नमी की वजह से शहर की हवा की गुणवत्ता पर भी असर पड़ना शुरू हो गया है। निचले स्तर पर नमी और प्रदूषित कणों के मिश्रण से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में गिरावट दर्ज की जा रही है। यदि आसमान साफ नहीं हुआ और हवा की गति कम रही, तो शहर में प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है।

खाद की कालाबाजारी से किसान हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। छौड़ाही प्रखंड के प्रखंड उर्वरक निगरानी समिति समूह में उर्वरक वितरण और बिक्री को लेकर इन दिनों तीखी बहस छिड़ी हुई है। इस समूह में रासायनिक उर्वरक विक्रेता, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल हैं। इस समूह में विक्रेता अपने उर्वरक भंडार का दैनिक लेखा-जोखा साझा करते हैं।

प्रखंड के उर्वरक निरीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने जिला कृषि पदाधिकारी, बेगूसराय के कार्यालय आदेश संख्या 72/2025, दिनांक 31/10/2025 की जानकारी साझा की। इस आदेश में रबी मौसम में किसानों की बढ़ती मांग को देखते हुए उर्वरक की कालाबाजारी रोकने और निर्धारित मूल्य पर बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें अपने क्षेत्र में उर्वरक प्रतिष्ठानों के भंडारण का निरीक्षण करने और विभागीय ऐप पर रिपोर्ट अपलोड करने का भी निर्देश दिया गया है।

निरीक्षक ने सभी उर्वरक विक्रेताओं से प्रतिदिन सुबह 9 बजे तक अपनी बिक्री रिपोर्ट समूह के साथ साझा करने की अपील की थी, लेकिन कुछ ही विक्रेताओं ने ऐसा किया। इस समूह में जिला कृषि पदाधिकारी भी शामिल हैं। उर्वरक निगरानी समिति के सदस्य संजीव कुमार यादव ने बताया कि छौड़ाही प्रखंड की किसी भी पंचायत में निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध नहीं है।

बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति के सदस्य धर्मेंद्र

कुमार सिंह ने ग्रुप में लिखा कि सभी पंचायतबार किसान सलाहकार अपने क्षेत्र में सरकारी दर पर उर्वरक उपलब्ध है या नहीं, इसकी रिपोर्ट दें, लेकिन अभी तक किसी भी किसान सलाहकार ने कोई जवाब नहीं दिया है। किसानों का कहना है कि कई पंचायतों में सलाहकार स्थानीय विक्रेताओं के दबाव में हैं, जिससे वास्तविक स्थिति अस्पष्ट हो रही है। एकम्बा पंचायत के किसान रबी सिंह, केबली यादव और मणिभूषण सिंह ने बताया कि डीएसपी का सरकारी मूल्य 1,350 और यूरिया का 266 निर्धारित है। जबकि डीएपी ?1,600 से कम में उपलब्ध नहीं है। सरकारी मूल्य पर जोर देने के बावजूद, उर्वरक विक्रेता ?2,000 और एक रतालू ले रहे हैं।

इसलिए, वे अभी तक अपनी फसल नहीं उगा पाए हैं। किसानों ने बताया कि जब उन्होंने पंचायत के कृषि समन्वयक विवेक कुमार से अधिक मूल्य पर खाद बेचे जाने की शिकायत की तो उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। अगर यही स्थिति रही तो रबी फसल की बुआई प्रभावित होगी।

उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी से जांच कर दोषी विक्रेताओं व संबंधित पदाधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। इससे स्पष्ट है कि जब निगरानी समिति में शामिल विक्रेता रिपोर्ट देने से बच रहे हैं तो यह स्पष्ट संकेत है कि कहीं न कहीं कोई अनियमितता जरूर है। अब सबकी निगाहें कृषि विभाग पर टिकी हैं कि क्या यह उर्वरक निगरानी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगी या जमीनी स्तर पर कार्रवाई भी होगी।

इस संबंध में उर्वरक निरीक्षक मनोज कुमार गुप्ता का कहना है कि उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया गया है कि अधिक मूल्य वसूलने व समय पर रिपोर्ट नहीं देने पर लाइसेंस निलंबित करने समेत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। किसान बेझिझक उन्हें सूचना दें।

नदी में डूबने से दो किशोरों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर स्नान के दौरान हुई दर्दनाक घटना से पूरा इलाका शोक में डूब गया है। बुधवार को विजयीपुर थाना क्षेत्र के चखनी घाट स्थित खनुआ नदी में स्नान करते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। दोनों मृतक भोरे थाना क्षेत्र के नोनिया छापर गांव के रहने वाले थे और आपस में चचेरे भाई थे।

मृतकों की पहचान 16 वर्षीय अभिषेक कुमार शर्मा, पिता जितेंद्र शर्मा तथा 17 वर्षीय चंदन कुमार शर्मा, पिता अमित शर्मा के रूप में की गई है। दोनों किशोरों का शव जैसे ही बुधवार की शाम गांव पहुंचा, पूरे गांव में मातम छा गया। घरों में चीख-पुकार मच गई और लोगों की आंखें नम हो गईं।

घटना के संबंध में मृतकों के साथी अंकित शर्मा ने बताया कि वे चार दोस्त मिलकर कार्तिक पूर्णिमा पर खनुआ नदी में स्नान करने गए थे। नहाने के दौरान अभिषेक और चंदन अचानक गहरे पानी में चले गए। लोगों के काफी प्रयास के बाद सबसे पहले चंदन को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद अभिषेक का शव भी बरामद किया गया। अंकित ने बताया कि घटना के समय दो अन्य लड़के भी पानी में फंसे थे, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें किसी तरह बचा लिया।

चंदन कुमार शर्मा अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। वहीं अभिषेक शर्मा दो भाइयों में बड़ा था। परिजनों को विश्वास नहीं हो रहा कि हमेशा साथ रहने वाले दोनों चचेरे भाइयों की मौत भी एक साथ होगी। गांव के लोगों ने बताया कि दोनों किशोर बचपन से ही बहुत घनिष्ठ थे और हर खुशी-दुख में साथ रहते थे। अब दोनों की एक साथ उठी अर्थी देखकर गांव का हर व्यक्ति गमगीन है।

नाइट गार्ड पर हमला कर 12 बाल बंदी फरार

⇨पांच धरे गये, सात अब भी गायब
⇨सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह में बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब 12 बाल बंदियों ने ड्यूटी पर तैनात रात्रि गार्ड पर हमला कर दीवार फांदकर फरार हो गए। इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के मुताबिक, गार्ड पर हमला करने के बाद सभी बाल कैदी सुधार गृह की दीवार कूदकर भाग निकले। इस दौरान बाहर मौजूद कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया, जिसमें सभी बच्चे दीवार फांदते हुए दिखाई दे रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया और 12 में से 5 बाल बंदियों को फिर से पकड़ लिया, जबकि 7 अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। दरभंगा के एसएसपी जगन्नाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बीती रात बाल सुधार गृह से 12 कैदी फरार हुए थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पांच को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी सात की तलाश जारी है। सभी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

गौरतलब है कि हाल के महीनों में दरभंगा का यह बाल सुधार गृह कई विवादों में रहा है। पिछले तीन महीनों में यहां तीन बाल बंदियों ने आत्महत्या की थी, जो सुधार गृह में लाए जाने के एक सप्ताह के भीतर ही हुई थी। इन सभी मामलों में पुलिस जांच की बात कहती रही है, लेकिन अब एक साथ 12 बाल कैदियों के फरार होने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कहलगांव में राजद-कांग्रेस में फ्रेंडली फाइट

कहलगांव। कहलगांव विधानसभा का चुनाव मकड़जाल में उलझ गया है। लंबे समय से यहां सीधा मुकाबला होता था। वर्ष 2020 में कांग्रेस उम्मीदवार शुभानंद मुकेश एवं भाजपा उम्मीदवार पवन कुमार यादव के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। जिसमें पवन यादव ने शुभानंद मुकेश को करीब 45 हजार मतों से हराया था। पहली बार कहलगांव विधानसभा में कमल खिला था।

शुभानंद मुकेश ने कांग्रेस छोड़ जदयू का दामन थाम लिया। सीट बंटवारे में कहलगांव विधानसभा क्षेत्र जदयू के कोटे में आई और शुभानंद मुकेश को जदयू उम्मीदवार बनाया गया। कार्यकताओं के दबाव में पवन कुमार यादव निर्दलीय चुनाव मैदान में कूद पड़े। कहलगांव कांग्रेस की परम्परागत सीट रही है।

यहां से राजद ने झारखंड के मंत्री संजय यादव के पुत्र रजनीश भारती को तो कांग्रेस ने प्रवीण सिंह कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है। यहां एनडीए एवं महागठबंधन के वोटों का बिखराव हो रहा है। मुख्यमंत्री के लवकुश समीकरण में भी बिखराव की स्थिति है।

मुस्लिम वोटों पर राजद, कांग्रेस, जदयू एवं जन सुराज उम्मीदवार मंजर आलम दावेदारी कर रहे हैं। मुस्लिम वोटों में बिखराव तय माना जा रहा है। यादव वोटों में राजद एवं निर्दलीय उम्मीदवार पवन कुमार यादव के बीच बंट रहा है। भाजपा का एक बड़ा तबका सीट बदले जाने से नाराज है।

नेताजी से ज्यादा जुट रही हेलीकॉप्टर के पास भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। चुनाव का मौसम हो और विधानसभा क्षेत्र के आसमान में हेलीकॉप्टर न दिखे, ऐसा तो हो नहीं सकता। जहां भी किसी बड़े नेता की सभा तय होती है, वहां ग्रामीण इलाके के लोगों के बीच सबसे पहले चर्चा उड़ते हुए हेलीकॉप्टर की ही होती है। राजनीतिक भाषणों से पहले लोगों की निगाहें आसमान पर टिकी होती हैं, जैसे सबको उसी क्षण का इंतजार हो जब आसमान में हेलीकॉप्टर मंडराने लगे।जीरगंज, बेलागंज और बोधगया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में यही नजारा अक्सर देखने को मिल रहा है। चुनावी सभाओं में शामिल होने आने वाले ग्रामीणों में आधे से अधिक लोग ऐसे होते हैं जो असल में नेता का भाषण नहीं, बल्कि हेलीकॉप्टर देखने की उत्सुकता में पहुंचते हैं।

जैसे ही आसमान में दूर से टर्र-टर्र की आवाज सुनाई देती है, सभी के चेहरे खिल उठते हैं। बच्चे, बूढ़े और महिलाएं तक आसमान की ओर देख कर एक साथ बोल उठते हैं आ गलउ रे हेलीकॉप्टरवा। हेलीकॉप्टर नीचे उतरने लगता है तो लोगों में उत्साह और बढ़ जाता है। सभा स्थल पर पहुंचे लोग नेताजी से ज्यादा हेलीकॉप्टर के चारों ओर जमा हो जाते हैं।

काफी संख्या में लोग जमीन पर बैठकर उसे निहारते रहते हैं, तो कुछ मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगते हैं।

कई लोग हेलीकॉप्टर को देखकर आपस में चर्चा शुरू कर देते हैं। कोई कहता है देखहीं तो सीटवा कइसन है, तो कोई बोलता है बाप रे बाप, डयना कतना बड़ा है। वहीं बुजुर्ग राजेंद्र प्रसाद कहते है कि चकवा तो एकदम राजा वाला लग रहा है। सभा में मौजूद कई लोग हेलीकॉप्टर की कीमत पर भी अंदाजे लगाने लगते हैं।

एक व्यक्ति कहता है ई तो पांच लाख के आसपास होई। तभी दूसरा जवाब देता है ना भाई सात लाख से कम में ई न मिलई, पास ही खड़ा तीसरा व्यक्ति तुरंत जोड़ता है। अरे सात लाख में ट्रैक्टरवा न आवे ई तो हेलीकाप्टरवा है। करोड़ों रुपये होई। पूरा माहौल में एक अलग चहल-पहल देखने को मिलता है।

वहीं नेताजी मंच से जनता को संबोधन कर रहे होते है। लेकिन कई लोगों का ध्यान भाषण की ओर तनिक भी नहीं जाता। वे या तो हेलीकॉप्टर के आसपास घूमते रहते है या फिर उसकी तस्वीरें खींचने में व्यस्त रहते है। छोटे बच्चे तो मानों किसी मेले में आ गए हो।

उसकी आंखों में हेलीकॉप्टर को लेकर कौतूहल साफ झलकता है। कुछ लोगों लिए यह होलीकाप्टर दर्शन चुनावी माहौल की सबसे बड़ी घटना होती है। कई लोग तो मजाक में कहते हैं कि भाषण बाद में पहले हेलीकॉप्टर देख लेवे दे। इस बार के चुनाव में नेताओं की सभाओं से अधिक चर्चा गांवों में हेलीकॉप्टर की हो रही है।

राजनीतिक दलों के लिए यह प्रचार का साधन जरूर है। लेकिन ग्रामीणों के लिए यह अब भी आश्चर्य और उत्साह का प्रतीक है। हवा में उड़ता चकवा उन्हें आधुनिक राजनीति का नहीं बल्कि सपनों को प्रतीक है। जहां वे हर बार सोचते है कब हमरो इलाका इस तरह के विकास से उड़ान भरेगा।

संपादकीय

भारत-अमेरिका रक्षा समझौता कई मायनों में महत्वपूर्ण

भारत की अहमियत को अमेरिका अच्छी तरह समझता है और दोनों देशों के रक्षा संबंधों पर अन्य विवादों का काई असर पड़ने वाला नहीं है।भारत और अमेरिका के बीच हुए नए रक्षा समझौते को कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था। मगर, रिश्तों में जमी मतभेदों की यह बर्फ अब पिघलती नजर आ रही है।पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि वे भारत के साथ व्यापार समझौता करने वाले हैं और फिर रक्षा सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि द्विपक्षीय संबंध फिर से पटरी पर लौट रहे हैं। यह कदम तमाम विरोधाभासों के बावजूद दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य को भी दर्शाता है।अमेरिका ने भले ही दुनिया को दिखाने के लिए शुल्क नीति के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की हो, लेकिन वह बहुध्रुवीय होती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका और प्रासंगिकता को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। प्रस्तावित व्यापार समझौता हो या रक्षा सहयोग, जाहिर है इनमें दोनों देशों के हित निहित हैं। मसला सिर्फ इस बात का है कि हर पहलू पर द्विपक्षीय नजरिए का परस्पर सम्मान किया जाना चाहिए, तभी संबंधों पर प्रगाढ़ता का रंग चढ़ता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के उनके समकक्ष पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह करार अगले दस वर्षों के लिए है और इससे भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के सभी आयामों को नीतिगत दिशा मिलने की उम्मीद है। इससे नई उच्च तकनीक तक भारत की पहुंच बढ़ेगी और दोनों देशों की सेना के बीच समन्वय की क्षमता में इजाफे के साथ रक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने के नए अवसर उपलब्ध होंगे।निश्चित रूप से यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और इस कदम से रक्षा साझेदारी के एक नए अध्याय का सूत्रपात होगा, जो मुक्त, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का दबदबा रहा है और वहां शक्ति संतुलन को लेकर भारत-अमेरिका के साथ कई देश मिलकर काम कर रहे हैं।इसमें दोराय नहीं कि भारत और अमेरिका हाल के वर्षों में अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने की दिशा में लगातार काम करते रहे हैं। इसी के तहत हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस के बीच भारत में एफ 414 जेट इंजन के संयुक्त उत्पादन पर भी बातचीत हुई है।करीब एक दशक पूर्व अमेरिका ने भारत को 'प्रमुख रक्षा साझेदार' घोषित किया था, जिससे महत्त्वपूर्ण सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हुआ था।

महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ 'मैदान' तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। 2 नवंबर 2025 का रविवार भारतीय खेल जगत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। यह वह दिन था जब नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी मैदान न केवल एक विश्व कप का साक्षी बना, बल्कि भारतीय महिला शक्ति की अजेय प्रतिभा और जज्बे का भी प्रमाण देखा। शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेल कर विश्वकप को भारत के नाम कराने में अमूल्य योगदान दिया। शेफाली की यह पारी आत्मविश्वास से भरी होने के साथ-साथ सनसनीखेज पारी रही। इसी के साथ स्मृति मंधाना ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए भारत के लिये सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी। उनकी टाइमिंग एवं कंवर ड्राइव ने सबका दिल जीत लिया। वैसे टीम का हर खिलाड़ी इस आश्चर्यकारी जीत के लिये बधाई का पात्र है। निश्चित ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम कर ऐसा इतिहास रचा, जो न केवल खेल का अध्याय है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरक गाथा भी है। विश्व विजेता बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट की टीम की चर्चा दुनिया के हर कोने में हो रही है।

भारतीय महिला क्रिकेट- नई उड़ान, नई संभावना को सलाम

(ललित गर्ग)

यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है। सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण-अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीक की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया। इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सूझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी की ऊर्जा को स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की सटीक लाइन-लेंथ ने टीम को हर

मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले पस्त किए। इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं। यह उस सामाजिक परिवर्तन का परिणाम है जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना शुरू किया है। महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक विजय केवल कप जीतने की कहानी नहीं है, यह उस भारत की घोषणा है जो अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने का साहस रखता है। यह जीत हर उस लड़की की प्रेरणा है जो गली के मैदान में क्रिकेट बैट थामे सपना देखती है कि एक दिन वह भी भारत के लिए खेलेगी। यह स्वर्णिम विजय हमें यह संदेश देती है कि भारत की नारी अब हर क्षेत्र में खेल बदलने के लिए तैयार है। जय शाह जैसे सक्षम नेतृत्व और खिलाड़ियों की प्रतिभा से सुसज्जित यह टीम आने वाले समय में विश्व क्रिकेट का नया अध्याय लिखेगी, जहाँ हर शॉट में आत्मविश्वास होगा, हर गेंद में संकल्प, और हर जीत में भारत की बेटियों की दमकती मुस्कान। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ खेल नहीं रही हैं बल्कि वे इतिहास रच रही हैं। देश पर छा रहे अनेकानेक उजालों के बीच महिला विश्व कप 2025 रूपी उजाला देशवासियों को प्रसन्नता का प्रकाश दे गया। संदेश दे गया कि देश का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है। महिलाओं की इस करिश्माई उपलब्धि के बाद अखबारों के शीर्ष में यह समाचार छपा और सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने खिलाड़ीपन के लम्बे रन-अप को पल-पल जीया है। इस दौरान बहुत कुछ पीया है तभी वे विश्व विजेता बनी। वरना यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है। सम्मान, पदवी, उपाधियां, अलंकरण बहुतों को मिलते हैं पर सही सीने पर सही तमगा और सही नाम के आगे सही सम्बोधन कभी-कभी लगता है। जैसा महिला विश्व कप 2025 की भारतीय महिला खिलाड़ियों के सीनों पर लगा है। जब भी कोई अर्जुन धनुष उठाता है, निशाना बांधता है तो करोड़ों के मन में एक संकल्प, एक एकाग्रता का भाव जाग उठता है और कई अर्जुन पैदा होते हैं। अपने देश में हर बल्ला उठाने वाला अपने को गावस्कर, तेंगुलकर विराट कोहली, रोहित समझता है, हर बॉल पकड़ने वाला अपने को कपिल-अर्शदीप, बुमराह समझता है। हॉकी की स्टिक पकड़ने वाला हर खिलाड़ी अपने को ध्यानचंद, हर टेनिस का रेकेट पकड़ने वाला अपने को रामानाथन कृष्णन समझता है। और भी कई नाम हैं, मिल्खा सिंह, पी.टी. उषा, प्रकाश पादुकोन, गीत सेठी, जो माप बन गये हैं खेलों की ऊंचाई के। दीप्ति आज माप बन गयी है और जो माप बन जाता है वह मनुष्य के उत्थान और प्रगति की श्रेष्ठ स्थिति है। यह अनुकरणीय है। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सलाम।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रक्षा निर्यात ने बढ़ाया भारत पर दुनिया का भरोसा

(नवनीत सहगल)

आसियान शिखर सम्मेलन में फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर द्वारा भारत की खुलकर प्रशंसा करना, तेजस एमके 1ए की पहली सफल उड़ान और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद कई देशों का रक्षा सहयोग में रुचि दिखाना इस बात प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक रक्षा परिदृश्य में निर्णायक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह परिवर्तन किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि मोदी सरकार के उन प्रयासों का प्रतिफल है, जिसने भारत को 'रक्षा आयातक' से 'रक्षा निर्यातक' बना दिया है। बीते एक दशक में भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ नीति-निर्माण और नवाचार को जोड़ा है, उसने देश की रणनीतिक दिशा ही बदल दी है। 2014 में जहां हमारा रक्षा उत्पादन 46,429 करोड़ रुपये था, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रक्षा निर्यात में रही है, जो 1,941 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह छलांग भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और नीति-स्थिरता की कहानी कहती है। आज करीब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में ही बनते हैं। रक्षा बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देने हेतु 75 प्रतिशत राशि घरेलू खरीद के लिए आरक्षित की गई है। इससे न केवल देशी उद्योग को बल मिला है, बल्कि स्टार्टअप और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग) को भी रक्षा उत्पादन से सीधे जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो में कहा था कि आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन में नहीं, बल्कि नवाचार में होनी चाहिए। इसी नजरिये से रक्षा अनुसंधान एवं विकास (आरऐंडडी) पर विशेष ध्यान दिया गया है। आरऐंडडी के लिए समर्पित करने की योजना इसी सोच का प्रमाण है। आज 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस' भारत के रक्षा क्षेत्र में परिवर्तन की धुरी बन चुका है। इस पहल के अंतर्गत अब तक 600 से अधिक डिफेंस-टेक स्टार्टअप उभरे हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा और संचार प्रणालियों के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप न केवल रक्षा कंपनियों के साथ सहयोग कर रहे हैं, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर डिफेंस इनोवेशन हब के रूप में स्थापित भी कर रहे हैं। भारत की आत्मनिर्भरता केवल घर में सीमित नहीं है। विदेश नीति में भी यह आत्मविश्वास झलकता है। फ्रांस, ब्रिटेन, इटली और स्लोवाकिया जैसे देशों के साथ तकनीकी साझेदारियां भारत के रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अभिन्न हिस्सा बना रही हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति का यह कहना कि 'मनीला अब अपनी कई रक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर रुख करेगा' न केवल भारत की रक्षा तकनीक पर वैश्विक भरोसे को दर्शाता है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की उभरती भूमिका को भी मजबूत करता है। ब्रह्मोस मिसाइल सौदे के बाद यह दूसरा बड़ा संकेत है कि दक्षिण-पूर्व एशिया के देश चीन पर निर्भर रहने के बजाय भारत को एक भरोसेमंद सुरक्षा भागीदार के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात अब 100 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है। सरकार ने 2030 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो उसकी मौजूदा प्रगति को देखकर दूर नहीं लगता। 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और 'डीप टेक फंड ऑफ फंड्स' जैसी पहलों ने एआई, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण में भारत को मजबूती दी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ने केवल सैन्य शक्ति नहीं बढ़ाई, बल्कि रोजगार व औद्योगिक विकास को भी गति दी है। रक्षा औद्योगिक गलियारे विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में हजारों एमएसएमई को रक्षा आपूर्ति शृंखला में जोड़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि देश में अब तक 500 से अधिक रक्षा और एयरोस्पेस कंपनियां प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रक्षा विनिर्माण में जुड़ी हैं। 2030 तक भारत का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये का निर्यात है। जाहिर है, ये सब केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि एक आत्मनिर्भर भारत के आत्मविश्वास की झलक हैं। (लेखक चेयरमैन, प्रसार भारती)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गुरु नानक का प्रकाश पर्व- हर युग के अंधकार को मिटाने वाला संदेश

(योगेश कुमार गोयल)

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा।

सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरन् अन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन् 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वार्ताओं में गहन रूचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस कार्य में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न सारगर्भित तर्कों द्वारा उसका खंडन करने की कोशिश करते।

नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता कालूचंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शूद्र की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की

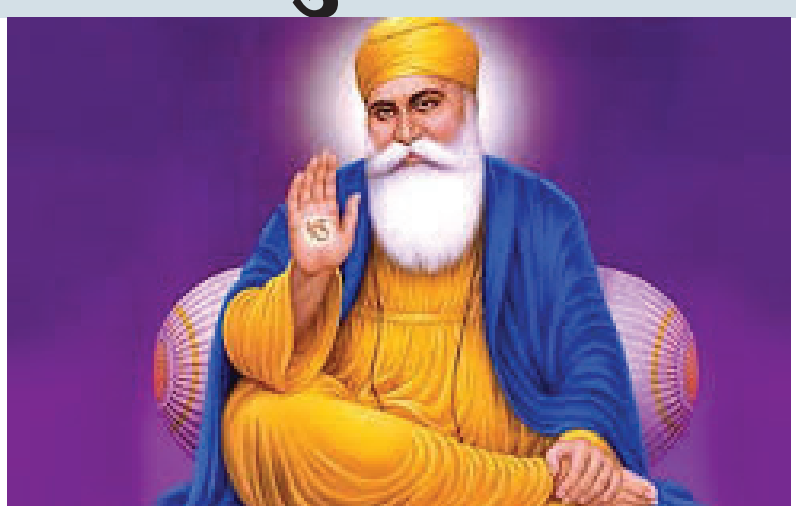

खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुस्से में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो। भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से...? ''दूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।'' नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं? लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, ''खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?'' गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

महिलाओं के उत्साह और एनडीए की एकजुटता ने बदला चुनावी समीकरण, नीतीश बोले, विकास ही हमारा चेहरा है

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। हमने काम किया है, बातें नहीं की हैं... बिहार के हर गांव-कस्बे तक विकास पहुंचाया है।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इन शब्दों के साथ धमदाहा का हाई स्कूल मैदान तालियों और नारों से गूंज उठा। बुधवार को पूर्णिया जिले के धमदाहा के इस मैदान में उमड़े जनसैलाब ने यह साबित कर दिया कि नीतीश कुमार अब भी सीमांचल की राजनीति के सबसे भरोसेमंद चेहरा बने हुए हैं। सभा में महिलाओं की जबरदस्त मौजूदगी और मंच पर एनडीए के शीर्ष नेताओं की एकजुटता ने पूरे माहौल को चुनावी ऊर्जा से भर दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विकास, सुशासन और महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर जनता से सीधे संवाद किया।

नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने बिना भेदभाव सबके लिए काम किया है। 'महिलाओं को दस-दस हजार रुपये मुफ्त में दिए जा रहे हैं, इसे न लौटाना होगा और न उस पर ब्याज लगेगा। जो महिलाएं उद्योग लगाना चाहेंगी, उन्हें दो-दो लाख रुपये की सहायता दी जाएगी,' उन्होंने कहा। उनके इस बयान के बाद महिलाओं ने हाथ लहराकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया और 'नीतीश कुमार जिंदाबाद' के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सम्मान देना हमारी सरकार का लक्ष्य रहा है। अब महिलाएं घर की चौखट तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि उद्यमिता और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में धमदाहा और पूर्णिया के विकास कार्यों की विस्तृत झलक दी। उन्होंने कहा कि पूर्णिया में मेडिकल कॉलेज, कृषि कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, एमएम स्कूल और अनुमंडल कार्यालय जैसी संस्थाओं की स्थापना की गई है। धमदाहा में डिग्री कॉलेज की स्वीकृति दी गई है ताकि स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि धमदाहा से सिंघाड़ा पट्टी होते हुए पूर्णिया तक चार लेन सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे व्यापार, शिक्षा और रोजगार सभी को नई गति मिलेगी। पुल-पुलिया और कर-काज के नेटवर्क को मजबूत करने का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है। सभा में मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, मंत्री सह जदयू प्रत्याशी लेसी सिंह और रूपौली विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी कलाधर मंडल ने। इन सभी नेताओं की उपस्थिति ने एनडीए के भीतर समन्वय और मजबूती का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीए का लक्ष्य सत्ता नहीं, सेवा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे उस सरकार को दोबारा मौका दें जिसने बिहार की तस्वीर बदलने का साहस दिखाया है। धमदाहा की यह सभा सिर्फ एक चुनावी कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकास के संकल्प का सार्वजनिक ऐलान थी। भीड़ में महिलाओं की उपस्थिति और युवाओं की सहभागिता ने यह साफ कर दिया कि इस बार सीमांचल की राजनीति में जातीय समीकरणों से अधिक विकास और सुशासन निर्णायक भूमिका निभाने जा रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि 'बातों से नहीं, काम से पहचान बनती है,' और यह पंक्ति पूरे मैदान में गूंजती रही। सभा के अंत में जब मुख्यमंत्री ने जनता की ओर हाथ हिलाया, तो पूरा मैदान मानो एक स्वर में जवाब दे रहा था—'नीतीश कुमार जिंदाबाद, एनडीए सरकार एक बार फिर।'

राहुल गांधी को नहीं पता मखाना कैसे निकलता

ऐसे लोग किसानों की बात कैसे करेंगे : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा /कटिहार। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कोढ़ा विधानसभा के सिसिया हाईस्कूल मैदान पहुंचे। जहां उन्होंने एनडीए प्रत्याशी कविता देवी के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी और एनडीए सरकार की उपलब्धियों को गिनाया।अपने संबोधन के दौरान सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 'जिन्हें यह नहीं पता कि मखाना निकालने के लिए खेत में उतरना पड़ता है, वो किसानों की बात कैसे करेंगे?' उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में राहुल गांधी अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कोढ़ा पहुंचे थे और मखाना के खेत में मौजा पहनकर उतरे थे, जो किसानों की वास्तविकता से उनकी दूरी दिखाता है।सम्राट चौधरी ने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार 'लालटेन युग' से निकल चुका है और विकास के रास्ते पर अग्रसर है। सभा के अंत में उपमुख्यमंत्री ने कोढ़ा की जनता से एनडीए प्रत्याशी कविता देवी के पक्ष में मतदान करने की अपील की और कहा कि बिहार में विकास और स्थिरता सिर्फ एनडीए ही दे सकता है।इस दौरान विधायक कविता देवी, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक कुशवाहा, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष मनोज सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि अखिलेश मेहता, संतोष मेहता, अरविंद सिंह, तारानंद सिन्हा, विद्यानंद सिंह, श्यामलाल मंडल, सीमा देवी, नित्यानंद दास, रविंद्र कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ शंभू सिंह, मंडल अध्यक्ष रमन झा, मनोज ठाकुर, अरविंद दास, तथा भाजपा पंचायत अध्यक्ष राजकिशोर सिंह उर्फ बबलू सिंह सहित दर्जनों एनडीए गठबंधन दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष मे मतदान का किया अपील

बकिया रानीचक में तौकीर आलम के समर्थन में उमड़ी भीड़

पप्पू यादव बोले- तौकीर मेरे बेटे समान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी/कटिहार। बरारी विधानसभा क्षेत्र के बकिया रानीचक मैदान में कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर आलम के समर्थन में महागठबंधन की विशाल सभा आयोजित हुई। सभा की अध्यक्षता कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह ने की। लोग नेताओं के आगमन का इंतजार करते रहे। जैसे ही आसमान में हेलीकॉप्टर की आवाज गूंजी, भीड़ जोश में झूम उठी।तकनीकी कारणों से अमौर से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। जिसके बाद सांसद पप्पू यादव ने मोबाइल फोन के जरिए ऑडियो कॉल से जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा की तौकीर और हम एक खून हैं। उनके पिता और मैं भाई जैसे हैं। मैं तौकीर को अपने बेटे की तरह मानता हूं। बरारी की जनता अगर बदलाव चाहती है तो तौकीर आलम को भारी बहुमत से विधानसभा भेजे।इस मौके पर कांग्रेस प्रत्यासी तौकीर आलम ने कहा कि जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी असली ताकत है। उन्होंने कहा की मैं सेवा करने आया हूं।सत्ता पाने नहीं। बरारी के हर गांव और हर तबके की आवाज विधानसभा तक पहुंचाना मेरा लक्ष्य है। विकास, शिक्षा और रोजगार मेरी प्राथमिकता होगी। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील यादव, कांग्रेस इलेक्शन प्रभारी प्रदीप नरवाल, यूपी युवा कांग्रेस अध्यक्ष कर्मवीर यादव, बंगाल के पूर्व विधायक मुस्ताक आलम, बिहार प्रभारी शहनवाज आलम, जहांगीर आलम, राजद नेता विमल मालाकार, अमरेंद्र सिंह संजू, आलमगीर, चंदन सिंह, उपमुखिया गोपाल यादव, पूर्व मुखिया मनीज यादव, वंदना यादव, अशोक यादव और प्रितेश निषाद,पंकज यादव, संजय अग्रवाल सहित दर्जनों महागठबंधन नेता मंच पर मौजूद थे। सभा में महिलाओं और युवाओं की बड़ी भागीदारी रही।

अमौर विधानसभा क्षेत्र में मतदान की तैयारी पूरी 11 नवंबर को दूसरे चरण में होगा मतदान

अमौर/पूर्णिया/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अंशुल कुमार के दिशा-निर्देश पर अमौर प्रखंड क्षेत्र में आगामी 11 नवम्बर 2025 को दूसरे चरण में होने वाले विधानसभा आम निर्वाचन की सभी प्रशासनिक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। प्रखंड सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ राजा राम पंडित ने प्रखंड कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमौर प्रखंड क्षेत्र में इस बार कुल 1,87,445 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें पुरुष मतदाता 1,01,598, महिला मतदाता 85,843 तथा थर्ड जेनरेशन मतदाता 4 शामिल हैं। प्रखंड क्षेत्र में कुल 226 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें सामान्य 96, संवेदनशील 62 और अतिसंवेदनशील 68 मतदान केन्द्र चिह्नित किए गए हैं। वहीं एक मॉडल मतदान केन्द्र आदर्श मध्य विद्यालय अमौर में स्थापित किया गया है।

पूर्णिया की त्रासदी : तीन मौतों का रहस्य काबू, मौत का रहस्य

■ मध्यरात्रि में तीन शव, सन्नाटा और सवाल, नवीन कुशवाहा के घर की यह खामोशी बहुत कुछ कहती है

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पूर्णिया की शांत गलियों में मंगलवार की रात जो घटा, उसने पूरे जिले को सिहरन में डाल दिया। यूरोपियन कॉलोनी स्थित एक घर से तीन लाशें बरामद हुईं—बहुजन समाज पार्टी के पूर्व प्रत्याशी सह कुशल व्यापारी नवीन कुशवाहा, उनकी पत्नी कंचन माला और उनकी बेटी तनु प्रिया की। रात के अंधेरे में इस परिवार की सांसें कब थम गईं, इसका जवाब अब तक किसी के पास नहीं। सवाल बस इतना है— यह हादसा था, आत्महत्या थी या फिर कोई गहरी साज़िश?

नवीन कुशवाहा, जो कभी राजनीति की चौपालों में अपनी पैठ रखते थे, अब खबरों की सुर्खियों में लाश बनकर लौटे हैं। खजांची हाट थाना क्षेत्र की इस घटना ने न सिर्फ प्रशासन को झकझोर दिया है बल्कि पूर्णिया की राजनीति में भी भूचाल ला दिया है। बताया जाता है कि रात करीब 11 बजे परिवार के सभी सदस्य घर में थे। कुछ ही देर बाद पड़ोसियों ने चीखें सुनीं और जब दरवाजा तोड़ा गया तो तीनों बेसुध पड़े थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पहली नजर में परिवार के भाई निरंजन कुशवाहा ने इसे 'दुर्घटना' बताया — बेटी सीढ़ियों से गिरी, पिता बचाने दौड़े और मां को सदमा लगा। पर पुलिस की नजर कुछ और कहती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, मगर गले पर निशान और कमरे की अव्यवस्था इस कहानी को उलझा रही है। जांच दल ने फोरेंसिक टीम को बुलाया है और हर पहलू को खंगालने की प्रक्रिया चल रही है। नवीन कुशवाहा एक शिक्षित और सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्ति माने जाते थे। राजनीति में उन्होंने अपना मुकाम बनाया था और हाल के वर्षों में वे लोकहित के मुद्दों पर मुखर थे। उनकी पत्नी और बेटी भी सामाजिक कार्यों से जुड़ी थीं। ऐसे में उनकी सामूहिक मौत ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने इस मामले को ह्यसंदिग्ध मौतह्न करार दिया है। वहीं सांसद पप्पू यादव ने इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा — 'यह सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और सच्चाई की परीक्षा है।' पूर्णिया की यह रात अब एक रहस्य बन चुकी है — घर के भीतर घटी यह त्रासदी कई परतों में लिपटी है। सवाल है कि क्या सच्चाई सामने आ पाएगी या यह केस भी धीरे-धीरे राजनीतिक धूल में दब जाएगा? समय और जांच ही तय करेगी कि यह मौत थी या एक नियोजित मौन हत्या।

जातपात धर्म से ऊपर उठकर एकजुट होने की है जरूरत : चिराग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बलरामपुर /कटिहार। बलरामपुर विधानसभा क्षेत्र के कांसोइ हाई स्कूल के मैदान में बुधवार को लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार संगीता देवी के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में मतदाताओं से वोट की अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नितीश कुमार की अगवाई में बिहार विकास के रास्ते पर चल चुकी है। यहां अब किसी दूसरे गठबंधन की जरूरत लोगों को नही रही।

भाजपा की सरकार गरीबों को पक्का मकान मुहैया कराने के साथ साथ महिलाओं की सम्मान के लिए शौचालय देने का काम किया है।प्रधानमंत्री गरीब जन कल्याण योजना के तहत देश के करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन देने के साथ एनडीए की सरकार महिलाओं को उद्यमी बनने के लिए उसके बैंक खाते में दस हजार भेज चुकी है।तथा अगली किश्त दो लाख रुपए बहुत जल्द सभी के खाते में भेजे जाने के लिए काम कर रही है। ताकि महिलाए आत्म निर्भर होकर अपने परिवार का भरण पोषण कर सके।उन्होंने महा गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि महा गठबंधन के नेता जब अपने घटक दल को आपस में सम्मान न दे तो वह जनता को किया सम्मान देगा। राजद एम वाई समीकरण बनाकर और भय दिखाकर केवल मुस्लिमों को धोखा देने का काम किया है।अब मुसलमानों को तय करना है कि उन्हें कबतक डरकर रहना है। इस लिए लोगों से जातपात धर्म से ऊपर उठकर एक जुट होकर हेलीकाप्टर छाप पर वोट देने की अपील की है।

कसबा का समीकरण : जब 'संगठन की चुप्पी' बन जाए उम्मीदवार की सबसे बड़ी चुनौती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ लोजपा प्रत्याशी के सामने दो मोर्चे–विकास की परिकल्पना और पार्टी के भीतर भरोसे की बहाली

कसबा/पूर्णिया। कसबा विधानसभा इन दिनों सीमांचल की राजनीति का आईना बन चुकी है। यहां मुद्दे, चेहरे और समीकरण—सब कुछ बदलते हुए दिखाई दे रहे हैं। एनडीए के हिस्से आई इस सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने व्यापारी पृष्ठभूमि से आने वाले नीतीश कुमार सिंह को प्रत्याशी बनाकर एक नया दांव चला है। उद्देश्य साफ था—स्वच्छ छवि और व्यापारिक समझ के जरिए विकास की नई परिभाषा देना।

लेकिन हर नई शुरूआत अपने साथ नए सवाल भी लेकर आती है। पार्टी के भीतर जिस तरह के स्वर उठने लगे हैं, वह इस चुनावी गणित का सबसे जटिल हिस्सा बन चुके हैं। कई पुराने कार्यकर्ता अब खुद को हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि उम्मीदवार ने रणनीति के नाम पर संगठन के अनुभवी चेहरों को नजरअंदाज कर दिया है, और प्रचार अभियान में ऐसे लोगों को प्राथमिकता दी है जिनकी जमीनी पकड़ सीमित है।

कसबा की राजनीति का इतिहास बताता है कि यहां की जीत केवल मतगणना का परिणाम नहीं, बल्कि संगठन और जनभावना की समरसता का फल होती है। ऐसे में यदि संगठन की आत्मा ठंडी पड़ जाए, तो चुनावी उत्साह भी अपने आप मद्धम पड़ जाता है।

नीतीश कुमार सिंह अपने हर भाषण में विकास को केंद्रीय मुद्दा बना रहे हैं। वे कसबा को व्यापारिक केंद्र, युवाओं को अवसर और क्षेत्र को संसाधन का केंद्र बनाने की बात करते हैं। यह दृष्टि सराहनीय है, पर इसके साथ उन्हें संगठन की नब्ज भी समझनी होगी—क्योंकि विकास का खाका तब तक अधूरा है जब तक उसमें कार्यकर्ताओं का भरोसा शामिल न हो। यह चुनाव नीतीश कुमार सिंह के लिए केवल विधानसभा तक का सफर नहीं, बल्कि अपने दल के भीतर विश्वास की पुनर्स्थापना का भी अवसर है। कसबा का मतदाता हर बार की तरह इस बार भी देख रहा है—कौन सिर्फ बोल रहा है, और कौन साथ लेकर चल रहा है।

राजनीति में आखिरकार वही जीतता है, जो लोगों के दिल में जगह बनाता है, न कि सिर्फ पोस्टरों पर चेहरा।

सम्पर्क पथ के बिना ढ़ोरवाघाट पुल साबित हो रहा सफेद हाथी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण। जिले के मनिहारी प्रखंड के धूरीयाही पंचायत को प्रखंड मुख्यालय से जोडनेवाला पुल दशकों के जद्दोजहद के बाद बन तो गया लेकिन सम्पर्क पथ के आभाव सफेद हाथी भर बन कर रह गया है. लोगों के लिए आज भी धुरीयाही पहुंचने का साधन नाव ही रह जाता है। ग्रामीणों की शिकायत है कि चुनाव आते ही विकास की श्रेय लेने की होड सी नेताओं के बीच लग जाती है।

जन सुविधाओं व विकास का सपना दिखाकर, वोट बटोर कर चुनाव बाद जन समस्याओं के प्रति संवेदनाहीन हो जाते हैं। करोडों की लागत से ढोवराघाट पुल बन जाने के बाद भी धूरीयाही और आसपास के क्षेत्र की आवादी इसकी सुविधा से महज सम्पर्क पथ के आभाव मे वंचित है।धूरीयाही पंचायत को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाला ढ़ोरवाघाट पुल बनकर तैयार है। लेकिन पुल के एक ओर सम्पर्कपथ नहीं बन पाने से यह जनोपयोगी पुल लोगों की आकांक्षा पूरी नहीं कर पा रही है। तो दूसरी ओर बड़ी आवादी को प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचने के लिए नदी पार करने की विवशता है। विशेषकर बाढ़ बरसात के दिनों में आमजन को ,बीमार लोगों को चिकित्सकीय सुविधा हेतु अस्पताल ले जाने , आक्समिक परिस्थिति में गर्भवती महिलाओं को बेहतर चिकित्सा के लिए हायरसेंटर तक ले जाने में कठिनाई का सामना आज भी करना पड़ रहा है । जानकारी हो किधूरियाही , मोहना चांदपुर सहित दिलारपुर पंचायत के तकरीबन बीस हजार कीआबादी उक्त पुल के लोकार्पण से लाभांवित होगी। पंचायत के मुखिया राज कुमार मंडल ने जानकारी दी किवर्ष 2021 में 125 मीटर लम्बे पुल निर्माण की ढ़ोरवाघाट पर आधारशिला तत्कालीन सांसद दुलालचंद गोस्वामी ने रखी थी। ग्रामीण कार्य विभाग के माध्यम से उक्त पुल का निर्माण ससमय वर्ष 2022 मे पूरा भी कर लिया गया। लेकिन पुल बन जाने के बाद दोनों ओर रैयती भूमि होने के कारण भूस्वामी की सहमति से कालीगंज की ओर तो एप्रोच पथ बनकर तैयार है, लेकिन धूरीयाही की जमीन मालिक की सहमति नहीं मिलने से यहां एप्रोच पथ नहीं बन सका है।मुखिया श्री सिंह ने बताया की एप्रोच पथ निर्माण के लिए संबंधित रैयतों ने अब एकरारनामा बनाकर अपनी सहमति प्रदान कर दी।तकरीबन छः माह से अधिक समय से संबंधित संचिका अंचलाधिकारी मनिहारी कार्यालय से अग्रतर कार्वाई हेतु भू अर्जन विभाग को भेजी जा चुकी है। लेकिन भू अर्जन विभाग की इस दिशा में उदासीनता एप्रोच पथ बनने के मार्ग में बाधक बना हुआ है।

फूलों की वर्षा में नहाई जया सहाय, पूर्णिया ने बेटी का किया गौरवपूर्ण स्वागत

सफलता का यह उत्सव पूरे समाज की आस्था और अभिमान का बना प्रतीक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पूर्णिया की मिट्टी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब कोई बेटी ऊँचाई छूती है, तो पूरा समाज गर्व से सिर उठाता है। यूपीएससी में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली जया सहाय जब अपने गृह नगर लौटीं, तो स्वागत का नजारा किसी विजय जुलूस से कम नहीं था। फूलों की वर्षा, मिठाईयों की मिठास और ढोल-नगाड़ों की गूंज ने माहौल को उत्सव में बदल दिया।

गुवाहाटी से कटिहार पहुंचते ही चित्रगुप्त परिषद के अध्यक्ष प्रफुल्ल रंजन वर्मा ने उन्हें चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद पूर्णिया में उनके आगमन पर समाज के प्रबुद्धजन, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा वर्ग उमड़ पड़ा। जया सहाय के घर पहुंचे अधिवक्ता गौतम वर्मा, अनुज चंद, दीपक वर्मा, बबलू सहाय, मनीष कुमार और राजू सिन्हा जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें 'पूर्णिया की शान' बताते हुए मिठाई खिलाई और सम्मान का प्रतीक स्वरूप पुष्पमालाएं अर्पित कीं। पूरा वातावरण गर्व, प्रेरणा और उल्लास से भर उठा। जया सहाय के माता-पिता,- मृत्युंजय सहाय, जो बैंक से सेवानिवृत्त पदाधिकारी हैं, और माता सुमन सहाय, जो उनकी प्रेरणास्त्रोत हैं — अपनी बेटी की सफलता से अभिभूत दिखे। जया सहाय के दादा स्वर्गीय विश्वनाथ सहाय की प्रतिष्ठा और परिवार की शिक्षा-संस्कार परंपरा ने इस सफलता की नींव रखी। स्वागत में शामिल लोगों का कहना था कि यह केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि पूरे समाज की जीत है। समाजसेवी सह अधिवक्ता गौतम वर्मा ने कहा, 'जया सहाय ने पूर्णिया को गौरव का प्रतीक बना दिया है — यह दिखाती हैं कि मेहनत और नैतिकता से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है।' आचार संहिता समाप्त होने के बाद जया सहाय के सम्मान में एक भव्य सार्वजनिक समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज उन्हें 'पूर्णिया की गौरवशाली बेटी' के रूप में सम्मानित करेगा। यह स्वागत केवल सम्मान नहीं था, बल्कि एक संदेश भी — कि पूर्णिया की धरती पर प्रतिभा को सम्मान मिलता है, और बेटियाँ अब सिर्फ घर की नहीं, बल्कि पूरे समाज की पहचान बन चुकी हैं।

रंगोली गीत और संवाद में गूंजा लोकतंत्र का स्वर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

के नगर /पूर्णिया। केनगर प्रखंड क्षेत्र में स्वीप कोषांग के माध्यम से मतदाता जागरूकता का अभियान निरंतर गति पकड़ रहा है। विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर अधिकाधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों और नगर क्षेत्रों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जगनी पंचायत के जयकृष्णपुर कटहा गाँव स्थित महादलित बस्ती के मतदान केन्द्र संख्याझ245 और नगर पंचायत चम्पानगर के प्राणपट्टी पूरब भाग के मतदान केन्द्र संख्याझ2 पर बुधवार को एक आकर्षक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केनगर की बीसीएम कंचन कुमारी ने किया। आशा फेसिलिटेटर और आशा कर्मियों ने इस अवसर पर गीत, संगीत और रंगोली के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। मंचन और संवादों के जरिए कलाकारों ने मतदाताओं को बताया कि एक वोट की कीमत कितनी बड़ी होती है — यही एक मत लोकतंत्र की दिशा और दशा तय करता है। बीसीएम कंचन कुमारी ने उपस्थित लोगों से मतदान दिवस पर निडर होकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता का सक्रिय योगदान ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने मतदान दिवस पर शत-प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया और लोकतंत्र के इस पर्व को उत्सव की तरह मनाने का आह्वान किया।

लिकर इंडस्ट्री की चेतावनी

10 नवंबर तक बकाया क्लियर करो नहीं तो पार्टी बिगड़ेगी

हैदराबाद, एजेंसी। लिकर उद्योग इस समय अजीब पसोपेस में है। एक तरफ क्रिसमस और न्यू ईयर का फेस्टिवल सीजन आ रहा है। उस वक्त शराब की मांग बढ़ जाती है। लेकिन दूसरी तरफ इंडस्ट्री उस समय सप्लाई थामने की बात कर रहे हैं। जी हां, यह हालत तेलंगाना में आने वाली है। राज्य सरकार पर शराब उद्योग के करीब 3,000 करोड़ रुपये का बकाया है। वे सरकार से बकाये का भुगतान करने को कह रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं रहा है। इसलिए शराब

उद्योग ने चेतावनी दी है कि यदि 10 नवंबर तक भुगतान नहीं किया गया तो त्योहारी सीजन के दौरान आपूर्ति में गंभीर कमी आ सकती है। मतलब क्रिसमस और न्यू ईयर की पार्टी बिगड़ सकती है।

सरकार के पास पैसे की क्या कमी?

उद्योग संघों का कहना है कि सरकार ने बीते अक्टूबर में ही शराब के नए खुदरा लाइसेंस जारी किए हैं। इस मद में सरकार को आवेदन शुल्क से ही 3,000 करोड़ रुपये मिले हैं। लिकर इंडस्ट्री का कहना है कि इस राशि का उपयोग लंबित बिलों के निपटान के लिए किया जाए। संघों ने कहा पर्याप्त शुल्क एकत्र करने और अक्टूबर में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करने के बावजूद, पिछले चार महीनों के औसत की तुलना में आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है।

टाटा को मिलेगी 11,000 करोड़ से पावर, शुरू करेगी बड़ा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर कंपनी महाराष्ट्र के पुणे में शिरवटा में एक बड़ा पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाने जा रही है। इस प्रोजेक्ट में कंपनी 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह जानकारी टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि शिरवटा प्रोजेक्ट का काम अगले साल जुलाई में शुरू होगा। इसे पूरा होने में पांच साल लगेंगे। उन्होंने कहा, हम 11,000 करोड़ रुपये

का निवेश करेंगे और इसका फाइनेंसिंग 70-30 के डेट-इक्विटी रेशियो से होगा। पिछले साल टाटा पावर और महाराष्ट्र सरकार के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत राज्य में दो बड़े पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट बनाए जाएंगे, जिनकी कुल क्षमता 2800 मेगावाट होगी। इनमें से एक प्रोजेक्ट पुणे के शिरवटा में 1800 मेगावाटका होगा और दूसरा रायगढ़ के भिवपुरी में 1000 मेगावाटका। यह प्रोजेक्ट टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी द्वारा विकसित किया जा रहा है और वर्तमान में उसी के स्वामित्व में है। भिवपुरी प्रोजेक्ट के बारे में टाटा पावर ने बताया कि वे अभी कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों से बात कर रहे हैं। अगले छह महीनों में उन्हें इस प्रोजेक्ट से जोड़ा जाएगा।

भारत, चीन, तुर्की... तीनों देशों ने लिया ऐसा फैसला कि रूस को होने लगा नुकसान

ट्रंप का आदेश बना मजबूरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस से समुद्र के रास्ते कच्चे तेल की सप्लाई में भारी गिरावट आई है। यह गिरावट जनवरी 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि अमेरिका की नई पाबंदियों के चलते बड़े खरीदार (चीन, भारत और तुर्की) रूसी तेल से कतरा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल कंपनियों पर बैन लगाया है। इसके चलते जहाजों पर माल चढ़ाने से ज्यादा असर माल उतारने पर पड़ा है, जिसकी वजह से समुद्र में तेल का भंडार बढ़ता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के जहाज-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक 2 नवंबर तक पिछले चार हफ्तों में रूस के बंदरगाहों से हर दिन औसतन 35.8 लाख बैरल तेल निकला। यह 26 अक्टूबर तक के पिछले चार हफ्तों के संशोधित आंकड़े से करीब 1.9 लाख बैरल कम है। चार हफ्तों का औसत और हफ्ते भर के आंकड़े भी गिरे हैं। इस गिरावट से रूसी तेल से होने वाली कमाई में भी कमी आई है। यह अगस्त के बाद सबसे कम है। यह सब रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ कारोबार पर अमेरिका की

● **समुद्र में बढ़ गया रूसी तेल-** रूसी एक्सपोर्टर अभी भी टैंकरों में कच्चा तेल भर रहे हैं, लेकिन रिफाइनर उसे अपने स्टोरेज टैंकों में लेने के लिए कम इच्छुक हैं। इसकी वजह से समुद्र में रूसी कच्चे तेल की मात्रा बढ़कर 38 करोड़ बैरल से ज्यादा हो गई है।

पाबंदियों के बाद हुआ है। ट्रंप के आदेश के बाद भारत समेत कई देशों ने रूसी तेल खरीदना कम कर दिया है। ये देश उम्मीद कर रहे हैं कि ऐसा करने से शायद ट्रंप टैरिफ में कटौती कर दें।

रूस को होने लगा नुकसान

तेल की बिक्री में गिरावट आने से रूस को नुकसान होने लगा है। चार हफ्तों के औसत के हिसाब से रूस के निर्यात का कुल मूल्य 2 नवंबर तक के 28 दिनों में हर हफ्ते करीब 9 करोड़ डॉलर घटकर 1.36 अरब डॉलर रह गया। इसमें निर्यात की मात्रा और कीमतें दोनों गिरीं।

तीनों देशों पर क्या असर?

चीन, भारत और तुर्की के रिफाइनर (तेल साफ करने वाली कंपनियां) पाबंदियों वाले तेल के कार्गो खरीदना फिलहाल रोक रहे हैं और वैकल्पिक सप्लाई ढूंढ रहे हैं। भारत, चीन और तुर्की मिलकर रूस के समुद्र के रास्ते होने वाले कुल कच्चे तेल निर्यात का 95 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा खरीदते हैं। इसलिए, अगर वे अपनी खरीद में थोड़ी भी कमी करते हैं, तो उसकी भरपाई करना लगभग नामुमकिन होगा। ट्रंप के आदेश का तीनों देशों पर यह असर पड़ा-

भारत के कई बड़े तेल रिफाइनर, जो हर दिन करीब 10 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीद रहे थे, फिलहाल खरीद रोक रहे हैं। वे तब तक इंतजार कर रहे हैं जब तक कोई रास्ता नहीं निकल आता।

चीनी रिफाइनरें भी ऐसे ही कदम उठा रही हैं। सरकारी कंपनियों ने भी अमेरिकी पाबंदियों के बाद कुछ रूसी कार्गो रद्द कर दिए हैं।

तुर्की के रिफाइनर, जो रूस से तीसरा सबसे बड़ा खरीदार है, उन्होंने भी खरीद कम कर दी है। वे इराक, लीबिया, सऊदी अरब और कजाकिस्तान जैसे छोटे और करीब के सप्लायरों से वैकल्पिक सप्लाई ढूंढ रहे हैं।

जेफ बेजोस की एक्स-वाइफ ने यूनिवर्सिटी को दिया 700 करोड़ से अधिक का दान

नई दिल्ली, एजेंसी। बिलियनेयर परोपकारी और जेफ बेजोस की पूर्व प प्रतिशती, मैकेंजी स्कॉट ने हॉवर्ड यूनिवर्सिटी को 80 मिलियन डॉलर (लगभग 709 करोड़ रुपये) दान दिए हैं। यह विश्वविद्यालय के 158 साल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा दानों में से एक है। यह दान बिना किसी शर्त के दिया गया है, जिसका मतलब है कि विश्वविद्यालय इन फंड्स को अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने के लिए स्वतंत्र है। 80 मिलियन डॉलर में से 63 मिलियन डॉलर विश्वविद्यालय के सामान्य संचालन पर

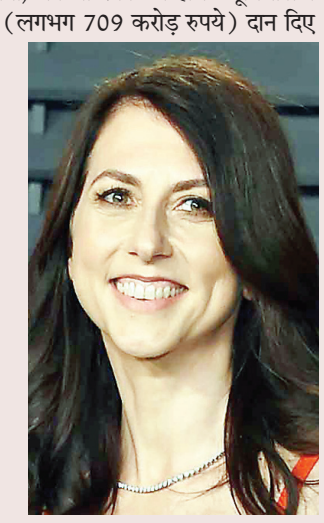

खर्च किए जाएंगे, जबकि 17 मिलियन डॉलर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज को सपोर्ट करेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक हॉवर्ड यूनिवर्सिटी के अंतरिम प्रेसीडेंट ने कहा कि यह ऐतिहासिक निवेश न केवल विश्वविद्यालय की वर्तमान प्रगति को बनाए रखने में मदद करेगा, बल्कि छात्र सहायता, इमारतों के सुधार और एक रिजर्व फंड बनाने में भी सहायता करेगा। विश्वविद्यालय ने यह भी बताया कि यह दान एक सही समय पर आया है, क्योंकि अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण हॉवर्ड को मिलने वाली वार्षिक फंडिंग में देरी हुई है।

सिर्फ 7,000 रुपये से अब 2 करोड़ का टारगेट

बैंक की नौकरी छोड़ने के बाद किया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के थेनी जिले में एक छोटे से शहर बोडी में पली-बढ़ीं नित्या राजपंडी ने कमाल कर दिया है। दादा-दादी से मिले पारंपरिक ज्ञान को उन्होंने सफल व्यवसाय में बदला है। बचपन से वह बेसन, गुलाब की पंखुड़ियों और जड़ी-बूटियों से बने होममेड बाथ पाउडर के इस्तेमाल को देखती बड़ी हुई थीं। जब उन्होंने देखा कि व्यस्तता के कारण यह पारंपरिक ज्ञान अगली पीढ़ी तक नहीं पहुंच रहा है और बाजार केमिकल वाले उत्पादों से भरा है तो उन्होंने कुछ करने का फैसला किया। सिर्फ 7,000 रुपये के मामूली निवेश के साथ नित्या और उनके पति राजपंडी ने 2018 में अकाथिया नेचुरल की शुरुआत की। उनका मकसद था- पारंपरिक नुस्खों को आधुनिक बाजार के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित और प्रामाणिक बनाना। यह सफर किचन से शुरू हुआ। आज यह एक लाइसेंस्ड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तक पहुंच गया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पादों का निर्यात करती है। आइए, यहां नित्या राजपंडी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

दादा-दादी से सीखा नुस्खा

तमिलनाडु के बोडी शहर में पली-बढ़ीं नित्या राजपंडी ने बचपन में अपने दादा-दादी को बेसन, गुलाब की पंखुड़ियों और जड़ी-बूटियों से प्राकृतिक स्नान और बालों के उपचार के लिए उत्पाद बनाते देखा था। जब वह काम और पढ़ाई के लिए घर से दूर हुईं तो इन होममेड उत्पादों पर निर्भर रहीं। वह बैंक में नौकरी करती थीं। नित्या ने देखा कि बाजार केमिकल युक्त उत्पादों से भरा है जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। शादी नित्या के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उनके पति राजपंडी, जो मैकेनिकल इंजीनियर थे, ऑर्गेनिक वेलनेस में रुचि रखते थे। बिजनेस की समझ रखने वाले राजपंडी ने होटल में लक्जरी ब्रांडों के हस्तनिर्मित उत्पादों को देखकर महसूस किया कि नित्या के पास बेहतर गुणवत्ता और प्रामाणिकता वाला उत्पाद बनाने का पारंपरिक ज्ञान है।

सिर्फ 7000 रुपये से शुरू किया काम - इसने कपल को सोचने पर मजबूर कर दिया। होटल के अधिकारियों से उन्हें प्रतिक्रिया मिली कि सिर्फ क्वालिटी ही नहीं, बल्कि ब्रांडिंग और मानक जांच भी जरूरी है। इसी विचार के साथ 2018 में अकाथिया नेचुरल का जन्म हुआ। उनका उद्देश्य पारंपरिक त्वचा और बालों की देखभाल के तरीकों को आज के उपभोक्ताओं के लिए सुविधाजनक और सुलभ बनाना था। उन्होंने 7,000 रुपये की पूंजी से काम शुरू किया। इसकी शुरुआत घर की रसोई से हुई। उन्होंने पारंपरिक पाउडर को साबुन में बदल दिया। नित्या ने महसूस किया कि लोगों के पास अब लेप लगाने का समय नहीं है। पहला बैच सफल रहा। इसके बाद उन्होंने बालों के लिए पारंपरिक अराप्पू पाउडर को प्राकृतिक शैंपू और कंडीशनर के रूप में ब्रांड किया। इस उत्पाद ने उन्हें ऑनलाइन बाजार में पहचान दिलाई। उनका विस्तार शुरू हुआ।

बन चुकी है उत्पादों की लंबी रेंज - उत्पादों की क्वालिटी से प्रभावित एक अमेरिकी ग्राहक ने नित्या के प्रोडक्टों को थोक में खरीदना शुरू किया।

महंगे वैल्यूएशन की तोहमत के बावजूद निवेशकों ने भर कर प्यार लुटाया लेंसकार्ट के आईपीओ पर

मुंबई, एजेंसी। चश्मे बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस का 7,278 करोड़ रुपये का आईपीओ पर निवेशकों ने भर कर प्यार लुटाया। बीते मंगलवार को इसमें बोली लगाने का आखिरी दिन था। उस दिन शाम सात बजे तक यह 28.26 गुना सब्सक्राइब हुआ।

281 करोड़ से ज्यादा शेयरों के लिए मिली बोली- शाम 7 बजे तक के मिले आंकड़ों के अनुसार निवेशकों ने इस आईपीओ में काफी दिलचस्पी दिखाई है। पहले इसका वैल्यूएशन (मूल्यांकन) काफी महंगा बताया जा रहा था। इसलिए शुरुआती दिन इसमें कोई उल्लेखनीय निवेश नहीं हुआ था। लेकिन अंतिम दिन कुल मिलाकर, 281.88 करोड़ शेयरों के लिए निवेशकों ने बोली लगाई। हालांकि कंपनी ने 9.98 करोड़ शेयर ही आईपीओ के जरिए बेच रहे थे।

आईवियर रिटेलर के इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 40.35 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 18.23 गुना और रिटेल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 7.54 गुना सब्सक्राइब हुआ। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा 4.96 गुना सब्सक्राइब हुआ। लेंसकार्ट ने बीते सप्ताह गुरुवार को एंकर इन्वेस्टर्स से 3,268 करोड़ रुपये जुटाए थे।

निवेशकों का उत्साह दिखा- सैमको सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अपूर्व सेठ ने कहा, आईपीओ से पहले राधाकिशन दमानी जैसे बड़े निवेशकों और कई टॉप म्यूचुअल फंड्स का निवेश लेंसकार्ट आईपीओ के प्रति सेंटीमेंट (भावना) को बढ़ाने वाला लगता है। उन्होंने आगे कहा, इतनी मजबूत सब्सक्रिप्शन संख्याएं साफ तौर पर निवेशकों के उत्साह को दर्शाती हैं, भले ही यह इश्यू महंगा लग रहा हो।

क्या था शेयर का दाम

यह आईपीओ बीते शुक्रवार को पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इसका प्राइस बैंड 382 से 402 प्रति शेयर तय किया गया था। इस ऑफर में 2,150 करोड़ का फ्रेश इश्यू (नया इश्यू) और 5,128.02 करोड़ का ह्स्नर (ऑफर फॉर सेल) शामिल था।

क्या है जीएमपी- लेंसकार्ट के शेयरों के लिए ग्रे मार्केट में प्रीमियम घट रहा है। बुधवार की सुबह इसके लिए 39 रुपये या 9.70 फीसदी प्रीमियम कोट किया जा रहा था। पहले इसका प्रीमियम 14 फीसदी तक गया था। ग्रे मार्केट प्रीमियम वह अतिरिक्त राशि है जो निवेशक किसी आईपीओ के शेयर के लिए अनौपचारिक बाजार में देने को तैयार रहते हैं, इससे पहले कि शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हों।

अमिताभ बच्चन ने बेचे अपने 2 लग्जरी फ्लैट, कमाया बंपर रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने मुंबई के गोरेगांव में स्थित अपने दो लग्जरी फ्लैट्स बेचे हैं। इनका सौदा 12 करोड़ रुपये में हुआ है। यह जानकारी प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स से सामने आई है। अमिताभ बच्चन ने ये फ्लैट्स साल 2012 में 8.12 करोड़ रुपये में खरीदे थे। इस तरह पिछले 13 सालों में उन्हें करीब 47 प्रतिशत का बंपर मुनाफा हुआ है। ये दोनों फ्लैट्स गोरेगांव ईस्ट के ओबेरॉय एक्सक्विजिट बिल्डिंग की 47वीं मंजिल पर थे। पहले फ्लैट को आशा ईश्वर शुक्ला ने 6 करोड़ रुपये में खरीदा। इस पर 30 लाख रुपये की स्टैंप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस लगी। यह डील 31 अक्टूबर 2025 को रजिस्टर हुई। दूसरे फ्लैट को ममता सूरजदेव शुक्ला ने भी 6 करोड़ रुपये में खरीदा। इस पर भी उतनी ही स्टैंप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस लगी। यह सौदा 1 नवंबर 2025 को रजिस्टर हुआ। दोनों फ्लैट्स के साथ चार कार पार्किंग स्पेस भी बेचे गए हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमिताभ बच्चन ने प्रॉपर्टी बेची है। इससे पहले जनवरी 2025 में उन्होंने मुंबई के अंधेरी इलाके में अपना एक डुप्लेक्स अपार्टमेंट 83 करोड़ रुपये में बेचा था।

टेक्नोलॉजी सेक्टर में भूकंप

टॉप-10 अरबपतियों के अरबों डॉलर डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में मंगलवार को आई गिरावट का असर टॉप-10 अरबपतियों की संपत्ति पर साफ नजर आया। अमेरिकी टेक्नोलॉजी उद्योग के दिग्गजों में एलन मस्क की संपत्ति में सबसे बड़ा झटका लगा, जो एक दिन में 17.5 अरब डॉलर की भारी गिरावट के साथ 460 अरब डॉलर पर सिमट गई। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर मंगलवार को 5 फीसद से अधिक लुढ़के। लैरी एलिसन, जेफ बेजोस, लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन जैसे सैन फ्रांसिस्को के बड़े नामों ने भी अरबों डॉलर गंवाए। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक लैरी एलिसन की संपत्ति में मंगलवार को 11 अरब डॉलर की सेंध लगी। दुनिया के दूसरे सबसे रईस इस शख्स के पास अब 308 अरब डॉलर की संपत्ति रह गई है। जेफ बेजोस की संपत्ति 4.11 अरब डॉलर घटकर 270 अरब डॉलर पर सिमट गई है।

टॉप-10 अरबपतियों की संपत्ति

फ्रांस के लग्जरी ब्रांड के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार में आई अस्थिरता और तकनीकी उद्योग के कुछ सेक्टर्स में दबाव के कारण यह संपत्ति में कमी आई है। फिर भी, इन अरबपतियों की सालाना वृद्धि में अभी भी मजबूती बनी हुई है, जो यह दर्शाती है कि लंबी अवधि में टेक्नोलॉजी सेक्टर की पकड़ मजबूत है। निवेशकों के लिए यह एक चेतावनी के साथ-साथ अवसर भी लेकर आया है।

200 अरब डॉलर क्लब पर अमेरिकी टेक दिग्गजों का कब्जा

दुनिया के 500 से अधिक अरबपतियों में केवल 6 ही 200 अरब डॉलर क्लब में हैं। ये छह के छह अरबपति अमेरिका के हैं और टेक सेक्टर के दिग्गज हैं।

कोई भी व्यक्ति संस्थान से बड़ा नहीं...

मेहली मिस्त्री ने टाटा ट्रस्ट से अलग होने का किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट में मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी पद को लेकर चल रही अटकलों पर मंगलवार को विराम लग गया। सूत्रों के मुताबिक, मेहली मिस्त्री ने आधिकारिक रूप से टाटा समूह से अलग होने का फैसला कर लिया है। टस्ट्र के सदस्यों को लिखे पत्र में मिस्त्री ने लिखा कि कोई भी व्यक्ति उस संस्थान से बड़ा नहीं है जिसकी वह सेवा करता है। मिस्त्री ने टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों को लिखे पत्र में तीन प्रमुख ट्रस्टों सर रतन टाटा, सर दोराबजी टाटा और बाई हीराबाई जे.एन. टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में पद छोड़ने की घोषणा की है।

मेहली मिस्त्री ने पत्र में लिखा कि, ट्रस्टी के रूप में सेवा करना उनके लिए सौभाग्य रहा है। यह अवसर उन्हें दिवंगत रतन एन टाटा के व्यक्तिगत समर्थन से मिला, जिन्हें उन्होंने

अपना सबसे प्रिय मित्र और मार्गदर्शक बताया। मुंबई लौटने पर मुझे मेरे ट्रस्टीत्व से जुड़ी हालिया रिपोर्टिंग के बारे में पता चला। ऐसे में मेरा पत्र ऐसी अटकलों पर विराम लगाने में सहायक होगा जो टाटा ट्रस्ट के हितों की पूर्ति नहीं करतीं और उसके दृष्टिकोण के विपरीत हैं।

मिस्त्री ने लिखा, टाटा ट्रस्ट के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए मैं नैतिक शासन, शांत परोपकार और सर्वोच्च निष्ठा के उनके दृष्टिकोण से प्रेरित रहा हूं। मिस्त्री ने बताया, मैंने 28 अक्तूबर, 2025 तक ट्रस्टी के रूप में कार्य किया है।

● **कोई भी व्यक्ति उस संस्थान से बड़ा नहीं है-** मिस्त्री ने लिखा, इस तरह के मामलों को आगे बढ़ाने से टाटा ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति होगी। इसलिए, रतन टाटा की भावना का सम्मान करते हुए, जिन्होंने हमेशा जनहित को अपने हित से ऊपर रखा है, मुझे उम्मीद है कि आगे चलकर अन्य ट्रस्टियों के कार्य पारदर्शिता, सुशासन और जनहित के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होंगे। उन्होंने अपने पत्र का समापन रतन टाटा के एक उद्धरण के साथ किया, कोई भी व्यक्ति उस संस्थान से बड़ा नहीं है जिसकी वह सेवा करता है।

● **मिस्त्री का ट्रस्टी के रूप में अक्तूबर में खत्म हुआ कार्यकाल-** मिस्त्री का इस साल 27 अक्तूबर को टाटा ट्रस्ट में ट्रस्टी के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया। पिछले साल 17 अक्तूबर को टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी बोर्ड के प्रस्ताव के मुताबिक, मिस्त्री को आजीवन ट्रस्टी के रूप में फिर से नियुक्त किया जाना था। हालांकि, उनकी दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली क्योंकि दो प्रमुख ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट में तीन ट्रस्टी ने इसका विरोध किया।

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया वर्तिका सिंह की फिल्म हक जल्द होगी रिलीज

बॉलीवुड में नई फिल्मों के आने की खबरें हमेशा ही दर्शकों के लिए उत्साह बढ़ा देती हैं, खासकर जब कोई नई प्रतिभा इंडस्ट्री में कदम रख रही हो। इस बार बॉलीवुड में पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया वर्तिका सिंह कदम रखने जा रही हैं। मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिताओं के अनुभव के बाद अब वह अभिनय की दुनिया में अपना जादू दिखाने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म हक है, जो सिर्फ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि सामाजिक मुद्दों और न्याय से जुड़ी कहानी भी पेश करती है। वर्तिका का कहना है कि फिल्म की कहानी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से छुआ है और उन्होंने इसे अपने अंदर गहराई से महसूस किया। वर्तिका सिंह ने इंटरव्यू में कहा, फिल्म हक की कहानी ने मेरे भीतर की भावनाओं को झकझोर दिया। इस फिल्म की तैयारी के दौरान मुझे खुद के कई पहलुओं को समझने का मौका मिला, जो मुझे कभी पता ही नहीं थे।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा उन्हें ईमानदारी और संवेदनशीलता के नए आयामों से रूबरू कराती रही। वर्तिका ने जंगली पिक्चर्स का भी धन्यवाद किया और कहा, मुझ पर भरोसा करने और इस महत्वपूर्ण अवसर से जोड़ने के लिए धन्यवाद। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शकों पर फिल्म का प्रभाव उतना ही गहरा होगा, जितना इसका मुझ पर हुआ है। अपने किरदार को लेकर वर्तिका ने कहा कि उनका रोल किसी चुनौती से कम नहीं था। उन्होंने अपने किरदार में डूबने के लिए कई हफ्तों तक वर्कशॉप में हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने भावनात्मक तकनीकों का अभ्यास किया ताकि अपने किरदार की भावनाओं को भीतर से महसूस कर सकें। फिल्म के कुछ हिस्से उनके गृह नगर लखनऊ में फिल्माए गए, जिससे उनके अनुभव में और भी व्यक्तिगत जुड़ाव आया।

बता दें कि हक फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है और इसमें वर्तिका सिंह के अलावा इमरान हाशमी और यामी गौतम लीड रोल में हैं। इमरान हाशमी एक तेज और दृढ़ वकील की भूमिका में हैं। वहीं यामी गौतम भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म एक कोर्टरूम ड्रामा है और इसकी कहानी सुप्रीम कोर्ट के प्रसिद्ध मामले मो. अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम से प्रेरित है।

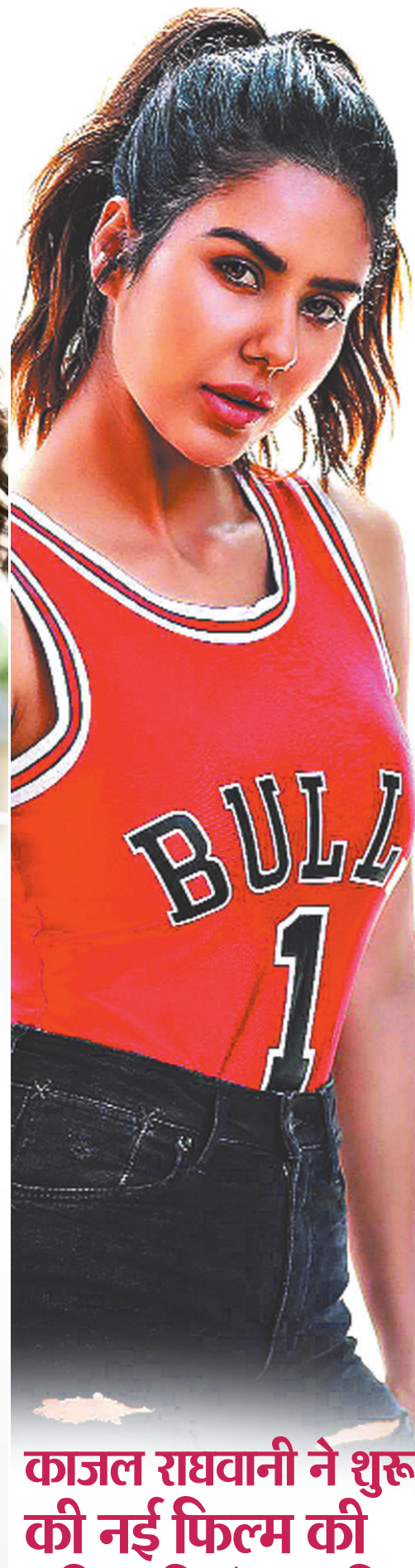

काजल राघवानी ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, दिखेगा भक्ति और आस्था का मिलन

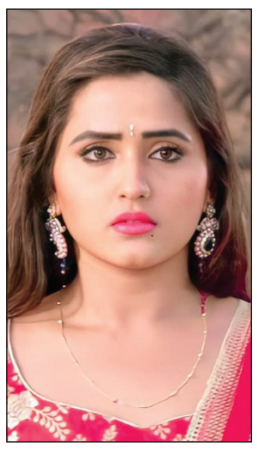

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस काजल राघवानी फिल्मों और गानों में सक्रिय हैं। काजल का लेटेस्ट रिलीज गाना पायल घुंघरू वाला 3 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है। अब काजल ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और फिल्म का नाम भी फैंस के सामने रिवील कर दिया है। काजल राघवानी ने सोशल मीडिया अपडेट किया है और नई फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर की है। फोटो में एक्ट्रेस हाथ में फिल्म का बोर्ड लिए खड़ी है, जिस पर लिखा है आस्था छठी मईया। काजल की अपकमिंग फिल्म में उनका लुक काफी सिंपल है। फोटो में वे सिंपल प्रिंटेड साड़ी और मिनिमल मेकअप लुक में दिख रही हैं। फैंस भी काजल को उनकी नई फिल्म के लिए दिल से बधाई दे रहे हैं। छठ पर्व के मौके पर काजल राघवानी का छठ गीत दुख सुनी दीनानाथ भी रिलीज हुआ था। गीत को सिंगर सृष्टि भारती की आवाज ने भक्ति से भर दिया।

लोकप्रियता को लेकर सोनम बाजवा ने जाहिर की अपनी राय

मुंबई। पंजाबी और हिंदी दोनों फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने करियर को लेकर हमेशा जमीन से जुड़ी नजर आती हैं। भले ही सोनम आज अपनी लोकप्रियता के चरम पर हों, लेकिन वह खुद इसे पूर्ण सफलता नहीं मानती। वह हमेशा अपनी उपलब्धियों के लिए ईश्वर का धन्यवाद करती हैं। सोनम बाजवा ने अपनी फिल्मी यात्रा और अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बातचीत की। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया है। उनके लिए हर दिन मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाब की बात करूं, तो मैंने वहां बहुत सारी फिल्में की हैं। लेकिन हर फिल्म से पहले, मैं उतनी ही उत्साहित होती हूं जितनी साथ ही साथ नर्वस भी होती हूँ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाबी इंडस्ट्री की बात करूं, तो मैंने बहुत सारी फिल्मों में काम किया है, लेकिन हर नई फिल्म से पहले मेरा उतना ही उत्साह होता है जितना मैं नर्वस महसूस करती हूं। उत्साह और नर्वसनेस दोनों ही मेरे काम का हिस्सा हैं और यह मुझे अपने काम को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। सोनम ने बताया कि वह हमेशा सोचती रहती हैं कि कैसे वह अपने काम को और अच्छा बना सकती हैं, कैसे किसी फिल्म को और सफल बना सकती हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नई चुनौती होती है और इसे सफल बनाने की कोशिश मेरे काम का अभिन्न हिस्सा है। केवल लोकप्रियता या प्रशंसा से सफलता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। असली सफलता तब है जब मैं खुद अपने काम से संतुष्ट हूं और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहूं।

हर नई भूमिका मेरे लिए एक चुनौती होती है

सोनम बाजवा ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि लोग मुझे कैसे देखते हैं, लेकिन मैं अपने काम में काफी आत्मविश्वासी हूं। फिर भी, हमेशा लगता है कि मैं और बेहतर कर सकती थी। हर नई भूमिका मेरे लिए एक चुनौती होती है और मैं इसे पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाती हूं। नर्वसनेस और उत्साह मुझे लगातार प्रेरित करते हैं। इसी वजह से मैं कभी भी नहीं मानती कि मैंने पूर्ण सफलता हासिल कर ली है। अपने करियर को लेकर सोनम का मानना है कि उन्हें जो कुछ भी मिला है, वह उनकी मेहनत के साथ-साथ ईश्वर की कृपा का भी परिणाम है। अभिनेत्री कहती हैं कि वह हर कदम पर शुक्रगुजार रहती हैं और अपने काम को और बेहतर बनाने की कोशिश करती रहती हैं।

सिंगल सलमा को सीमित स्क्रीन मिलने से हुमा कुरैशी का टूटा दिल, समान अवसर की उठाई मांग

भारत का फिल्म उद्योग काफी बड़ा है। यहां हर हफ्ते कई भाषाओं में नई फिल्में रिलीज होती हैं। कुछ फिल्में बड़े बजट और मशहूर सितारों के साथ आती हैं। कुछ छोटी और कहानी प्रधान फिल्में सीमित संसाधनों के साथ बनाई जाती हैं। इन छोटी फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती होती है, थिएटर में जगह मिलना। बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टार से सजी फिल्मों के बीच, इन फिल्मों को अक्सर सीमित स्क्रीन और कम शो टाइम मिलते हैं। यही वजह है कि कई बार अच्छी कहानी होने के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई, जब उनकी फिल्म सिंगल सलमा को देशभर में बहुत सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया। हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म को पर्याप्त थिएटर नहीं मिल पाए। उन्होंने लिखा, सिंगल सलमा जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं, न ही करोड़ों रुपए का मार्केटिंग बजट। ऐसी स्थिति में इन फिल्मों को थिएटरों में अपनी जगह बनाना और दर्शकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। आज भी सिस्टम उन फिल्मों को प्राथमिकता देता है जो पहले से ही सुरक्षित मानी जाती हैं, यानी बड़ी बजट और स्टार वाली फिल्में। इंडस्ट्री को एक संतुलित व्यवस्था की जरूरत है, जहां हर फिल्म, चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे समान अवसर मिले। हुमा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा शुरू कर दी। देश के कई शहरों जैसे लखनऊ, पटना, दिल्ली और कोलकाता के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया। लोगों ने थिएटर मालिकों से अपील की कि सिंगल सलमा के शो बढ़ाए जाएं ताकि ज्यादा दर्शक इसे देख सकें। कई दर्शकों ने अपने टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट शेयर किए, जिनमें दिख रहा है कि फिल्म के शो या तो हाउसफुल हैं या उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि लोग फिल्म देखना चाहते हैं, लेकिन स्क्रीन की कमी के कारण मौका नहीं मिल पा रहा। हुमा के बयान ने फिल्म इंडस्ट्री के भीतर भी एक अहम चर्चा को जन्म दिया है। कई लोग मानते हैं कि थिएटरों में फिल्मों के वितरण को लेकर एक संतुलित और न्यायपूर्ण सिस्टम की सख्त जरूरत है। बड़ी फिल्मों को तो हमेशा पर्याप्त जगह मिल जाती है, लेकिन छोटी फिल्मों के लिए स्क्रीन मिलना किसी चुनौती से कम नहीं होता। अगर वितरण प्रक्रिया में सुधार हो जाए, तो कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ नए कलाकारों और निर्देशकों को फायदा होगा, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग और बेहतर कहानियां देखने को मिलेंगी।

टिस्का चोपड़ा के वो किरदार, जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर छोड़ी गहरी छाप

अभिनेत्री और निर्देशक टिस्का चोपड़ा खूबसूरती के साथ-साथ मजबूत किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने बहुत सारी फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है, लेकिन उनके कुछ किरदार ऐसे थे जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ दी। आज टिस्का चोपड़ा का जन्मदिन है। आइए टिस्का के बेमिसाल और यादगार किरदारों के बारे में जानते हैं। 2023 में आई हिट - द थर्ड केस एक तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसमें लीड रोल में सुपरस्टार नानी को देखा गया। फिल्म में उन्होंने एडीजीपी कर्णिका आहूजा का रोल प्ले किया था, जिसमें वो खौफनाक और हत्यारे गैंग को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस रोल में टिस्का की संजीदगी से भरी एक्टिंग को खूब पसंद किया गया था। 2022 में आई टीवी सीरीज दहन- रकन का रहस्य में आईएएस ऑफिसर अवनि राउत का किरदार निभाया था। अवनि राउत एक जिद्दी और अपने फर्ज को मानने वाली ऑफिसर हैं और विज्ञान पर यकीन करती हैं, लेकिन सुपरनेचुरल ताकतों से सामना होने के बाद उनका नजरिया बिल्कुल बदल जाता है। करीना कपूर और अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी फिल्म गुड न्यूज़ (2019) में टिस्का चोपड़ा ने फर्टिलिटी डॉक्टर डॉ. संध्या जोशी का रोल निभाया था। फिल्म में उनकी कॉमेडी टाइमिंग और ह्यूमर को काफी पसंद किया गया था, लेकिन फिल्म के आखिर में उनका किरदार बेहद संजीदा हो गया। 2015 में आई फिल्म रहस्य में टिस्का चोपड़ा ने आरती महाजन नाम की महिला का रोल प्ले किया है, जिन्हें अपनी ही बेटी के मर्डर केस में फंसाने की कोशिश की जाती है। इस फिल्म में टिस्का का अभिनय इतना जोरदार था कि उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। 2007 में आई फिल्म तारे जमीन पर ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में आमिर खान भी थे और टिस्का ने ईशान की मां माया अवस्थी का रोल प्ले किया था। फिल्म में एक्ट्रेस ने सामाजिक स्तर के दबाव और मानसिक बीमारी से जूझ रहे बच्चे के संघर्ष के बीच पुल बनने वाली मां का रोल प्ले किया, जो सभी मां के लिए प्रेरणादायक है।

संवेदनशील कहानियां मुझसे जुड़ती हैं, हक हर उस औरत की आवाज है जो न्याय चाहती है

एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपनी नई फिल्म 'हक' में शाजिया का मजबूत किरदार निभाया है। एक ऐसी महिला जो समाज और सिस्टम से अपने अधिकार और सच्चाई के लिए लड़ती है। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म शाह बानो केस से प्रेरित है, जिसने मुस्लिम पर्सनल लॉ, यूनिफॉर्म सिविल कोड और महिलाओं के अधिकारों पर देशभर में बड़ी बहस शुरू की थी। फिल्म में यामी सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक सोच और आवाज के रूप में नजर आती हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। हाल ही में इस फिल्म को लेकर यामी गौतम ने खास बातचीत की। पेश है कुछ प्रमुख अंश..

जब आपके पास इतनी संवेदनशील कहानी पहली बार आई, तो आपके मन में क्या चल रहा था?

जवाब- मैं हाईस्कूल में थी जब मैंने पहली बार अखबार में शाह बानो केस के बारे में पढ़ा था। उनका चेहरा और उनकी आंखों में दिखने वाला दर्द आज तक याद है। जब ये फिल्म मेरे पास आई, तो मैं उसी समय में लौट गई। स्क्रिप्ट पढ़ते ही लगा कि कहानी में गहराई और सच्चाई है। भले ही यह बायोपिक नहीं है, लेकिन किरदार की गरिमा बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी। हमने कोशिश की है कि यह फिल्म डॉक्यूमेंट्री जैसी न लगे, बल्कि एक ऐसी कमर्शियल फिल्म बने जो लोगों को सोचने पर मजबूर करे और उन्हें जोड़ भी सके।

आपकी फिल्मों में एक पैटर्न नजर आता है। 'उरी', 'आर्टिकल 370' और अब 'हक'। हर बार आप एक ऐसी औरत बनती हैं जो देश या समाज की आवाज बन जाती है। ये हिम्मत आपको कहां से मिलती है?

ये हिम्मत मेरे घर से आती है। मैं ऐसे परिवार से हूं जहां औरतें बहुत मजबूत हैं। मेरी मां और बहन से लेकर मेरे पिता और पति तक, सबने हमेशा मेरा साथ दिया है। कई बार हमें जोर से नहीं, बल्कि चुप रहकर लड़ना पड़ता है। अगर आप सच्चे हैं, तो लोग खुद-ब-खुद आपके साथ खड़े हो जाते हैं।

जब इस तरह के संवेदनशील विषयों पर फिल्में बनती हैं, तो इंडस्ट्री के कई लोग बचकर निकल जाते हैं। आप बार-बार ऐसे ही विषय क्यों चुनती हैं?

मैं जानबूझकर कोई विषय नहीं चुनती। जब कोई कहानी दिल को छूती है, तो मैं उसे मना नहीं कर पाती। दर्शकों से जो प्यार और हिम्मत मिलती है, वही मेरा सबसे बड़ा सहारा है। मेरे लिए फिल्म अच्छी या बुरी नहीं होती, बस सच्चे दिल से कही गई होनी चाहिए।

आपकी फिल्म 'हक' शाह बानो केस से प्रेरित है। क्या आपको लगता है कि आज भी महिलाओं को उनका पूरा हक नहीं मिला है?

जवाब- कई जगहों पर आज भी नहीं। हर बात कोर्ट तक नहीं जाती, बहुत से दर्द सिर्फ आंखों में नजर आते हैं। देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी जागरूकता की बहुत जरूरत है। फिल्म का संदेश यही है, अगर औरत की आवाज सच्ची है, तो उसे कोई दबा नहीं सकता।

फिल्म में शाजिया बानो का किरदार काफी भावनात्मक है। कोई ऐसा सीन जो आपको सबसे ज्यादा छू गया हो?

हां, फिल्म के अंत में करीब नौ-दस मिनट लंबा एक मोनोलॉग है। वह सीन मेरे लिए बहुत खास था, क्योंकि उस पल मैं सिर्फ शाजिया नहीं थी, बल्कि उन तमाम औरतों की आवाज बन गई थी जिन्होंने कभी न कभी अन्याय झेला है। मैंने वह सीन एक ही टेक में किया था, और आज भी उसे याद करके दिल भर आता है।

फिल्म में यूनिफॉर्म सिविल कोड और ट्रिपल तलाक जैसे मुद्दों पर बहस हो सकती है। आप इसे कैसे देखती हैं?

हमारा मकसद विवाद नहीं, बल्कि बातचीत शुरू करना है। अगर कोई फिल्म लोगों को सोचने और चर्चा करने पर मजबूर करे, तो वही सिनेमा का असली उद्देश्य है। हम चाहते हैं कि लोग फिल्म देखें, महसूस करें और उस पर खुलकर बात करें।

फिल्म में आपके साथ इमरान हाशमी और अन्य कलाकार भी हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत अच्छा अनुभव रहा। सभी कलाकार अपने काम के प्रति ईमानदार हैं। अच्छे कलाकारों के साथ काम करने से फिल्म और मजबूत बनती है। कहानी तभी असरदार लगती है जब हर किरदार सच्चाई से निभाया गया हो।

जोकोविच ने यूनान में टेनिस की वापसी पर जीत हासिल की

- WTA फाइनल्स में गॉफ ने पाओलिनी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया। नोवाक जोकोविच ने यूनान में 30 साल से भी अधिक समय के बाद किसी शीर्ष स्तर के टेनिस टूर्नामेंट की वापसी पर शुरू में संघर्ष करने के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल करके हेलेनिक

चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यूनान में 1994 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे एलीट स्तर के टूर्नामेंट के पहले दौर में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया। इस वर्ष की शुरुआत में अपने परिवार के साथ एथेंस में बसने वाले जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''एथेंस ने खेलना वास्तव में घर जैसा लगता है। यहां के लोग मेरे साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करते हैं जिसने वास्तव में मेरे दिल को छू लिया। गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उम्मीद जीवंत रखी गत चैंपियन कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। गॉफ को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में जेसिका पेगुला से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। उनका

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों बाबर आजम, सैम अयूब, और सलमान आगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। दूसरी ओर भारत के अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में

शीर्ष पर कायम हैं। रैंकिंग में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ियों ने भी शानदार सुधार किया है। पाकिस्तान के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए हाल की टी20 सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार रही। बाबर आजम नौ पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैम अयूब, जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, 10 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, सलमान आगा ने भी 10 पायदान की बढ़त के साथ 54वां स्थान हासिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जिससे टीम को टी20 फॉर्मेट में नई ऊर्जा मिली है।

भारतीय टीम की निरंतर सफलता

टीम इंडिया के लिए साल 2025 अब तक बेहद सफल रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पांच में से चार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाएँ जीती हैं, जिनमें सबसे ताजी जीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली।

सूर्यकुमार यादव ने एबी डिविलियर्स से मांगी मदद

करियर बचाने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स से अपने वनडे करियर को दोबारा संवारने में मदद मांगी है। 2023 विश्व कप के बाद से टीम इंडिया की 50 ओवर की टीम से बाहर चल रहे सूर्यकुमार ने माना कि वह वनडे और टी20 प्रारूपों के बीच सही संतुलन नहीं बना पाए। उन्होंने खुलकर कहा कि वह डिविलियर्स से मिलना चाहते हैं ताकि समझ सकें कि उन्होंने दोनों फॉर्मेट्स में किस तरह निरंतरता बनाए रखी। सूर्यकुमार ने एबी से सीधे अपील की कि 'कृपया मुझसे संपर्क करें, मुझे आपकी मदद चाहिए।'

वनडे करियर में निराशाजनक प्रदर्शन- सूर्यकुमार यादव ने अब तक भारत के लिए 37 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 25.76 की औसत से 773 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार अर्धशतक हैं, लेकिन कोई शतक नहीं। उनका वनडे करियर, खासकर 2023 विश्व कप के बाद, संघर्ष भरा रहा है। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी पारी बेहद धीमी रही, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से चयनकर्ताओं ने उन्हें वनडे फॉर्मेट से बाहर कर दिया। हालांकि टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार की छवि अब भी एक धमाकेदार बल्लेबाज़ की है, वनडे में वह उस सफलता को दोहरा नहीं पाए हैं।

डिविलियर्स से सीखने की इच्छा- हाल ही में पत्रकार विमल कुमार से बातचीत में सूर्यकुमार ने खुलासा किया कि वह जल्द ही एबी डिविलियर्स से मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने वनडे और टी20 के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा। मैंने वनडे को टी20 की तरह खेलने की कोशिश की, लेकिन वह तरीका काम नहीं आया।'

- **सोशल मीडिया पर एबी को सीधी अपील-** सूर्यकुमार ने बातचीत में मज़ाकिया लेकिन भावनात्मक लहजे में डिविलियर्स से सीधा संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, 'एबी, अगर आप यह सुन रहे हैं, तो कृपया मुझसे संपर्क करें। मेरे पास अब भी तीन-चार साल बचे हैं और मैं वनडे क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं टी20 और वनडे दोनों में संतुलन नहीं बना पाया। कृपया मेरी मदद करें!' उनकी यह अपील क्रिकेट फैंस के बीच वायरल हो गई, और कई लोगों ने इसे 'दिल से निकली सच्ची गुहार' बताया।
- **डिविलियर्स - सीमित ओवरों के उस्ताद-** एबी डिविलियर्स को आधुनिक युग के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 228 वनडे मैचों में 9577 रन बनाए, जिसमें 25 शतक शामिल हैं। वहीं 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 1672 रन जोड़े। डिविलियर्स की खासियत थी कि वह परिस्थितियों के अनुसार अपना खेल बदल लेते थे, कभी रक्षात्मक, तो कभी विस्फोटक। यही लचीलापन उन्हें दोनों फॉर्मेट में सफल बनाता था।
- **भविष्य की उम्मीदें-** सूर्यकुमार यादव वर्तमान में भारतीय टी20 टीम के कप्तान हैं और आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों में व्यस्त हैं। हालांकि, उनका सपना है कि वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बनें और अपने करियर के अंतिम वर्षों में भारत के लिए अहम योगदान दें। अगर एबी डिविलियर्स से उन्हें सही सलाह मिलती है, तो संभव है कि सूर्यकुमार अपने वनडे करियर को नई दिशा दें जैसे उन्होंने टी20 क्रिकेट में किया।

गर्व का अनुभव कर रहा हूं

नाइटहुड की उपाधि मिलने पर बोले डेविड बेकहम

बर्कशायर, एजेंसी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम को खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए मंगलवार को विंडसर कैसल में नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया। डेविड बेकहम ने सम्मानित होने के बाद कहा, मुझे अपने देश से प्यार है। सम्मान पाकर मैं गर्व का अनुभव कर रहा

हूं। पूर्व फुटबॉलर ने कहा, 'मेरे परिवार के लिए राजशाही बेहद महत्वपूर्ण है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे दुनिया भर में यात्राएं करने का मौका मिला है। मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझसे सिर्फ हमारी राजशाही के बारे में बात करना चाहते हैं। यह मेरे लिए गर्व का पल होता है। नाइटहुड की उपाधि एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जो किसी व्यक्ति को उसके असाधारण कार्यों और समाज में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दी जाती है। यह उपाधि यूनाइटेड किंगडम के सम्राट द्वारा दी जाती है।

उपाधि के बाद पुरुष को 'सर' कहकर संबोधित किया जाता है। बेकहम का नाम दुनिया के मशहूर, लोकप्रिय और सफलतम फुटबॉलर के रूप में लिया जाता है। लेकिन, खेल के अलावा भी बेकहम का कद बहुत बड़ा है। 2012 में लंदन को ओलंपिक की मेजबानी दिलाने में उनकी बड़ी भूमिका रही थी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके बड़े कद का एक ये भी कारण है। बेकहम 2005 से यूनिसेफ से जुड़े हुए हैं और दुनियाभर में सामाजिक कार्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। 2024 में, बेकहम किंग्स फाउंडेशन के राजदूत बन गए, और किंग चार्ल्स की शिक्षा और युवा कार्यक्रमों का समर्थन किया, जो युवाओं में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। व्यापार जगत में भी बेकहम सफल हैं। वह अपने पूर्व साथी गैरी नेविल के साथ लीग टू क्लब सैलफोर्ड सिटी के सह-मालिक भी हैं, और मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी के सह-मालिक भी हैं। बेकहम के फुटबॉल करियर पर नजर डालें तो इंग्लैंड के लिए 50 साल के बेकहम ने 1996 से 2009 के बीच 115 मैचों में 17 गोल किए। प्रोफेशनल करियर में बेकहम मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड, एसी मिलान और पेरिस सेंट-जर्मन के लिए खेले। कुल 523 मैचों में 97 गोल किए।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी बांह पर बनवाई विश्व कप ट्रॉफी की 'टैटू'

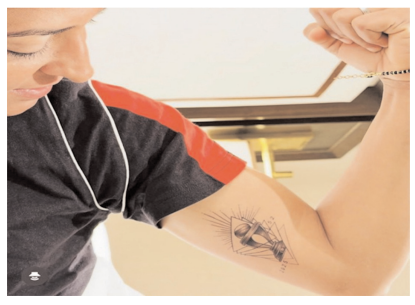

नई दिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को इतिहास रचते हुए अपना पहला विश्व कप जीता। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया। भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों के लिए 2 नवंबर का दिन उस सपने को जीना था जिसे वे और देशवासी वर्षों से देख रहे थे। खिलाड़ी अभी भी विश्व कप में मिली जीत के रोमांच से बाहर नहीं आ पाई हैं और पल-पल उसे जी रही हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तो अपनी बांह पर विश्व कप ट्रॉफी की टैटू ही बनवा ली है। हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप ट्रॉफी की टैटू के साथ ही अपनी बांह पर '2025' और '52' भी गुदवाया है। दरअसल, भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया था। भारतीय कप्तान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर नए टैटू की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'यह ट्रॉफी हमेशा के लिए मेरी त्वचा और दिल में बस गई है। पहले दिन से तुम्हारा इंतजार कर रही थी और अब मैं तुम्हें हर सुबह देखूंगी और आभारी रहूंगी।

फिडे वर्ल्ड कप: 'चेस के मेसी' 12 वर्षीय ओरो फाउस्टिनो का बड़ा कारनामा, विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली, एजेंसी। 'चेस के मेसी' नाम से मशहूर फाउस्टिनो ने एक बार फिर अपने असाधारण खेल से सबको चौंका दिया। पहले दौर में उन्होंने क्रोएशिया के आंटे ब्रकिक को हराकर सनसनी फैला दी थी। अब उन्होंने दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोक दिया। फिडे विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को 12 वर्षीय अर्जेंटीनी प्रतिभा ओरो फाउस्टिनो ने ड्रॉ पर रोक दिया। 'चेस के मेसी' नाम से मशहूर फाउस्टिनो ने एक बार फिर अपने असाधारण खेल से सबको चौंका दिया। पहले दौर में उन्होंने क्रोएशिया के आंटे ब्रकिक को हराकर सनसनी फैला दी थी।

फाउस्टिनो ने दी कड़ी टक्कर

मंगलवार को खेले गए मुकाबले में फाउस्टिनो ने काले मोहरों से बर्लिन डिफेंस अपनाई। विदित ने मिडिल गेम में थोड़ी बढ़त पाने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने सटीक चालों से स्थिति बराबर रखी। आखिर में विदित ने जोखिम से बचते हुए तीन बार पोजिशन दोहराई और 28 चालों में खेल ड्रॉ घोषित हुआ। अब बुधवार को खेले जाने वाले रिटर्न गेम में विदित काले मोहरों से खेलेंगे। अगर वह मुकाबला भी बराबरी पर छूटा, तो नतीजा तय करने के लिए टाई-ब्रेक (कम समय वाले खेल) खेले जाएंगे।

मार्नस लाबुशेन की एशेज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

पहले टेस्ट के लिए हुई कंगारू टीम की घोषणा

गोल्ड कोस्ट, एजेंसी। लगातार लचर प्रदर्शन के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले मार्नस लाबुशेन की एशेज श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बुधवार को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया। लाबुशेन खराब फॉर्म के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह वापसी करने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। उन्हें मैट रेनशॉ और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। वेदरल्ड पिछले साल शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में 50.33 की औसत से 906 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ शतक भी लगाया था। नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुवाई करेंगे। कमिंस अभी भी पीठ के निचले हिस्से की समस्या से उबर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ शामिल होने की उम्मीद है, जबकि तेज गेंदबाजी विकल्प के रूप में ब्रेंडन डोगेट और सीन एबॉट भी टीम में हैं। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और कैमरन ग्रीन को भी टीम में शामिल किया गया है।

टीम इस प्रकार है

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

महिला विश्व कप जीतने के बाद मंधाना को लगा झटका

स्मृति ने आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान गंवाया

दुबई, एजेंसी। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नई महिला एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई है लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट नवीनतम सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़ने के अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ड्ट ने टूर्नामेंट में 571 रन बनाए, जो किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे वह अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 814 हासिल करने में सफल रही। भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। नवी मुंबई में सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली रोड्रिग्स ने अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि फोबे लिचफील्ड ने उसी मैच में शतक की बदौलत 13 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग (637) हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी सातवें स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के साथ संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। डिवाइन पहले ही वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर भी चार स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गयीं। गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की मारिजाने काप अब सोफी एक्लेस्टोन को शीर्ष स्थान से हटाने के करीब पहुंच गई हैं। उनके अब 712 रेटिंग अंक हो गए हैं। भारत की दीप्ति शर्मा विश्व कप फाइनल में 58 रन बनाने के अलावा पांच विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑलराउंडर की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

बांग्लादेश क्रिकेट में बवाल: निगार सुल्ताना 'जूनियर खिलाड़ियों को पीटती हैं'

- तेज गेंदबाज का कप्तान पर सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट में महिला टीम से बाहर चल रही तेज गेंदबाज जहांआरा आलम को आरोपों ने बवाल मचा दिया है। आलम ने कप्तान निगार सुल्ताना जोती पर जूनियर क्रिकेटरों को पीटने का आरोप लगाया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस आरोप को 'निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुए खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के अखबार 'कलेर कांथो' को दिए एक इंटरव्यू में आलम

ने भारत और श्रीलंका में हाल ही में हुए महिला वनडे विश्व कप में टीम के सातवें स्थान पर रहने के बाद मौजूदा कप्तान, कुछ साथियों, कोचिंग स्टाफ और टीम प्रबंधन पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। आलम ने अखबार से कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। जोती जूनियर्स को खूब पीटती है। इस विश्व कप के दौरान भी, जूनियर्स ने मुझसे कहा था, नहीं, मैं ऐसा दोबारा नहीं करूंगी। मुझे फिर से थप्पड़ खाने पड़ेंगे।' मैंने कुछ लोगों से सुना, 'कल मेरी पिटाई हुई थी। दुबई दौरे के दौरान भी, उसने एक जूनियर को कमरे में बुलाकर थप्पड़ मारा था।'

टीम का माहौल टॉक्सिक

आलम ने इस साल की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात में 2024 टी20 विश्व कप के दौरान मानसिक स्वास्थ्य खराब होने के बाद दो महीने का ब्रेक लिया था। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद बांग्लादेश के लिए नहीं खेला है। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने बांग्लादेश के लिए 52 एकदिवसीय मैचों में 48 विकेट और 83 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 60 विकेट लिए हैं। उन्होंने ने दावा किया कि टीम का माहौल पिछले कुछ वर्षों में टॉक्सिक हो गया है।

सबकी तकलीफ अलग-अलग

आलम ने कहा, 'मैं अकेली नहीं हूं, बांग्लादेश टीम में हर कोई कमोबेश इसका शिकार है। सबकी तकलीफ अलग-अलग है। यहां एक-दो लोगों को बेहतरीन सुविधाएं मिलती हैं और कुछ मामलों में सिर्फ एक ही व्यक्ति को मिलती हैं। 2021 में, मेरे जैसे सीनियर खिलाड़ियों और कुछ अन्य लोगों को पोस्ट-कोविड कैंप से बाहर करने का सिलसिला शुरू हुआ। फिर मुझे बांग्लादेश की तीन टीमों में से एक का कप्तान बना दिया गया। बाकी दो टीमों की कप्तान जोती (निगार सुल्ताना) और शर्मिन सुल्ताना थीं। तभी से सीनियर खिलाड़ियों पर दबाव शुरू हो गया।'

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 17 साल की लड़की ने खुद को लगाई आग, पड़ोस में फंदे से लटका मिला युवक का शव

नईदिल्ली , एजेंसी। बाहरी दिल्ली के रणहौला इलाके में 17 वर्षीय लड़की की झुलसने से मौत हो गई जबकि कुछ ही देर बाद एक व्यक्ति का शव पास के घर में फंदे से लटका मिला। पुलिस को संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इन दावों को खारिज कर दिया कि दोनों के बीच संबंध थे। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से झुलसी लड़की को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि उसके घर के पास ही एक अन्य गली में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारी के अनुसार, लड़की ने परिवार से झगड़ा होने के बाद खुद को आग लगा ली। उन्होंने बताया कि अपराध टीम ने दोनों जगहों का निरीक्षण कर फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। इसके अलावा परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा, महिला के जलने के कारण और पुरुष की मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

अमूल और इफको के नाम बड़ी उपलब्धि, गृहमंत्री अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अमूल और इफको ने खास मुकाम हासिल किया है। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रदर्शन के आधार पर दुनिया की पहले नंबर की सहकारी संस्था का दर्जा दिया गया है। वहीं, इफको ने इसी रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने इस खास उपलब्धि पर बधाई दी है। एक्स पर लिखे अपने खास संदेश में गृहमंत्री ने इसका श्रेय पीएम मोदी की दूरदर्शिता भरे नेतृत्व को दिया। बता दें कि यह रैंकिंग इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस (आईसीए) वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर 2025 ने जारी की है। इस सूची की घोषणा कतर के दोहा में आईसीए सीएम50 सम्मेलन में की गई। जीसीएमएमएफ ने मंगलवार को बयान में कहा कि यह पहचान अमूल के अपने सहकारिता मॉडल के जरिए लाखों डेयरी किसानों को मजबूत बनाने में योगदान को दर्शाता है। इससे पूरे भारत में समावेशी वृद्धि और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलता है। इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस का मुख्यालय ब्रसेल्स में है। यह दुनिया भर की सहकारी संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है और उनके टिकाऊ कारोबारी मॉडल को बढ़ावा देता है। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने कहा कि अमूल एक ऐसा ब्रांड है जिसका स्वामित्व पूरी तरह किसानों के पास है। वे दूध इकट्ठा करने और विनिर्माण से लेकर विपणन तक सारा प्रबंधन करते हैं। हमारा असर सिर्फ आर्थिक तक ही सीमित नहीं है। हमारा मॉडल गरीबी कम करने और लैंगिक समानता से लेकर स्थिर समुदाय तक संयुक्त राष्ट्र के कई टिकाऊ विकास लक्ष्यों का समर्थन करता है।

अहमहाबाद-मुंबई रूट के अलावा अमृतसर-जम्मू को भी जोड़ने का नया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद और मुंबई के बीच देश का पहला बुलेट ट्रेन चलाने के लिए इस रूट पर तेजी से काम हो रहा है। इस बीच, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार दो बड़े तीर्थस्थलों के बीच भी नई बुलेट ट्रेन चलाने के लिए 240 किलोमीटर लंबे बुलेट ट्रेन नेटवर्क बनाने की भी योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरे बुलेट ट्रेन नेटवर्क के तहत पंजाब के अमृतसर से जम्मू-कश्मीर के जम्मू के बीच बुलेट ट्रेन दौड़ाने की योजना है। हाल ही में कश्मीर घाटी के लिए शुरू हुई वंदे भारत सेवा के बाद, यह जम्मू-कश्मीर के लिए यह एक बड़ा तोहफा होगा। इस रूट के चालू होने से दो तीर्थस्थल जुड़ जाएंगे। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर है, जबकि जम्मू से 43 किमी दूर कटरा में माता वैष्णो देवी का मंदिर है। राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल प्राधिकरण ने प्रस्तावित अमृतसर-जम्मू हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 'सरेखण और हवाई सर्वेक्षण हेतु अंतिम सर्वेक्षण' हेतु बोलियाँ आमंत्रित की हैं।

लाड़ली, लक्ष्मी, बहिन... चुनावी साल में महिलाओं को नकद तोहफे की बाढ़

नई दिल्ली, एजेंसी।
देशभर में महिलाओं को सीधे नकद सहायता देने की योजनाएं अब राज्यों की नई सामाजिक-राजनीतिक रणनीति बन चुकी हैं। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 12 राज्यों ने महिलाओं के लिए बिना शर्त नकद हस्तांतरण योजनाएं शुरू की हैं, जबकि दो साल पहले यानी 2022-23 में ऐसे राज्यों की संख्या मात्र दो थी।

पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की इस ताजा अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में ये 12 राज्य मिलकर 1,68,050 करोड़ रुपये खर्च करेंगे- जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.5 प्रतिशत है। दो साल पहले यह आंकड़ा 0.2 प्रतिशत से भी कम था।

चाहे कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी', मध्य प्रदेश की 'लाड़ली बहना', महाराष्ट्र की 'लाडकी बहिन' या बिहार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' हो, लगभग हर राजनीतिक दल अब महिलाओं को नकद सहायता के रूप में राहत देने की कोशिश कर

रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना बताया जाता है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ये योजनाएं चुनाव से पहले महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाने का आसान और असरदार तरीका बन चुकी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों में आने वाले वर्ष में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां इन योजनाओं पर खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। असम में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इन योजनाओं के लिए 31% अधिक राशि आवंटित की गई है। पश्चिम बंगाल में यह वृद्धि 15% रही है। झारखंड सरकार ने अक्टूबर 2024 में मुख्यमंत्री मायन सम्मान योजना के तहत मासिक राशि 1,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी। हालांकि, आर्थिक दबाव बढ़ने पर कुछ राज्यों को लाभ राशि घटानी भी पड़ी है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल 2025 में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना की राशि 1,500 से घटाकर 500 रुपये कर दी, खासकर उन महिलाओं के लिए जो पहले से किसानों हेतु चल रही किसी अन्य प्रत्यक्ष लाभ योजना के तहत 1,000 रुपये प्राप्त कर रही थीं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही राज्यों को चेतावनी दी है कि बढ़ती सब्सिडियों, कृषि ऋण माफी और नकद हस्तांतरण योजनाओं से राज्यों की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ रहा है। ~~क्क~~ रिपोर्ट के अनुसार, 12 राज्यों में से छह राज्यों ने वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व घाटे का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि यदि नकद हस्तांतरण योजनाओं के खर्च को हटाकर देखा जाए, तो इन राज्यों की राजस्व स्थिति बेहतर दिखती है। उदाहरण के लिए - कर्नाटक का राजस्व संतुलन 0.3 प्रतिशत अधिशेष से घटकर 0.6 प्रतिशत घाटे में पहुंच जाता है। मध्य प्रदेश में यह अधिशेष 1.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 0.4 प्रतिशत रह जाता है। यह प्रवृत्ति दरअसल ओडिशा से शुरू हुई थी, जब राज्य सरकार ने किसानों को सीधे नकद सहायता देना प्रारंभ किया था। अब यही मॉडल महिलाओं तक पहुंच चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन योजनाओं से लघुकालीन सामाजिक और राजनीतिक लाभ तो मिलते हैं, लेकिन दीर्घकाल में राज्यों के वित्तीय अनुशासन पर खतरा बढ़ सकता है।

नौकरी लगेगी या नहीं मम्मी-पापा माफ करना लिखकर डीयू की छात्रा ने होटल में जान दी

नई दिल्ली, एजेंसी।
रेवाड़ी के एक होटल में मंगलवार को डीयू की छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है...मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना।

पुलिस के मुताबिक युवती की पहचान राजस्थान के झुंझुनूं की रहने वाली 20 वर्षीय निकिता के रूप में हुई है। वह दिल्ली यूनिवर्सिटी के आत्माराम कॉलेज में बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा थी और दिल्ली में ही किराये पर रह रही थी। पुलिस ने छात्रा के परिवार को घटना की सूचना दे दी है। बुधवार को उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। होटल स्टाफ के अनुसार निकिता तीन नवंबर दोपहर करीब तीन बजे होटल में आई थी। उसने यहां कमरा लिया। वह कमरे में अकेली ठहरी हुई थी। मंगलवार सुबह 11 बजे निकिता का चेक आउट करने का टाइम था, लेकिन वह नीचे नहीं आई। इंतजार करने के बाद रिसेप्शन से निकिता के कमरे में कॉल की गई, लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया। स्टाफ ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो निकिता ने कुर्सी पर चढ़कर पंखे से फंदा लगाकर फांसी लगाई हुई थी।

सेक्टर-43 स्थित एक सोसाइटी की आठवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी करने वाली अनिता भी कैंसर की बीमारी से ग्रस्त थीं। पुलिस को मौके से सूसाइड नोट नहीं मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों हादसों में घटनास्थल पर फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम और फिंगर प्रिंट ब्यूरो की टीम ने भी पहुंचकर सबूत जुटाए हैं।

होटल के कमरे से एक पेज का सुसाइड नोट मिला है, उसमें निकिता ने लिखा है- मैं भविष्य के बारे में कोई निर्णय नहीं ले पा रही। आगे क्या करूं? मेरी नौकरी लगेगी या नहीं। मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना, मेरी दिमागी हालत ठीक नहीं है। मैं काफी दिनों से सोच रही थी। इसके लिए मैंने रेवाड़ी का होटल चुना है। शहर थाना प्रभारी सीमा कुमारी ने कहा कि जब टीम कमरे के अंदर गई तो युवती ने फांसी लगाई हुई थी। वह अकेली कमरे में ठहरी हुई थी। बेड के ऊपर सुसाइड नोट मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में आ रही नई शराब नीति, गुरुग्राम-नोएडा को टक्कर देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार की आबकारी विभाग पहली बार प्रीमियम शराब दुकानों को इंडस्ट्रियल जोन में खोलने की अनुमति देने पर विचार कर रही है। इसका उद्देश्य हाई-एंड ब्रांड्स की बिक्री बढ़ाना और गुरुग्राम-नोएडा से मुकाबला करना है। नई आबकारी नीति का ड्राफ्ट तैयार हो चुका है और जल्द ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सामने पेश किया जाएगा।

आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, प्रीमियम दुकानें कम से कम 24 मीटर चौड़ी सड़कों पर खोली जा सकेंगी। इन दुकानों में स्टाइलिश डिजाइन, बड़ा डिस्प्ले एरिया, टेम्परेचर कंट्रोल स्टोरेज और ज्यादा ब्रांड्स की वैरायटी होगी। वर्तमान में दिल्ली में 570 दुकानों में से सिर्फ 98 प्रीमियम हैं। नई नीति से इनकी संख्या दोगुनी की जाएगी। इसके लिए या तो नई दुकानें खोलीं जाएंगी या पुरानी को अपग्रेड किया जा सकता है। दिल्ली के अमीर ग्राहक गुरुग्राम और नोएडा की मॉडर्न दुकानों, ज्यादा चॉइस और लंबे घंटों की वजह से वहां जा रहे हैं। प्रीमियम सेगमेंट की बिक्री वॉल्यूम में 15त्न से कम है, लेकिन वैल्यू में

35त्न। नई नीति से इसे बढ़ाकर राजस्व मजबूत किया जाएगा। दुकानें साकेत, कनॉट प्लेस, द्वारका, एयरोसिटी जैसे इलाकों और नरैना, ओखला, मायापुरी जैसे इंडस्ट्रियल हब्स में खुलेंगी। नई दुकानों में न्यूनतम फ्लोर एरिया, सीसीटीवी और सिर्फ डिजिटल पेमेंट अनिवार्य होगा। लाइसेंस हाई फीस पर ऑक्शन से दिए जाएंगे, ताकि पारदर्शिता और कमाई दोनों बढ़े। नीति दिल्ली के शराब बाजार को अन्य बड़े शहरों जैसा बनाने पर फोकस कर रही है। ड्राफ्ट आबकारी विभाग में अप्रूव हो चुका है और मंत्री प्रवेश वर्मा से चर्चा हो चुकी है। सोमवार की मीटिंग टल गई, लेकिन जल्द कैबिनेट में पेश होगा।

दिल्ली छठे और गुरुग्राम 10वें नंबर पर है

एनसीआर के 5 शहरों में ज्यादा पलूशन

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के कई शहर सर्दियों की शुरुआत में ही एक बार फिर गैस चैंबर बन चुके हैं। स्मॉग के काले चादर से ढंके इन शहरों लोग खांसी, आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ जैसी शिकायतों से जूझ रहे हैं तो सरकारें लीपापोती में जुटी हैं। सेंटर फॉर रिसर्च एंड एनर्जी एंड क्लीन एयर की एक रिपोर्ट में पता चला है कि पिछले महीने 2.5 वाले पलूशन के मामले में देश के 10 सबसे बुरे हाल वाले शहर एनसीआर में ही हैं। हालांकि, चौंकाने वाली बात यह है कि दिल्ली इस मामले में छठे और गुरुग्राम 10वें नंबर पर है। ज्यादा प्रदूषित वे शहर हैं जिनकी अक्सर चर्चा नहीं होती।

रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा का धारूहेड़ा इस लिस्ट में सबसे ऊपर है, जहां अक्टूबर में औसत मासिक पीएम 2.5 सांद्रता

(सघनता) 123 माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर थी। दिल्ली में यह 107 दर्ज किया गया और राष्ट्रीय राजधानी इस मामले छठे स्थान पर रही। अक्टूबर में देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर रोहतक था। तीसरे स्थान पर गाजियाबाद, चौथे पर नोएडा, पांचवें पर बल्लभगढ़, छठे पर दिल्ली, सातवें पर भिवाड़ी, आठवें पर ग्रेटर नोएडा, नौवें पर हापुड़ और दसवें पर गुरुग्राम रहा।

दिल्ली में एक ही महीने में औसतन पीएम 2.5 सांद्रता के स्तर में भारी उछाल दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में इसका औसत 36 था जोकि अक्तूबर में 107 माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर हो गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अक्टूबर में पराली जलाने का योगदान दिल्ली के पीएम2.5 स्तर में 6 प्रतिशत से भी कम रहा, लेकिन अचानक हुई तेज बढ़ोतरी यह दिखाती है कि सालभर चलने वाले उत्सर्जन स्रोतों का प्रभाव अधिक है। केवल मौसमी योजनाओं (जैसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) से आगे बढ़कर लंबी अवधि की नीतियों और समाधान तैयार करने की आवश्यकता है।

अक्टूबर 2024 में भी देश के 10 सबसे प्रदूषित शहर एनसीआर से ही थे। हालांकि, तब दिल्ली सबसे आगे थी, जहां पीएम 2.5 का सांद्रता का मासिक औसत 111 माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर था। दूसरे स्थान पर 110 औसत के साथ गाजियाबाद दूसरे और मुजफ्फरनगर तीसरे स्थान पर था।

राजनीतिक माहौल में बढ़ती असुरक्षा

शख्स ने राष्ट्रपति शेनबाम से की छेड़छाड़

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम के साथ एक खतरनाक घटना उस समय हुई जब वह राजधानी मैक्सिको सिटी में नागरिकों के बीच टहल रही थीं। एक नशे में धुत व्यक्ति अचानक सुरक्षा घेरे को तोड़कर उनके बेहद करीब पहुंच गया और उन्हें छूने की कोशिश की। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। सोमवार शाम शेनबाम अपने समर्थकों और स्थानीय लोगों से मिलने सड़क पर निकली थीं। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति, जो स्पष्ट रूप से नशे में दिखाई दे रहा था, भीड़ को चीरते हुए शेनबाम के पास पहुंचता है। वह उनके बहुत करीब जाकर उनके कंधे पर हाथ रखता है

और कुछ कहने की कोशिश करता है। राष्ट्रपति पूरी तरह शांत रहती हैं और मुस्कराते हुए हल्के से उस व्यक्ति को दूर करती हैं। वह धीरे से कहती हैं – ÷चिंता मत करो।÷ इसके तुरंत बाद सुरक्षा कर्मी हरकत में आते हैं और उस व्यक्ति को पीछे खींच लेते हैं।

घटना का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद मैक्सिको के राष्ट्रपति सुरक्षा तंत्र पर सवाल उठने लगे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि राष्ट्रपति की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक अस्वीकार्य है, खासकर उस देश में जहां हाल ही में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। कुछ ही दिन पहले एक स्थानीय मेयर की हत्या कर दी गई थी, जिनसे शेनबाम ने कुछ दिन पहले ही मुलाकात की थी। इस घटना ने शेनबाम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई बहस को जन्म दे दिया है। क्लाउडिया शेनबाम अपने ÷जनता के बीच रहने वाले नेता÷ के तौर पर जानी जाती हैं। वे बिना किसी बड़ी सुरक्षा दीवार के लोगों के साथ घुलने-मिलने के लिए प्रसिद्ध हैं। यही सादगी उन्हें जनता में लोकप्रिय बनाती है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अब यह सादगी उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। देश में बढ़ती राजनीतिक हिंसा और अपराध दर को देखते हुए, आने वाले दिनों में उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों में अधिक सख्त सुरक्षा इंतजाम किए जाने की संभावना है।

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा

तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली

बीजिंग , एजेंसी। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है। चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है। चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला-बदली करता है। बीते शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी। अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गईं। शेनझोउ-20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे। हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। जरिए तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर अपने कक्षीय स्टेशन पर भेजा है। इससे पहले चीन ने एलान किया था कि वह वर्ष 2030 तक अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने बताया था कि फिलहाल इंसानों को चंद्रमा पर भेजने से जुड़ी सभी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं।

मालदीव में दुनिया का पहला धूम्रपान-शून्य कानून लागू

मालदीव, एजेंसी। सांसों को धुआं-मुक्त बनाने की दिशा में मालदीव ने साहसिक कदम उठाया है। देश ने 1 नवंबर से वह ऐतिहासिक कानून लागू कर दिया है जिसके तहत 2007 के बाद जन्मा कोई भी व्यक्ति चाहे वह नागरिक हो या सैलानी अब सिगरेट, तंबाकू, ई-सिगरेट या वेपिंग उत्पाद न खरीद सकेगा, न इस्तेमाल कर सकेगा। इससे मालदीव दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है जिसने पूरी नई पीढ़ी के लिए धूम्रपान को हमेशा के लिए अतीत बना दिया। आधिकारिक रूप से पुष्टि की है कि 1 नवम्बर 2025 से तंबाकू-मुक्त पीढ़ी कानून लागू हो चुका है। यह नियम विदेशी पर्यटकों पर भी लागू होगा। दुकानदारों को खरीदार की उम्र की अनिवार्य जांच करनी होगी। उल्लंघन की स्थिति में नाबालिग को तंबाकू बेचने पर 50,000 मालदीवियन रूफिया (करीब 2.88 लाख रुपए) का जुर्माना भरना पड़ेगा। प्रतिबंधित ई-सिगरेट या वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया (करीब 29,000 रुपए) का जुर्माना लगाया जाएगा। यह निर्णय राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की स्वास्थ्य-केंद्रित नीति का हिस्सा है, जिसमें गैर-संक्रामक बीमारियों से बचाव और युवाओं को नशे से दूर रखने पर जोर है। मुइज्जू ने कहा कि यह कानून स्वस्थ और उत्पादक समाज बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

ममदानी ने विक्ट्री स्पीच में किया पूर्व पीएम का जिक्र ?

न्यूयॉर्क , एजेंसी।
अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नए मेयर जोहरान ममदानी ने बुधवार को चुनाव में अपनी जीत के जश्न में जवाहरलाल नेहरू के 1947 के मशहूर भाषण भाग्य से मिलन का जिक्र किया।

ममदानी ने भारत की आजादी पर दिए गए भाषण में नेहरू के शब्दों का हवाला दिया, मुझे जवाहर लाल नेहरू के शब्द याद आ रहे हैं। इतिहास में एक ऐसा क्षण बहुत कम आता है, जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग का अंत होता है और जब लंबे समय से दमित एक राष्ट्र की आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। आज रात, न्यूयॉर्क ने ठीक यही किया है। यह नया युग स्पष्टता, साहस और दूरदर्शिता की मांग करता है, किसी बहाने की नहीं। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने मंगलवार रात न्यूयॉर्क शहर के

सबसे कम उम्र के मेयर बनकर इतिहास रच दिया। वह इस पद को हासिल करने वाले पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई प्रवासी भी हैं। ममदानी ने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस सिल्वा को हराकर 50.4 प्रतिशत वोट हासिल किए। सीबीएस न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, ममदानी ने आर्थिक असमानता और जीवन-यापन की लागत से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के वादों के साथ चुनाव लड़ा। उन्होंने किराए पर स्थिर घरों में रहने वालों के लिए किराए पर रोक, किफायती आवास निर्माण, मुफ़्त और तेज़ बस सेवा, मुफ़्त चाइल्डकैअर, ऊँची खाद्य लागतों को कम करने के लिए शहर के स्वामित्व वाली किराना दुकानें और अमीरों पर करों में वृद्धि का वादा किया।

धूम मचाले साँग म्यूजिक के साथ खत्म किया स्पीच

ममदानी ने जैसे ही अपनी स्पीच खत्म की, इसके तुरंत बाद बैंकग्राउंड में बॉलीवुड फिल्म धूम मचाले का टाइटल म्यूजिक बजने लगा। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

बेहद खास मानी जा रही ममदानी की जीत?

जोहरान ममदानी की ये जीत कई मायनों में खास मानी जा रही है। ममदानी प्रथम मुस्लिम और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने हैं। विश्व के सर्वाधिक विविधतापूर्ण शहरों में से एक समावेशिता के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

प्रथम भारतीय मूल के तथा सबसे युवा महापौर बने- 34 साल की उम्र में ममदानी नेतृत्व की एक नई पीढ़ी का सूत्रपात किया है, जो सक्रियता पर आधारित है।

कैमरे की नजर में लुगूबुरु घांटाबाड़ी धोरोम गढ़ राजकीय महोत्सव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड स्थित ललपनिया में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय लुगूबुरु घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव- 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन। पुनाय थान में पारंपरिक विधि- विधान से लुगूबुरु बाबा की पूजा- अर्चना कर राज्य की सुख- समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की मुख्यमंत्री ने की कामना। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता सीताराम रवानी द्वितीय पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला अधिवक्ता संघ के पुर्व अध्यक्ष स्वर्गीय सीताराम रवानी की द्वितीय पुण्यतिथि आज बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर के पुस्तकालय भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उनके सम्मान मे दो मिंट का मौन रख कर उन्हे श्रद्धांजलि दी गई। जहां उनके अधिवक्ता पुत्र और पुत्री अतुल कुमार और राजश्री उपस्थित थें । मौके पर संघ के अध्यक्ष बासुदेव गोस्वामी, महासचिव दिनेश प्रसाद शर्मा, उपाध्यक्ष सुधेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सोमनाथ शेखर,सहायक कोषाध्यक्ष राकेश कुमार झा,संयुक्त सचिव प्रसाशन प्रदीप कुमार झा,संयुक्त सचिव पुस्तकालय अतुल कुमार, कार्यकारिणी सद्स्य नवीन कुमार,दामोदर कुमार,रुपेश कुमार,कामदेव पाठक, मृतयुन्जय मल्लिक, आयशा प्रवीन,बिजय कुमार झा, प्रणेश कुमार सिंह,विष्णुकान्त मिश्रा , झारखंड स्टेट बार काउंसिल के मेम्बर श्री मृतयुन्जय श्रीवास्तव , श्री रंजीत गिरि, मनोज सिंह,रवीन्द्र प्रसाद सिंह, सूनील सिसोडिया,जवाहर प्रसाद ,अनंत पांडेय, वीणा रानी,प्रतिमा कुमारी,अनुराधा आदि कई अधिवक्ता उपस्तिथ थे।

सरायकेला में तीन मोबाइल एंबुलेंस यूनिट को किया रवाना

सरायकेला-खरसावां/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला मुख्यालय में आदिम जनजातीय समुदाय के स्वास्थ्य सुधार के लिए एक सराहनीय पहल की गई। प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को सुदूर आदिवासी इलाकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से तीन मोबाइल एंबुलेंस यूनिट्स की शुरूआत की गई। जिला उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह ने जिला समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर इन एंबुलेंसों को रवाना किया। ये मोबाइल मेडिकल यूनिट्स हर माह 24 दिनों तक चांडिल, नीमडीह और कुचाई प्रखंडों के दुर्गम एवं पहाड़ी इलाकों में भ्रमण करेंगी। इस दौरान आदिम जनजातीय समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य जांच, रोग निदान और निःशुल्क दवा वितरण किया जाएगा। प्रत्येक मोबाइल यूनिट में पाँच सदस्यीय मेडिकल टीम तैनात की गई है, जिसमें चिकित्सक, नर्स, लैब टेक्नीशियन और स्वास्थ्य सहायक शामिल हैं। ये टीमें गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करेंगी और आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान करेंगी। सरायकेला-खरसावां प्रशासन की यह पहल न केवल आदिम जनजातीय समुदायों के स्वास्थ्य सुधार में मदद करेगी, बल्कि दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता को भी बढ़ाएगी।

चाची का अश्लील वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल, चाचा ने कर दी हत्या, 3 गिरफ्तार

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिरसानगर थानांतर्गत जोन नंबर-11 के रहने वाले लापता कृष्णा महतो का शव जादूगोड़ा में नदी किनारे से पुलिस ने बरामद किया है. कृष्णा का हाथ-पांव बंधा हुआ था. पुलिस ने इस मामले में कृष्णा महतो के चाचा राजेश महतो, मुकेश मुर्मू और आसिफ अंसारी को गिरफ्तार किया है. तीनों ने मिलकर हत्या के इरादे से पहले कृष्णा का अपहरण किया. फिर हाथ-पांव बांध कर लुपुंगडीह पुल से नीचे नदी में फेंक दिया. गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने गुनाह स्वीकार कर लिया है. तीनों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया. घटना 12 अगस्त की रात को हुई थी. इस संबंध में कृष्णा महतो के भाई प्रकाश महतो ने केस दर्ज कराया था. कथित तौर पर कृष्णा ने अपनी चाची का नहाते हुए अश्लील वीडियो बना लिया था. उसके बाद वह उस वीडियो को दिखाकर चाची को शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहता था. एक दिन कृष्णा अपने चाचा राजेश के साथ बैठकर शराब पी रहा था. उसी दौरान कृष्णा ने राजेश को वीडियो दिखाया और कहा कि अगर उसकी पत्नी उसके साथ संबंध नहीं बनायेगी, तो वह उस वीडियो को वायरल कर देगा. वीडियो देखने के साथ ही राजेश ने कृष्णा की हत्या करने का मन बना लिया था. इसके बाद राजेश अपने 2 दोस्त आसिफ अंसारी और मुकेश मुर्मू के साथ मिलकर कृष्णा की हत्या की योजना बनायी. 12 अगस्त की सुबह से ही प्रकाश महतो अपने भाई कृष्णा को फोन करके बुला रहा था. काम में व्यस्त रहने के कारण वह उसके पास नहीं गया. रात करीब 7 बजे कृष्णा महतो, राजेश के पास पहुंचा. वहां आसिफ अंसारी और मुकेश मुर्मू पहले से बैठे थे. वहां पहुंचने पर राजेश ने बताया कि उसे गाड़ी लेने के लिए चलना है. इसके बाद सभी एक ही गाड़ी से रवाना हो गये. चारों ने एक साथ गाड़ी में बैठकर शराब पी. जब कृष्णा नशे में धुत हो गया, तो आसिफ अंसारी ने कृष्णा के मुंह और हाथ-पैर बांध दिये. उसके बाद उसकी हत्या करने के लिए कार से निकले. जेम्को चौक पर आसिफ कार से उतर गया. उसके बाद राजेश और मुकेश कृष्णा को लेकर लुपुंगडीह नदी के पास पहुंचे. वहां ब्रिज के ऊपर से कृष्णा को नदी में फेंक दिया. उसके बाद दोनों अपने-अपने घर चले गये. जब 12 अगस्त की देर रात तक कृष्णा घर नहीं लौटा, तो उसकी खोजबीन शुरू हुई. उसके बारे में जानकारी नहीं मिली. उसके बाद भाई प्रकाश महतो ने राजेश और मुकेश के खिलाफ बिरसानगर थाने में कृष्णा की हत्या की नीयत से अपहरण करने का केस दर्ज कराया. 16 अगस्त को जादूगोड़ा पुलिस ने फोन कर बिरसानगर पुलिस को एक युवक का शव मिलने की जानकारी दी.

कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान पांच युवक नदी की धारा में बहे, तीन को बचाया गया

बोकारो/धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर धनबाद-बोकारो फोरलेन स्थित तेलमोच्चो पुल के नीचे दामोदर नदी में बड़ा हादसा हुआ है। यहां कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने पहुंचे पांच युवक नदी में बह गए। जिसमे से तीन को बचा लिया गया, जबकि दो अब भी लापता बताए जा रहें हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बाघमारा भीमकनाली के पांच युवक दामोदर नदी में पवित्र स्नान करने पहुंचे थे। इस दौरान ये सभी नदी की तेज धार की चपेट में आ गए और सभी नदी के साथ बहने लगे। इसी दौरान पास में खड़े कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दीखते हुए उनमें से 3 युवकों को किसी तरह नदी की तेज धार से बाहर निकालने में सफल रहे, जबकि दो युवक नदी की तेज धार में कही गायब हो गए। लापता युवकों की पहचान सनी चौहान (21) एयर सुमित राय (18) के रूप में हुई है।

वहीं घटना के बाद गोताखोरों की टीम को बुलाया गया और नदी में लापता युवकों की खोजबीन शुरू की गई है। सूचना मिल रही है कि तलाशी के दौरान नदी से एक शव निकाला गया है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नही हो सकी है। तो ऐसे में यह भी सवाल खड़ा हो रहा है कि यह किसका शव है? गोताखोरों की टीम अभी भी लापता दोनों युवकों की तलाश में जुटे हुए हैं। वहीं, मौके पर पहुंचे महुदा थाना प्रभारी ललित रंजन भगत ने बताया कि लापता युवकों की तलाश जारी है, मुनीडीह से अतिरिक्त गोताखोरों की टीम की सहायता मांगी गई है। एनडीआरएफ टीम को भी सूचना दी गई है। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने बताया कि उक्त घटना को लेकर उनकी उपायुक्त से वार्ता हो चुकी है, लापता दोनों बच्चों की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम रांची आए धनबाद के लिए रवाना हो गई है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में कार्तिक पूर्णिमा स्नान का विशेष महत्व है। आज के दिन हजारों-लाखों की संख्या में लोग नदी में स्नान करने पहुंचते है। ऐसे में सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया जाना, इसमे सरासर राज्य सरकार दोषी है। मौके पर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई थी, साथ ही पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर जमी रही।

हृदयविदारक घटना पर उपायुक्त ने जताया दुख

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेलमच्चों क्षेत्र में आज दामोदर नदी में एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ। जानकारी के अनुसार,धनबाद जिले के पांच बच्चे नदी में धनबाद बोकारो सीमा पर तेलमच्चो पुल के निकट नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले गए। स्थानीय लोगों की तत्परता और गोताखोरों की मदद से तीन बच्चों को तैरकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बोकारो प्रशासन के गोताखोर दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बच्चे का शव नदी से बाहर निकाला है। वहीं, शेष बच्चे की खोज अभियान अभी भी जारी है।

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और संवेदना

घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य आरंभ कर दिया। उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने स्वयं मामले की निगरानी की तथा राहत दलों को तुरंत स्थल पर भेजा गया। उपायुक्त ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरा दुख जताते हुए मृतक बच्चे के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि। यह अत्यंत दुखद घटना है। प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। लापता बच्चे की तलाश में पूरी प्रयास जारी है।

प्रशासन ने सावधानी का किया अनुरोध

प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि नदी और तालाबों में नहाने के दौरान विशेष सावधानी बरतें तथा बच्चों को अकेले जलाशयों की ओर नहीं जाने दें।

आयुष्मान भारत योजना के तहत सफलतापूर्वक हुआ गर्भाशय ऑपरेशन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सदर अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत सफलतापूर्वक गर्भाशय ऑपरेशन हुआ। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने बताया कि धनबाद की रहने वाली गीता देवी (उम्र 45 वर्ष) पति बजरंगी साव, निवासी गोल बिल्डिंग, मनईटांड़, पिछले चार महीनों से अत्यधिक माहवारी (ज्यादा रक्तस्राव) की समस्या से पीड़ित थीं। उन्होंने कई निजी चिकित्सकों से परामर्श लिया, जहाँ उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गई, परंतु आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे निजी अस्पतालों का ₹40 से 50 हजार तक का खर्च वहन नहीं कर पा रहीं थीं। उन्हें जानकारी मिली कि धनबाद के सदर अस्पताल में डॉ. संजीव कुमार प्रसाद, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एंडोस्कोपिक सर्जन द्वारा आयुष्मान भारत कार्ड के तहत निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने डॉ संजीव कुमार से परामर्श लिया। जाँच में खून की कमी पाई गई, जिसके बाद उनको रक्त चढ़ाया गया और उचित तैयारी के बाद आज, दिनांक 05 नवम्बर 2025 को, डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व में डॉ. आनंद (एनेस्थेटिस्ट), मदुसूदन मरांडी एवं सिस्टर रेखा के सहयोग से हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने का ऑपरेशन) सफलतापूर्वक किया गया। उपाधीक्षक ने बताया कि ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति सामान्य है और वह स्वस्थ है। गीता देवी ने जिला प्रशासन के साथ-साथ सदर अस्पताल के डॉक्टरों, स्टाफ और अस्पताल प्रशासन का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि आयुष्मान भारत योजना की वजह से ही उनका जीवन फिर से सामान्य हो पाया।

कार्तिक पूर्णिमा पर दामोदर नदी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को बोकारो और धनबाद जिले के हजारों श्रद्धालु दामोदर नदी के तट पर एकत्रित हुए। अहले सुबह से ही नदी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं, पुरुष और किशोरियां पारंपरिक वेशभूषा में नदी के ठंडे जल में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित करती दिखाई दीं। श्रद्धालुओं का मानना है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन नदियों में स्नान करने से गंगा स्नान के समान फल प्राप्त होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन स्नान करने से सभी पापों और दोषों से मुक्ति मिलती है तथा मन, शरीर और आत्मा शुद्ध हो जाते हैं। इसी कारण श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही दामोदर नदी की ओर रुख करने लगे। घाटों पर भजन-कीर्तन और दीपदान का सुंदर दृश्य देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद भगवान विष्णु और शिव की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने दीयों से आरती उतारी और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। नदी किनारे प्रसाद वितरण और दान-पुण्य का भी विशेष महत्व रहा। श्रद्धालुओं ने गरीबों को वस्त्र, अन्न और दक्षिणा दान की। उनका विश्वास है कि इस दिन किया गया दान अक्षय रहता है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल व्याप्त रहा। प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती की थी। दामोदर तट पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्थानीय संगठनों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्तिक पूर्णिमा के इस अवसर पर श्रद्धा, आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मारपीट मामले में छह अभियुक्त गिरफ्तार अन्य की तलाश जारी

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रनियां थाना क्षेत्र के लोहागड़ा में आयोजित डाइर मेला में 2 नवंबर को घटित मारपीट की घटना के मामले में तोरपा अनुमंडल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही मारपीट मामले में प्रयुक्त लकड़ी, रक्तरंजित पत्थर का टुकड़ा, शराब की बोतल और आरोपियों के वस्त्र को बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में बसिया थाना क्षेत्र का 20 वर्षीय सुखदेव झोरा उर्फ भोको, रनियां क्षेत्र के जापुद झोरा टोली निवासी 24 वर्षीय सनेतर झोरा उर्फ सोनू, डीगरी निवासी 45 वर्षीय जगतपाल सिंह उर्फ चौठा, डीगरी निवासी 32 वर्षीय मेलानियूस होरो, डीगरी निवासी 66 वर्षीय मार्शल कोनगाड़ी और रनियां कनकलोया निवासी 42 वर्षीय महिला पूनम भेंगरा शामिल है। खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर घटना की जानकारी दी और बताया कि मारपीट मामले में अन्य फरार अभियुक्तों की छापामारी जारी है और कांड की गहनता से जांच की जा रही है। गिरफ्तार छह अभियुक्तों पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत रनियां थाना में कांड दर्ज की गई है। छापामारी दल में एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, खूंटी पुलिस उपाधीक्षक रामप्रवेश कुमार, तोरपा अंचल पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, तोरपा थाना प्रभारी पुअनि मुकेश कुमार हेम्ब्रम, थाना प्रभारी तपकरा पुअनि नितेश कुमार गुप्ता, पुअनि अमित कुमार सिंह, रनिया थाना टिनु कुमार, रनिया थाना अमरजीत सिंकू, तपकरा थाना पुअनि श्यामल कुम्भकार, रनिया थाना सअनि डोमन टुडू, रनिया एवं तोरपा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

कार्तिक पूर्णिमा को गरगा नदी के तट पर गर्ग-गंगा दीपोत्सव

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली के दिन हर वर्ष की ही तरह बोकारो की जीवनरेखा गरगा नदी के तट पर गरगा पूल के पास स्थित छठ घाट पर 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' द्वारा हजारों दीप जलाकर गर्ग-गंगा दीपोत्सव का आयोजन किया गय। सर्वे प्रथम संस्थान के सभी पर्यावरण रक्षकों द्वारा गरगा नदी की विधिवत पूजा की गई तथा सबों ने नदी में दीप प्रवाहित कर दीपदान किया गया। संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा ने कहा कि गरगा नदी को प्रदूषण और अतिक्रमण मुक्त करने हेतु कई वर्षों से सरकार और जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए संस्थान द्वारा अनेकों कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें से यह गर्ग-गंगा दीपोत्सव भी एक है । ज्ञात हो कि इस पवित्र नदी में चास नगर निगम और बोकारो इस्पात संयंत्र की आवासीय कॉलोनियों सहित इसके किनारे बसे अनेकों घरों का मलमूत्र तथा गंदा नाला का प्रवाह इस नदी में अनवरत होने के कारण इसका जल अत्यंत प्रदूषित होगया है तथा काला पड़कर दुर्गंध युक्त हो गया है फिर भी न राज्य सरकार, न प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, न जिला प्रशासन ही इस नदी प्रदूषण को रोकने हेतु कोई कारगर कदम उठा रहा है जबकि नदी को प्रदूषित करना दंडनीय अपराध है । स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा पिछले दो दशक से इस नदी को प्रदूषण मुक्त करने हेतु अनेक कार्यक्रमों को आयोजित कर सरकार सहित सभी जवाबदेह संस्थाओं से आग्रह किया जारहा है मगर सभी अनसुनी कर रहे हैं । गरगा नदी को प्रदूषण और अतिक्रमण मुक्त करने हेतु संस्थान द्वारा अब सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया गया जिसके तहत एनजीटी में मामला दायर किया जाएगा। आज के कार्यक्रम में सुरेन्द्र कुमार पांडेय, रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा 'मुकुल', कौशल राय, बबलू पांडेय, विजय गुप्ता, विजय त्रिपाठी, लक्ष्मण शर्मा, अक्षय दुबे, गौरी शंकर सिंह, वीणा देवी, प्रभुनाथ चौधरी, राम मूर्ति पाठक, सुनील झा, अनुराग मिश्र, रोहित सिंह, सरोज तिवारी, धर्मेंद्र सिंह, अनिल ठाकुर, कामाख्या पांडेय, अमरेश तिवारी, हरेश ओझा, महेश ओझा, राजीव मिश्र, वीरेंद्र चौबे, जितेंद्र यादव,परशुराम शर्मा, अभय तिवारी सहित अनेकों पर्यावरण रक्षकों ने भाग लिया ।

गुरुद्वारे में धूमधाम से मनाया गया गुरु पर्व, श्रद्धालुओं की रही भारी भीड़

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कोयलांचल क्षेत्र के बड़े गुरुद्वारे में बुधवार को गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव और प्रकाश पर्व की धूम रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न क्षेत्रों के गुरुद्वारों से पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए। सुबह से ही गुरुद्वारे में शबद कीर्तन, अरदास और लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी के चरणों में माथा टेका और गुरु उपदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरे गुरुद्वारे परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण छाया रहा। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सरदार मंजीत सिंह ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हर वर्ष बड़े श्रद्धा भाव से गुरु पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि कोयलांचल के विभिन्न गुरुद्वारों से श्रद्धालु इस दिन बड़े गुरुद्वारे में एकत्र होते हैं और सामूहिक रूप से गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व का उत्सव मनाते हैं। दिनभर लंगर का आयोजन जारी रहा जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com